CMYK

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

SUNDAY

विलासपुर, रविवार, 10 सितंबर 2023

वर्ष - 33 | अंक - 132 | पृष्ठ - 12 |

मूल्य - 4.00 रु.

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

संपर्क करें..
bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

दुनिया में एकता व सहयोग ही सही रास्ता पृष्ठ 3

मड़ई
संस्कृति के दरपन म छत्तीसगढ़ पृष्ठ 4

घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलना भारत के लिए सबसे बड़ी बाधा : डिविलियर्स
मुक्केबाज मनीष कौशिक, मंजू रानी फाइनल म पृष्ठ 10

देश विदेश

- मोरक्को में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1037 हुई
- विश्व के आधे से अधिक स्कूली आयु वर्ग के शरणार्थी बच्चे शिक्षा से वंचित : संयुक्त राष्ट्र
- दक्षिण अफ्रीकी कद्दावर नेता बुथेलेजी का निधन

पृष्ठ 9

जी-20 शिखर सम्मेलन

जी-20 नई दिल्ली घोषणा पत्र आम सहमति से पारित

घोषणा पत्र में 9 बार आतंकवाद, 4 बार यूक्रेन का किया गया जिक्र

नई दिल्ली, 9 सितम्बर (देशबन्धु)। नई दिल्ली में जारी जी-20 सम्मेल के पहले दिन ही साझा घोषणा पत्र पर सहमति बन गई है। शनिवार को दूसरे सेशन की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने बतौर अध्यक्ष सभी सदस्य देशों की सहमति से नई दिल्ली घोषणा पत्र पारित कर दिया। घोषणा पत्र पास होने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सभी देशों ने नई दिल्ली घोषणा पत्र मंजूर किया है। सभी लीडर्स ने माना है कि जी-20 राजनीतिक मुद्दों पर बहस करने का प्लेटफॉर्म नहीं है। लिहाजा अर्थव्यवस्था से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की गई । हालांकि इस घोषणा पत्र में यूक्रेन जंग का 4 बार जिक्र हुआ है। साझा घोषणा पत्र पर सभी देशों की सहमति इसलिए खास है, क्योंकि नवंबर 2022 में इंडोनेशिया समिट में जारी घोषणा पत्र में रूस-

- अफ्रीकन यूनियन संगठन का सदस्य बना
- अर्थव्यवस्था से जुड़े अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

यूक्रेन युद्ध को लेकर सदस्य देशों के बीच सहमति नहीं बन पाई थी। तब रूस और चीन ने अपने आप को युद्ध के बारे में की गई टिप्पणियों से अलग कर लिया था। तब घोषणा पत्र के साथ ही इन देशों की लिखित असहमति शामिल की गई थी।

37 पेज का है घोषणा पत्र

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि

हमें चुनौतीपूर्ण समय में अध्यक्षता मिली। जी-20 का साझा घोषणा पत्र कुल 37 पेज का है। इसमें कुल 83 पैराग्राफ हैं।

घोषणा पत्र में शामिल मुख्य प्रस्ताव

विश्व में भरोसे का संकट, बातचीत से करेंगे दूर : मोदी

प्रधानमंत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में मोरक्को भूकंप में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा- दुख की घड़ी में हम मोरक्को के लोगों के साथ हैं और उनकी हरसंभव मदद करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना के बाद विश्व में विश्वास का संकट पैदा हो गया है। युद्ध ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। जब हम कोरोना को हरा सकते हैं तो आपसी चर्चा से विश्वास के इस संकट को भी दूर सकते हैं। ये सभी के साथ मिलकर चलने का समय है। प्रधानमंत्री ने कहा- आज हम जिस जगह इकट्ठा हुए हैं, यहां से कुछ किमी दूर ढाई हजार साल पुराना स्तंभ है। इस पर प्राकृत भाषा में लिखा है कि मानवता का कल्याण सदैव सुनिश्चित किया जाए। ढाई हजार साल पहले भारत की धरती ने यह संदेश पूरी दुनिया को दिया था। 21वीं सदी का यह समय पूरी दुनिया को नई दिशा देने वाला है।

जी-20 में देश के नाम की पट्टी पर 'भारत'

सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में जब उद्घाटन भाषण दिया, तो जो तस्वीर सामने आई उसने सबका ध्यान खींचा। पीएम मोदी के आगे देश का नाम इंडिया नहीं भारत लिखा था। ये पहला मौका है जब किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन प्रधानमंत्री की सीट के सामने देश का नाम इंडिया नहीं लिखा गया है। पिछली जी 20 बैठक इंडोनेशिया के बाली में 14 से 16 नवंबर को हुई थी। तब पीएम मोदी के आगे देश का नाम इंडिया ही लिखा था।

कोणार्क चक्र के सामने किया मेहमानों का स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के 'भारत मंडपम' में जी-20 समिट में आए विश्व नेताओं का स्वागत किया। मोदी जिस जगह मेहमानों का स्वागत कर रहे थे, वहां बैकग्राउंड में कोणार्क मंदिर का सूर्य चक्र बना हुआ था। जब बाइडेन वहां पहुंचे तो मोदी ने स्वागत

- सभी देशों को यूएन चार्टर के नियमों के मुताबिक काम करना चाहिए।
- बायो फ्यूल अलायंस बनाया जाएगा।
- एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य पर जोर दिया जाएगा।
- मल्टीलैट्रल डेवलपमेंट बैंकों को मजबूती दी जाएगी।
- ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर जोर दिया जाएगा।
- क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक ग्लोबल पॉलिसी बनाने पर बात होगी।
- कर्ज को लेकर बेहतर व्यवस्था बनाने पर जोर दिया है।
- दुनिया में तेजी से विकास करने वाले शहरों को फंड किया जाएगा।
- ग्रीन और लो कार्बन एनर्जी टेक्नोलॉजी पर काम किया जाएगा।
- सभी देशों ने आतंकवाद के हर रूप की आलोचना की है।

किया। बाइडेन की नजर चक्र पर पड़ी तो प्रधानमंत्री उनका हाथ पकड़कर सूर्य चक्र के बारे में बताने लगे। बाइडेन भी उनकी बात सुनते नजर आए। मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का गले लगाकर स्वागत किया। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज की आंख पर लगी चोट को लेकर उनका हालचाल जाना। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव पहुंचे, तो मोदी ने आगे बढ़कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

मोदी की छवि चमकाने को असलियत पर डाला पर्दा : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि दिल्ली में चल रहे जी-20 के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि चमकाने के लिए असलियत पर पर्दा डालने का काम हुआ है और इसके लिए हजारों झुग्गी वालों को बेघर किया गया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि जी20 का उद्देश्य सकारात्मक पहल के लिए विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का एक मंच पर आना है। इसका उद्देश्य वैश्विक समस्याओं से सहयोगात्मक ढंग से निपटना है। उन्होंने कहा कि सरकार का जोर सिर्फ इस बात पर है कि किसी भी तरह से प्रधानमंत्री की छवि को चमकाने में कोई कमी नहीं रह जाए। दिल्ली के लोगों की असलियत जी-20 सम्मेलन में नजर नहीं आए इसके लिए झुग्गियों को या तो ढक दिया गया है या ध्वस्त कर दिया गया है। सरकार की इस कार्रवाई से दिल्ली के हज़ारों लोग बेघर हो गए और उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जी-20 का बढ़ा कुनबा

अफ्रीकन यूनियन को भी शामिल करने की मिली मंजूरी

55 अफ्रीकी देशों का संगठन है अफ्रीकन यूनियन

भारत में चल रहे जी-20 बैठक का आगाज शानदार हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव पर सदस्य देशों ने 55 अफ्रीकी देशों के संगठन अफ्रीकन यूनियन को भी इसमें शामिल करने की मंजूरी दे दी है। मोदी ने जून माह में ही अफ्रीकी यूनियन को जी-20 में शामिल करने के लिए सदस्य देशों को खत लिखकर इसकी पहल कर दी थी। अपने स्वागत भाषण में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सबका साथ'की भावना से भारत ने यह प्रस्ताव रखा था,जिस पर सदस्य देशों ने अपनी सहमति दे दी। उन्होंने इसकी घोषणा करते हुए कहा, मेरा विश्वास है कि इस प्रस्ताव पर हम सबकी सहमति है। आप सबकी सहमति से आगे की कार्यवाही शुरू करने से पहले,मै अफ्रीकन यूनियन के अध्यक्ष को जी-20 में स्थायी सदस्य के रूप में अपना स्थान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित करता हूं। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अफ्रीकन यूनियन के अध्यक्ष अजाली असौमानी का गले लगाकर स्वागत किया। इसके साथ ही जी-20 कुनबे का नया विस्तार हो गया। अब माना जा रहा है कि जल्द ही औपचारिक रूप से इसका नाम बदलकर जी-21 किया जा सकता है। पूर्व आईएएस अधिकारी चंद्रकांत पांडेय का इस बारे में कहना है कि इस समूह में अफ्रीकन यूनियन के शामिल होने से भारत की छवि मजबूत होगी। ज्यादातर अफ्रीकी देशों के साथ भारत के संबंध पहले से बहुत अच्छे हैं। यूनियन को समूह में शामिल किए जाने के बाद इसके सदस्य देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे। उल्लेखनीय है कि जी-20 की अध्यक्षता मिलने के साथ ही भारत अफ्रीकन यूनियन को इस समूह में शामिल कराने की लगातार पैरोकारी कर रहा था। बतादें कि अफ्रीकन यूनियन की अध्यक्षता हर साल बदलती रहती है। इसकी एक साझा असेंबली है,जिसकी साल में कम से कम एक बैठक जरूर होती है और सदस्य नेता अपना नया अध्यक्ष चुनते हैं।

सार संक्षेप

मोरक्को में भूकंप: 1000 से ज़्यादा की मौत, सरकार ने लोगों को आगाह किया

मोरक्को। मोरक्को में बीती रात आए शक्तिशाली भूकंप के बाद कम से कम 1000 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है. मध्य मोरक्को में स्थित देश के चौथे सबसे बड़े शहर मराकेश में 6.8 तीव्रता के भूकंप आया जिसके बाद देश के कई शहरों में लोग सड़कों पर निकल आए. मोरक्को के आंतरिक मंत्रालय ने 1,037 लोगों के मौत और 1,200 से अधिक लोगों के घायल होने की पुष्टि की है. मंत्रालय ने बताया है कि घायल लोगों में कई लोगों की हालत गंभीर है. शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक़ अधिकतर मौतें देश के दूरस्थ पहाड़ी इलाक़ों में हुई हैं जहां पहुंचना मुश्किल होता है.

दिल्ली में चिलचिलाती गर्मी से मिली राहत, बारिश से तापमान में आई गिरावट

नई दिल्ली, 9 सितम्बर । दिल्ली में शनिवार की सुबह बारिश हुई। इससे चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली और न्यूनतम तापमान में गिरावट आई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से दो डिग्री कम है। मौसम विज्ञानियों ने आंशिक रूप से बादल छाए रहने और बहुत हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है।

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा शिवसेना के शिंदे गुट में शामिल

जयपुर। पूर्व मंत्री और राजस्थान के उदयपुरवाटी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक राजेंद्र गुढ़ा शनिवार को शिवसेना के शिंदे गुट में शामिल हो गए। गुढ़ा ने लाल डायरी को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला था। राजेंद्र गुढ़ा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में अपने पैतृक गांव गुढ़ा (नीमकाथाना) में पार्टी में शामिल हुए। उन्हें संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। शिंदे ने गुढ़ा का शिवसेना में उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी को भेजा गया न्योता

राम मंदिर में 22 जनवरी को विराजेंगे रामलला

अयोध्या, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला विराजेंगे। 15 जनवरी से मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस कार्यक्रम के लिए न्योता दिया जा चुका है। सूत्रों के मुताबिक समारोह के अंतिम दिन यानी 22 जनवरी को पीएम मोदी की मौजूदगी में राम मंदिर में रामलला को विराजमान किया जाएगा। शनिवार को राम मंदिर से जुड़ी भवन निर्माण समिति की दूसरे दिन बैठक में इन सभी बातों पर चर्चा हुई। बैठक अभी भी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र कार्यालय में चल रही है। इसमें विहिप अध्यक्ष आलोक कुमार, उपाध्यक्ष जीवेश्वर मिश्रा और राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद हैं।

1 नवम्बर से होगी धान की खरीदी

केंद्रीय पूल में जमा चावल के विरूद्ध राज्य सरकार की केंद्र सरकार से लेनदारी की राशि 6400 करोड़ रूपए देने पत्र लिखकर किया जाएगा आग्रह

रायपुर, 9 सितम्बर (देशबन्धु)। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत की अध्यक्षता में आगामी खरीफ विपणन वर्ष की धान खरीदी एवं कस्टम मीलिंग की नीति की समीक्षा कर सुझाव देने हेतु गठित मंत्रि-मंडलीय उप समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोषणा की अनुरूप छत्तीसगढ़ में पंजीकृत किसानों से आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2023-2024 में 20 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी का निर्णय लिया गया। पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी 01 नवंबर 2023 से धान खरीदी बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत शुरू होगी और 31 जनवरी 2024 तक चलेगा। इसी तरह

मक्का खरीदी भी 01 नवंबर 2023 से ही शुरू होगी और 28 फरवरी 2024 तक चलेगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष में किसानों से 125 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का अनुमानित लक्ष्य रखा गया है।

- प्रदेश के किसानों से खरीदा जाएगा प्रति एकड़ 2 क्विंटल धान
- किसानों से 125 से 13 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान

बैठक में जानकारी दी गई कि केंद्र सरकार द्वारा औसत अच्छी किस्म (एफएक्यू) के धान एवं मक्का के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। धान कामन के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य 2183 रूपए प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान के लिए 2203 रूपए प्रति क्विंटल के मान ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

चंद्रबाबू नायडू भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार

- आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं नायडू
- कौशल विकास निगम के भ्रष्टाचार का मामला

अमरावती, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। एक बड़े घटनाक्रम में, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू को राज्य पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने शनिवार को कौशल विकास निगम भ्रष्टाचार मामले में नंद्याल जिले में गिरफ्तार कर लिया। टीडीपी प्रमुख को पुलिस उपाधीक्षक एम.धनंजयडु के नेतृत्व में सीआईडी टीम ने सुबह करीब छह बजे गिरफ्तार किया।

नायडू की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी कार्यकर्ता एकत्र हुए, इसलिए इलाके में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। टीडीपी प्रमुख को भेजे गए नोटिस में लिखा है आपको सूचित किया जाता है कि धारा 120 (बी), 166, 167, 418, 420, 465, 468, 471, 409 के तहत , 201, 109 आर/डब्ल्यू 34 और 37 आईपीसी और सीआईडी की धारा 12, 13 (2) आर/डब्ल्यू 13 (1) (सी) और (डी) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1998 के तहत आपको गिरफ्तार किया जाता है। नोटिस के अनुसार, नायडू को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह एक गैर-जमानती अपराध है। नोटिस में कहा गया है कि वह केवल अदालत के माध्यम से जमानत मांग सकते हैं।

मेरी गिरफ्तारी अलोकतांत्रिक व असंवैधानिक : नायडू

अमरावती। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि उनकी गिरफ्तारी 'अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक' है। नंद्याल जिले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत राज्य सीआईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के दौरान, नायडू ने कहा कि' अधिकारी उनके अवैध काम या उस मामले में शामिल होने के सबूत नहीं दिखा रहे हैं।' नायडू ने दावा किया, 'मुझे निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि मैं लोगों के मुद्दे उठा रहा हूं।'

निर्वाचन आयोग ने लोस चुनाव की तैयारियां की तेज

चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए बंगाल जाएगी टीम

कोलकाता, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) का एक प्रतिनिधिमंडल आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए रविवार को कोलकाता जाएगा। सूत्रों ने कहा कि ईसीआई प्रतिनिधिमंडल में दो वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा और नितेश कुमार व्यास शामिल होंगे। पश्चिम बंगाल मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, मुख्य एजेंडा 2024 के लिए चुनाव तैयारियों का जायजा लेना है। दो वरिष्ठ अधिकारी उन क्षेत्रों पर प्रकाश डालेंगे जिन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सोमवार को बैठक का विशेष फोकस मतदाता सूची में संशोधन पर होगा। दोनों वरिष्ठ अधिकारी नए मतदाताओं के नाम शामिल करने, मृत मतदाताओं के नाम हटाने और डुप्लिकेट ईपीआईसी कार्डों को रद्द करने की दिशा में प्रगति पर रिपोर्ट मांग सकते हैं। अधिकारी ने कहा, राज्य में हाल ही में संपन्न पंचायत चुनावों में बड़े पैमाने पर हिंसा की पृष्ठभूमि में दिल्ली के दो अधिकारी चुनाव के दौरान सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की मांग कर सकते हैं, हालांकि इसकी निगरानी और संचालन ईसीआई द्वारा नहीं की गई थी। पश्चिम बंगाल में स्टॉक में मौजूद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की स्थिति और अतिरिक्त ईवीएम की आवश्यकताओं के मूल्यांकन के बारे में भी चर्चा होने की संभावना है।

चुनौती

केंद्र सरकार ने कहा था, कानून की समीक्षा कर रहे

राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट में 12 को सुनवाई

नई दिल्ली। 152 साल पुराने राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 12 सितंबर को सुनवाई करेगा। इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच करेगी।

इससे पहले 1 मई को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि राजद्रोह को अपराध बनाने वाली आईपीसी की धारा 124 ए की समीक्षा की जा रही है। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई स्थगित कर दी थी। हालांकि, सुनवाई की तारीख आने से पहले ही 11 अगस्त 2023 को गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 163 साल पुराने 3 कानूनों में बदलाव के लिए बिल पेश किया। इसमें राजद्रोह कानून खत्म करना भी शामिल है। लॉ कमीशन ने 2 जून को

- विधि आयोग ने कहा, राजद्रोह कानून जरूरी

सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। आयोग का कहना था कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए को आईपीसी में बनाए रखने की आवश्यकता है। इसको हटाने का कोई वैलिड रीजन नहीं है। हालांकि, कानून के उपयोग को लेकर ज्यादा स्पष्टता बनी रहे इसके लिए कुछ संशोधन किए जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने लगा दी थी रोक

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में एक आदेश दिया है कि जब तक आईपीसीएकी धारा 124 ए की समीक्षा पूरी नहीं हो जाती, तब तक इसके तहत कोई मामला दर्ज नहीं होगा। कोर्ट ने पहले से दर्ज मामलों में भी कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने यह भी कहा था कि इस धारा में जेल में बंद आरोपी भी जमानत के लिए अपील कर सकते हैं। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, टीएमी सांसद महुआ मोइत्रा समेत पांच पक्षों की तरफ से राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई थी। मामले में याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आज के समय में इस कानून की जरूरत नहीं है।

13 सितंबर को कांग्रेस की रेल रोको आंदोलन

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर सभी जिला मुख्यालय पर किया जाएगा प्रदर्शन

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव ने ली प्रेस वार्ता

गोरेला पेंड्रा मरवाही, 9 सितंबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही दोनों राष्ट्रीय राजनैतिक दलों में आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है, प्रदेश कांग्रेस कमेटी 13 सितंबर को प्रदेश भर में रेल रोको आंदोलन कर केंद्र की रेल अव्यवस्था पर आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश के भाजपा सांसदों पर आरोप लगाते हुए कई सवाल खड़े किए हैं। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में भी रेल रोको आंदोलन का कार्यक्रम पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन पर किया जाएगा, इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर बताया एवं पेंड्रारोड़ स्टेशन मास्टर को इस संबंध में ज्ञापन भी दिया है। पत्रकार वार्ता में अटल श्रीवास्तव ने बताया कि 10. 11 एवं 12 सितम्बर 2023 को पाम्पलेट पोस्टर वितरण एवं चरपा कार्यक्रम एवं 13 सितम्बर को प्रदेश के समस्त रेल्वे स्टेशनों पर रेल रोको आंदोलन का किया जाएगा, वार्ता में आरोप लगाते हुए कहां गया कि केन्द्र की मोदी सरकार, देश की सबसे विश्वसनीय यात्री सेवा रेल सुविधा को समाप्त करने का साजिश रच रही है। वर्षों से भारतीय रेल आग जनता का भरोरोमद सस्ता और सुलभ परिवहन का पर्याय हुआ करता था, जिसे मोदी सरकार ने रेल्वे की विश्वसनीयता को खत्म करते हुए निजी हाथो में बेंचने का षडयंत्र कर रही है और आये दिन ट्रेनों के परिचालन को निरस्त कर रही है। वर्तमान में 24 ट्रेनो परिचालन रदद कर दिया गया है, जिससे छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों को सुविधा से वंचित होना पड़ रहा है। केंद्र सरकार की केंद्र सरकार कीड्ढबिना कोई कारण बताये बिना किसी ठोस वजह के यात्री ट्रेनों को अचानक रद्द कर दिया जाता है। रेलवे द्वारा यात्री ट्रेनों को महिनों, हफ्तों तक बंद करने परिवहन का फर्मान जारी कर दिया जाता है महिनों पहले यात्रा की योजना बना कर रिजर्वेशन कराये नागरिकों की परेशानी से रेलवे को और केंद्र सरकार कोई मतलब नहीं रहता है। रेलवे यात्रियों के लिये कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं करती है। देश की आजादी के बाद ऐसी स्थिति केवल मोदी सरकार में आई है। जहां रेलवे की यात्री सुविधायें इतनी ज्यादा खस्ताहाल हो गयी है।

यात्री ट्रेनों को जानबूझकर रद्द किया जाता है, कभी कोयले के आपूर्ति के नाम पर कभी कोई और कारण बता कर यह विश्वसनीय यात्री सेवा भारतीय रेल को बदनाम करने की साजिश है ताकि लोग रेलवे से ऊब जाये और रेल को भी मोदी अपने उद्योगपति मित्रों के हवाले कर सके।

मोदी सरकार के पहले की केंद्र सरकारें घाटा उठा कर भी रेलवे सुविधाओं का विस्तार करती रही। आजादी के बाद से रेलवे का अलग बजट बनाया जाता था, लेकिन मोदी सरकार रेलवे की यात्री सुविधाओं को समाप्त कर इसे सिर्फ मालवाहक बनाना चाहती है और बाद में रेल को निजी हाथों में सौंपा जा सके इसका रास्ता बना रही है।

वर्ष 2020 में 32757 ट्रेनें निरस्त की गई

पिछले साढ़े तीन साल में 67382 ट्रेनों को रद्द किया गया, आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षवार निरस्त हुई ट्रेनों की पूरी जानकारी वर्ष 2021 में 32151 ट्रेनें निरस्त की गई वर्तमान में 24 ट्रेनें अगस्त 2023 के अंतिम तक रद्द की गयी है। वर्ष 2022 में 2474 ट्रेनें निरस्त की गई वर्ष 2023 में (अप्रैल माह तक) 208 ट्रेनें निरस्त की ,वर्तमान में 24 ट्रेन अगस्त 2023 की अंतिम तक रद्द की गई है गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में आयोजित काग्रेस की प्रेसवार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उत्तम वासुदेव नगर पंचायत पेंड्रा के उपाध्यक्ष पंकज तिवारी ओमप्रकाश बंका, ठाकुर पुष्पराज सिंह सहित कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

सरपंच को बर्खास्त करने सर्व आदिवासी समाज ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मध्य प्रदेश से जारी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर छत्तीसगढ़ में सरपंच का चुनाव लड़ा

गोरेला पेंड्रा मरवाही, 9 सितंबर (देशबन्धु)। सर्व आदिवासी समाज गौरेला - पेंड्रा - मरवाही द्वारा जनपद पंचायत गौरेला के ग्राम पंचायत हर्री के सरपंच मध्य प्रदेश राज्य के आदिवासी प्रमाण पत्र पर चुनाव लड़े जाने पर निर्वाचन शून्य घोषित कर तत्काल बर्खास्त कर उचित कार्यवाही करने के लिए एसडीएम पेंड्रा रोड को ज्ञापन सौंपा गया, विदित है की ग्राम हर्री के निवासी नीलेश कुमार द्वारा पूर्व दिनांक 20.07.2022 को आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

जिस पर कलेक्टर महोदय के द्वारा उक्त प्रकरण की जांच करने के लिए तहसीलदार महोदय पेंड्रारोड को जांच करने के लिए भेजा गया था और आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन का निराकरण करते हुये दिनांक 14.07.2023 को वर्तमान सरपंच श्यामवती ग्राम पंचायत हर्री को मध्य प्रदेश राज्य के आदिवासी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर छत्तीसगढ़ में उक्त आधार पर ही चुनाव लड़ा गया जो की अवैधानिक है 7

सर्व आदिवासी समाज गौरेला - पेंड्रा - मरवाही द्वारा एसडीएम पेंड्रारोड से मांग किया गया है की तहसीलदार पेंड्रारोड 14.07.2023 के आदेश के अनुसार सरपंच हर्री को तत्काल बर्खास्त करने के लिए ज्ञापन सौंपा गया और 5 दिवस में बर्खास्त नहीं करने पर सर्व आदिवासी समाज गौरेला - पेंड्रा - मरवाही द्वारा एसडीएम और कलेक्टर कार्यालय को घेराव करने के लिए सर्व आदिवासी समाज के युवा प्रभाग के अध्यक्ष मनीष सिंह धुर्वे, ब्लॉक अध्यक्ष जय सिंह ध्रूवे, लाल सिंह वाकरे, तेज कुमार मसराम, गेंदन लाल ओट्टी,जुगल सर्राटी,जय प्रकाश,पूरन सिंह मरावी,गजराज सिंह मार्को के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया।

तखतपुर पुलिस ने लाखों की साड़ी जब्त की

बिलासपुर, 9 सिंतबर(देशबन्धु)। आगामी छत्तीसगढ विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर तथा श्रीमान अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बिलासपुर, एसडीओपी कोटा के मार्गदर्शन पर तखतपुर पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगातार चेक पॉईण्ट लगाकर क्षेत्र में परिवहन एवं भण्डारण किए जाने वाले संदेहास्पद सामाग्रियों की चेकिंग की जा रही है। जो आज तखतपुर पुलिस द्वारा मोढे मार्ग तखतपुर व ग्राम चोरहा नवागांव चौकी जूनापारा में चेकिंग पॉईण्ड लगाकर, लगातार वाहनों को चेकिंग की जा रही थी, जो ग्राम मोढे चेकिंग स्थल में बिलासपुर से ग्राम देवरहट की ओर जा रही टाटा मैजिक क्रमांक सीजी 12 ए.एस. 9822 में भरी 149 नग साडी एवं 163 नग अन्य कपडे कीमती करीबन 02 लाख 60 हजार रूपए को राजेश कश्यप पिता द्वारिका उम्र 42 साल सा. हरनाचाका थाना लालपुर जिला मुंगेली के कब्जे जप्त किया गया है। ग्राम चोरहा नवागांव नाका स्थल में बिलासपुर से लोरमी की ओर जा रही स्वीफ्ट कार क्रमांक सीजी 10 ए.वाय 2701 में भरी 248 नग साडी कीमती करीबन 03 लाख रूपए को पवन माखिजा पिता बलराम उम्र 22 साल निवासी जूना बिलासपुर के कब्जे से जप्त किया गया है। कुल जूमला 397 नग साडी एवं 163 नग अन्य कपडे कुल कीमती 5 लाख 60 रूपए को जप्त कर धारा 102 जाफौ का इस्तगासा तैयार कर न्यायालय पेश किया गया है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक एस.आर. साहू, सउनि. मनोज शर्मा प्रभारी चौकी जूनापारा तथा प्रधान आरक्षक रविन्द्र मिश्रा, नरेन्द्र पात्रे, आरक्षक राकेश भारद्वाज, आकाश निषाद की भूमिका रही।

सचिव स्वास्थ्य विभाग को दूसरी अवमानना नोटिस

बिलासपुर 9 सितम्बर (देशबन्धु)। वार्ड नं. 59, हरीनगर, दुर्ग निवासी डॉ. वंदना भेले जिला-बेमेतरा में स्त्री रोग विशेषज्ञ के पद पर पदस्थ थी। 30 सितम्बर 2022 को सचिव, स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनका स्थानांतरण जिला-बेमेतरा से जिला- दुर्ग कर दिया गया। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण डॉ. वंदना भेले द्वारा विलंब से ज्वाईनिंग देने पर सचिव, स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन्हें सेवा से निलंबित कर दिया गया। उच्च न्यायालय, बिलासपुर में रिट याचिका दायर करने पर उच्च न्यायालय द्वारा इस आधार पर कि निलंबन के 90 दिवस के भीतर कारण बताते हुए निलंबन के विस्तारण का आदेश जारी न करने पर सचिव, स्वास्थ्य विभाग को याचिकाकर्ता के निलंबन से बहाली हेतु अभ्यावेदन के निराकरण का निर्देश दिया गया। निर्धारित 30 दिवस की समयावधि के भीतर हाईकोर्ट के आदेश का पालन ना किए जाने पर डॉ.वंदना भेले द्वारा हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं दुर्गा मेहर के माध्यम से हाईकोर्ट बिलासपुर के अवमानना याचिका दायर की गई।

अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं दुर्गा मेहर द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि स्वास्थ्य सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी द्वारा सुप्रीम कोर्ट द्वारा अजय कुमार चौधरी विरूद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य के वाद में प्रतिपादित न्याय सिद्धांत का उल्लंघन करते हुए याचिकाकर्ता के निलंबन से 90 दिवस के भीतर ठोस कारण बताते हुए निलंबन के विस्तारण का आदेश जारी नहीं किया गया और याचिकाकर्ता को निलंबन से बहाल भी नहीं किया गया। अधिवक्तागण द्वारा यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया कि दिनांक 28.07.2023 को डॉ. अरूण सिंह रात्रे द्वारा प्रस्तुत अवमानना याचिका में स्वास्थ्य सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी के विरूद्ध अवमानना नोटिस जारी की गई है, इसके बावजूद भी स्वास्थ्य सचिव द्वारा लगातार हाईकोर्ट के आदेशों की अवमानना की जा रही है। चूंकि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में सीनियर सिटीजन (60 वर्ष से अधिक उम्र) के व्यक्तियों की हजारों याचिकाएं लंबित हैं। हाईकोर्ट बिलासपुर के समक्ष भारी मात्रा में अवमानना याचिकाओं के दायर किये जाने एवं उनकी सुनवाई किये जाने से उच्च न्यायालय, बिलासपुर का अत्यंत कीमती एवं महत्वपूर्ण समय व्यर्थ होता है एवं हजारों अन्य पीड़ित पक्षकार एवं याचिकाकर्तागण अपने मामलों की सुनवाई से वंचित रह जाते हैं।

अधिवक्तागण द्वारा माननीय उच्च न्यायालय से यह निवेदन किया गया है कि सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, सचिव, स्वास्थ्य विभाग के विरूद्ध गंभीर जुर्माना अधिरोपित किया जाए ताकि वे भविष्य में उच्च न्यायालय, बिलासपुर के आदेश की अवमानना ना करें। उच्चा न्यायालय, बिलासपुर द्वारा उक्त अवमानना याचिका की सुनवाई के पश्चात याचिका को स्वीकार कर सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, सचिव, स्वास्थ्य विभाग को अवमानना नोटिस जारी कर तत्काल जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

छग प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ की बैठक संपन्न

तखतपुर 9 सितम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ तहसील शाखा तखतपुर की बैठक आयोजित की गई जिसमें संगठन को और मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनाने के लिए सदस्यता हेतु परिक्षेत्र बांटकर सदस्यता के लिए विशेष अभियान की शुरुआत की जाए सहायक शिक्षक से उच्च वर्ग शिक्षक पदोन्नति उपरांत पदस्थापना में संशोधन निरस्तीकरण आदेश पर संघ द्वारा शासन को ज्ञापन सौंपकर कर अन्याय हुए शिक्षक को छुपाए गए पद एवं रिक्त पदों पर पुनः काउंसलिंग कर पदांकन की मांग की गई। इसमें अधिकारी कर्मचारी और दलालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ कलेक्टर के माध्यम से शिक्षा मंत्री, संचालक,शिक्षा सचिव, को ज्ञापन सौपा जाएगा।

शुद्धि पत्र क्रमांक 04 एवं 05

इस कार्यालय के निविदा क्रमांक 18 दिनांक 21.07.2023 में शुद्धि पत्र क्रमांक 04 एवं निविदा क्रमांक 19 दिनांक 21.07.2023 में शुद्धि पत्र क्रमांक 05 अपरिहार्य कारणों से समय सारिणी में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :-

समय सारिणी :-

1. कोरे निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि :- 15.09.2023 समय सायं 5.30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि/ समय :- (स्पीडपोस्ट/ रजिस्टर्ड डाक) 21.09.2023 समय सायं 5.30 बजे तक
3. निविदा खोलने की अंतिम तिथि/ समय :- 22.09.2023 समय सुबह 11.00 बजे से

निविदा की अन्य नियम एवं शर्तें यथावत रहेगी।

''हैण्डपंप संबंधी शिकायत टोल फ्री नं. 18002330008 पर दर्ज करावें''

जी- 05055/1

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड- जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

सतनामी समाज की शोभायात्रा आज

तखतपुर 9 सितम्बर (देशबन्धु)। तखतपुर सतनामी समाज के द्वारा गुरु घासीदास जी के द्वितीय पुत्र गुरु बालक दास की जन्म जयंती पर्व पर नगर में 10 सितम्बर को दोपहर 1 बजे से शोभायात्रा निकाली जायेगी। यह जानकारी सुखदेव कुर्रे ने दी।

न्यायालय तहसीलदार नजूल जिला-कोरबा (छत्तीसगढ़)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202305051100014
अ-20(3)/2022-23
ग्राम-छुरीकला, प.ह.नं.12
तहसील कटघोरा जिला-कोरबा (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि ग्राम छुरीकला, प.ह.नं.-12, तहसील कटघोरा जिला कोरबा स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 1619 रकबा 0.036 हेक्टेयर में से 0.012 हेक्टेयर भूमि को आवेदक श्री शंकर लाल देवांगन पिता श्री सदाराम देवांगन, निवासी ग्राम छुरीकला, तहसील कटघोरा जिला कोरबा के नाम से व्यवस्थापन के तहत भूमि स्वामी हक प्रदाय किया जाना प्रस्तावित है।

इस संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 23. 09. 2023 तक दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा के साथ जारी किया गया।

सील

तहसीलदार नजूल
जिला- कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार कटघोरा जिला-कोरबा (छत्तीसगढ़)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-20(1)/2022-23
ग्राम-छुरीकला, प.ह.नं.12
तहसील कटघोरा जिला-कोरबा

एतद् द्वारा आम जनता मौजा छुरीकला प.ह.नं.12 रा.नि.मं. कटघोरा तहसील कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा भेट मुलाकात कार्यक्रम द्वारा दिनांक 17.01.2023 को जिला कोरबा में 10 कार्य योजना की घोषणा के अनुसार देवांगन समाज हेतु सामाजिक भवन निर्माण हेतु ग्राम छुरीकला में भूमि आबंटन की घोषणा की गई थी जिसके अनुक्रम में हल्का पटवारी से प्रतिवेदन प्राप्त किया गया हल्का पटवारी द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि ग्राम छुरीकला स्थित भूमि खसरा नं. 890/1 रकबा 0.287 हे. में से 0.020 हे. प्रस्तावित राजस्व अभिलेख में शासकीय घास भूमि दर्ज है। तथा प्रश्नाधीन भूमि का नजरी नक्शा तैयार कर लाल स्याही से चिन्हाकित कर आबंटन हेतु प्रस्तावित किया है।

इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो वह दिनांक 11.09.2023 को न्यायालयीन समय में आप स्वतः या अपने अभिभाषक या प्रतिनिधि के माध्यम से अपना दावा आपत्ति जो कुछ भी हो पेश कर सकते हैं।

आज दिनांक 22.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा के साथ जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
कटघोरा
जिला- कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, बिलासपुर छ.ग.

Ph No & Fax - 07762- 420554 email - civilsurgeonbsp@gmail.com, cs-bsp.cg@nic.in

क्र./ स्टोर / निविदा/ 23/ 3502 बिलासपुर, दिनांक 02/09/2023

निविदा सूचना

निविदा कार्य	जिला चिकित्सालय बिलासपुर छ.ग. में सुरक्षा गार्ड हेतु सुरक्षा एजेंसीयों से खुली निविदा। निविदा की अवधि एक वर्ष (निविदा खुलने की दिनांक से एक वर्ष के लिए) रहेगी।
निविदा प्रपत्र मूल्य	रू. 1000/- (रू.एक हजार मात्र) नगद देय एवं वापसी योग्य नहीं
निविदा फार्म की विक्रय की अवधि	08.09.2023 से दिनांक 25.09.2023 तक कार्यालयीन दिवस में सायंकाल 5.30 बजे तक
निविदा फार्म जमा करने हेतु निर्धारित तिथि एवं समय	दिनांक 27.09.2023, दोपहर 12:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 27.09.2023, दोपहर 1:00 बजे
निविदा धरोहर राशि	रूपये 1,00,000/- का डिमांड ड्राफ्ट (सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बिलासपुर के नाम से देय)
निविदा प्राप्त करने एवं जमा करने हेतु निर्धारित स्थान	कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बिलासपुर

नोट - निविदा रजिस्टर्ड डाक अथवा स्पीड पोस्ट द्वारा ही स्वीकार किये जायेंगे।

जी- 05092/1

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
बिलासपुर छ.ग.

वाहन चेंकिग के दौरान कार में मिले 6 लाख

- बेलगहना पुलिस कर रही मामले की जांच

बिलासपुर , 9 सिंतबर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राहुल देव शर्मा एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी पुलिस कोटा सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में चौकी बेलगहना अन्तर्गत पुलिस सहायता केन्द्र केन्द्रा प्रभारी अशोक मिश्रा सहा उप निरी. आरक्षक सत्येन्द्र सिंह राजपुत, देवेन्द्र शर्मा, भास्कर साहू द्वारा चुनाव के मद्देनजर संदिग्ध एवं अवैध वस्तुओं के परिवहन के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही के क्रम में वाहनों की सतत चेकिंग किया जा रहा है। आज पुलिस सहायता केन्द्र केन्दा नाका के पास मुखबिर सूचना के आधार पर वाहन कमांक एम पी 04 जे ई 3339 एम जी ग्लोस्टर चार पहिया वाहन को रोककर विधिवत चेकिंग किया गया। जिस पर सवार अनावेदक ए.सत्यनारायण प्रसाद पिता रामा कोटईया उम्र 51 वर्ष बिला नं. 07 लहरी, अकार्ड विलास साई सागर जिला तिरुमलाईगिरी जिला हैदराबाद तेलंगाना के कब्जे से एक लाल प्लास्टिक थैले में 500 रूपये के सौ-सौ नोटो का कुल 12 बंडल जिसमें 500 रूपये के कुल 1200 नोट कीमती 600000/- (छः लाख रूपये) रखा पाया गया। रूपये रखने के संबंध में अनावेदक से पूछताछ करने पर रेल्वे में ठेकेदारी करना एवं लेबर पेमेन्ट हेतु उक्त रकम स्वयं के पास रखना बताया। किन्तु स्वयं के पास मौजूद रकम के स्त्रोत के संबंध में कोई संतुष्टि कारण एवं वैध दस्तावेज नहीं प्रस्तुत किया। लिहाजा उक्त रकम को धारा 102 जाफौ के तहत विधिवत गवाहों के समक्ष जप्त कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही किया जा रहा है। संपूर्ण जांच में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी अशोक मिश्रा सहा उप निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह राजपूत, आर देवेन्द्र शर्मा, आरआर के भास्कर साहू की विशेष योगदान रहा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मरवाही मुख्यालय पेण्ड्रा, जिला- गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)

:: जोनल निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 07/2023-24 (प्रथम आमंत्रण)::

ज्ञापन क्र. 921/ व.ले.लि./ ग्रा.या.से./ 2023-24 पेण्ड्रा, दिनांक 05/09/2023

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) D एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित कार्यों हेतु मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग विद्युत कार्यों हेतु जारी एस.ओ.आर. दर 01.06.2020 जो प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा दिनांक 09.09.2020 से लागू दर अनुसूची के आधार पर आफलाईन (offline) निविदा प्रतिशत दर पर निविदा पोस्ट ऑफिस के माध्यम से पंजीकृत/ स्पीड पोस्ट से आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि - 22.09.2021 को अपरान्ह 5:30 बजे तक

क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	जोनल निविदा वि.ख. गौरेला के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के विद्युतीकरण कार्य प्रत्येक कार्य 10.00 लाख के अंतर्गत	15.00
2	जोनल निविदा वि.ख. पेण्ड्रा के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के विद्युतीकरण कार्य प्रत्येक कार्य 10.00 लाख के अंतर्गत	10.00
3	जोनल निविदा वि.ख. मरवाही के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के विद्युतीकरण कार्य प्रत्येक कार्य 10.00 लाख के अंतर्गत	15.00

1. निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति - 2.10 एवं निविदा दस्तावेज परिशिष्ट - 2.13) यथा संशोधित व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट http://cg.nic.in/res works>Live Tender> Manual Tender में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

2 निविदा फार्म 2.13 एवं 2.10 का प्रिंट उक्त वेबसाईट से प्राप्त कर निर्धारित स्थान पर दर भरते हुए सील बंद लिफाफा प्रेषित करना होगा। निविदा की धरोहर राशि कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मरवाही के पक्ष में 15 माह का देय होगा तथा निविदा प्रपत्र का मूल्य डिमांड ड्राफ्ट जो कि कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मरवाही के पक्ष में देय होगा।

जी- 05057/1

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मरवाही
मुख्यालय पेण्ड्रा
जिला- गौरेला, पेण्ड्रा, मरवाही (छ.ग.)

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स चिकित्सालय) बिलासपुर छ.ग.

FAX (O)- 07752-224200, PHONE (O)- 07752-230030

क्रमांक 1276/ औ.भं./ सं.सं.अधि./ सिम्स चिकि./ 2023 बिलासपुर, दिनांक 06/09/2023

लोक परचेस एवं पेंशनरों हेतु निविदा 2023-24

निविदा कार्य का नाम	सिम्स चिकित्सालय, बिलासपुर (छ.ग.) में उपचारार्थ मरीजों, पेंशनरों, लोकल परचेस (L.P.) एवं मुख्य मंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना की औषधी एवं चिकित्सा सामग्री की आपातकालीन स्थिति में तत्काल पूर्ति के लिए सिम्स चिकित्सालय के समीप जो कि सड़क मार्ग से सिम्स चिकित्सालय के मुख्य द्वार से एक किलोमीटर के दायरे में स्थित हो ऐसे स्थानीय चिल्हर दवा विक्रेताओं से निविदा आमंत्रित किया जाना है।
निविदा प्रपत्र मूल्य	रूपये 2000.00 (दो हजार मात्र) का Demand Draft वापसी योग्य नहीं। जो कि संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक (Joint Director and Superintendent, CIMS Hospital Bilaspur (C.G.) सिम्स चिकित्सालय बिलासपुर (छ.ग.) के पक्ष में देय हो।
निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि, समय एवं स्थान	22/09/2023 संध्या 5.00 बजे तक। संबंधित शाखा सिम्स,चिकित्सालय बिलासपुर (छ.ग.)। (निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु स्वयं के लेटर हेड पर लिखित आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा)
निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	11/10/2023 दोपहर 3.00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	11/10/2023 संध्या 4.00 बजे के बाद।
निविदा अमानत राशि	रूपये 1,50,000.00 (एक लाख पचास हजार रूपये) का डिमांड ड्राफ्ट / बैंकर्स चेक)
निविदा जमा एवं खोलने के हेतु निर्धारित स्थान	कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, सिम्स चिकित्सालय, बिलासपुर में कार्यालयीन दिवस एवं अवधि में।

उपरोक्तानुसार इच्छुक निविदाकारों से निविदा आमंत्रित किया जाता है।

जी- 05106/2

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
सिम्स चिकित्सालय बिलासपुर (छ.ग.)

प्रथम पृष्ठ का शेष

1 नवम्बर से होगी धान की खरीदी

से धान खरीदी की जाएगी। इसी तरह मक्का प्रति चिंटल 2090 रूपए के भाव से खरीदी की जाएगी।

मंत्रिमण्डलीय उपसमिति की बैठक में केंद्र सरकार से राज्य की लेनदारी के अंतर्गत केंद्र सरकार की एजेन्सी के रूप में केन्द्रीयकृत एवं विकेन्द्रीकृत योजनांतर्गत भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम में चावल जमा किया जाता है। आज की स्थिति में जमा चावल के विरूद्ध भारतीय खाद्य निगम से 2205.30 करोड़ एवं नागरिक आपूर्ति निगम की केंद्र सरकार से 4195 करोड़ रूपए सहित कुल राशि 6400.30 करोड़ रूपए लेनदारी केंद्र सरकार से शेष है। जिसमें पत्र लिखकर लेनदारी की राशि के लिए अनुग्रह करने का निर्णय लिया गया है।

विधायक ने दी मटकी फोड़ इंडियन दल को 5 हजार का नगद पुरस्कार

तखतपुर 9 सितम्बर (देशबन्धु)। आजाद नगर द्वारा आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल इंडियन दल को 5 हजार रूपए का नगद पुरस्कार विधायक श्रीमती रश्मि सिंह ओर से दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र पाण्डेय ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने विभिन्न लीलाओं के माध्यम से हम सभी को यह सीख दिए कि कोई भी चीज इस जीवन में स्थायी नही है हर चीज नाशवर है और यदि कुछ है तो ईश्वर और उसकी भक्ति ही है जिसके माध्यम से व्यक्ति मोछ प्राप्त करता है। आजाद नगर की ओर से आयोजित मटका फोड़ प्रतियोगिता में 7 दल भाग लिया जिसमें प्रथम इंडियन दल, द्वितीय शिव शंकर दल, तृतीय महाकाल दल, गणेश स्वीट्स के द्वारा शील्ड प्रदान किया। अली मोबाइल के द्वारा दूसरा पुरस्कार 3 हजार रूपए, रजा पोल्टी फॉर्म वेदप्रकाश ठेकेदार तखतपुर के द्वार आयोजक समिति 5 हजार रूपए , रितेश सीसी टीवी कैमरे के द्वारा 3 हजार रूपए भेट की। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा मुन्ना श्रीवास , जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र पांडेय सहित अन्य उपस्थित रहे।

NECC

10.09.2023	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	4.80	80	165
चिल्हर	6.00	95	190

डिलीवरी 4.95 सैकड़ा

दर्जन अंडा 70 रु.

मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.

CSPFA

नाम परिवर्तन सूचना

मै अरशी अहमद आयु 31 वर्ष पिता सलीम अहमद, निवासी 15/198, वार्ड नं. 15, एफ.सी.आई. गोडाउन के पास, तारबाहर, बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) की हूँ जो कि नीचे लिखे शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि :- 1. यह कि मेरा उपरोक्तानुसार नाम व पता सत्य व सही है। 2. यह कि मेरा निकाह दिनांक 12.02.2019 को मो. अलताफ खान वल्द डॉ. सिताराखान के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के साथ संपन्न हुआ था। 3. यह कि मेरे व मो. अलताफ खान का तलाक दिनांक 29.10.2020 को हो चुका है। तलाक के उपरांत मै अपने माता-पिता के साथ निवास कर रही हूँ। 4. यह कि मेरे पासपोर्ट नंबर T5881358 के संबंधित दस्तावेजों में मेरा नाम अरशी अलताफ खान एवं पति के रूप में मो. अलताफ खान दर्ज है। 5. यह कि मेरे आधार नंबर 8871 8509 2278, पेन कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा वास्तविक नाम अरशी अहमद पिता सलीम अहमद दर्ज है जो कि सत्य व सही है। 6. यह कि मेरे उक्त पासपोर्ट के संबंधित दस्तावेजों मे मो. अलताफ खान का नाम विलोपित एवं मेरा नाम अरशी अलताफ खान के स्थान पर मेरा वास्तविक नाम अरशी अहमद दर्ज कराने के समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ। शपथ पत्र क्रमांक 15938 के अनुसार।

शपथकर्ता
अरशी अहमद
पता: 15/198, वार्ड नं.-15, एफ.सी.आई. गोडाउन के पास, तारबाहर, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) 495001

देश

उवाच

भारतीय जनता पार्टी या उसके प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाइयों के बावजूद, अंततः लोग ही हैं जो अपने वोटों के माध्यम से कारगिल का भविष्य तय करेंगे। हमें उम्मीद है कि लोग पूरे दिल से जेकेएनसी का समर्थन करेंगे।

-उमर अब्दुल्ला,नेकां के उपाध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	35	25
मुंबई	29	27
कोलकाता	31	28
चेन्नई	31	29

दुनिया में एकता व सहयोग ही सही रास्ता

नई दिल्ली, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। चीनी प्रधानमंत्री ली छ्यांग ने दिल्ली में जी-20 नेताओं के 18वें शिखर सम्मेलन के

- **जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में बोले चीनी प्रधानमंत्री**
- **विभिन्न देशों को आपसी मतभेदों को दूर रखते हुए समानता की तलाश करनी चाहिए : ली छ्यांग**

पहले चरण की बैठक में भाग लिया और भाषण दिया। शिखर सम्मेलन के पहले सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभावशाली समूह को विभाजन के बजाय एकता, टकराव के बजाय सहयोग और बहिष्कार के बजाय समावेश की जरूरत है। ली छ्यांग ने कहा कि बड़े संकटों और आम चुनौतियों के सामने कोई भी अकेला नहीं हो सकता। दुनिया में एकता और सहयोग ही सही रास्ता है। उन्होंने कहा कि जी-20 के सदस्यों को एकता और सहयोग की अपनी मूल आकांक्षा का पालन करना चाहिए, शांति और विकास के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने शनिवार को इस वैश्विक संगठन के बीस सदस्यों के बीच एकता की जरूरत पर जोर दिया और आर्थिक वैश्वीकरण के लिए सहयोग, समावेश और दृढ़ समर्थन का आह्वान किया। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के दूसरे नंबर के नेता ली इस समय नई दिल्ली में हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की जगह वह इस दो दिवसीय सम्मेलन में बीजिंग का प्रतिनिधित्व कर

प्रभावशाली समूह को विभाजन के बजाय एकता, टकराव के बजाय सहयोग व बहिष्कार के बजाय समावेश की जरूरत : ली छ्यांग

रहे हैं। जी-20 के सदस्य देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 85 फीसदी, वैश्विक व्यापार का 75 फीसदी से अधिक और दुनिया की लगभग दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि जी-20 के सदस्यों को एकता और सहयोग की मूल आकांक्षा पर कायम रहना चाहिए और शांति एवं विकास की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

जी-2 के सदस्यों से आर्थिक वैश्वीकरण को बढ़ावा देने का किया आग्रह

प्रधानमंत्री ली ने जी-20 के सदस्यों से आर्थिक वैश्वीकरण को बढ़ावा देने और संयुक्त रूप से औद्योगिक एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता एवं सहजता बनाए रखने का आग्रह किया। ली ने जी-20 के सदस्यों से आग्रह किया कि वे भरोसा जताने और विश्व आर्थिक विकास के लिए गति प्रदान करने के लिए समष्टिगत आर्थिक नीति (मैक्रो इकोनॉमिक पॉलिसी) समन्वय को प्रभावी ढंग से मजबूत करके वैश्विक आर्थिक सुधार को बढ़ावा देने में भागीदार के रूप में कार्य करें। उन्होंने कहा कि जी-20 के सदस्यों को पृथ्वी के ग्रीन हाउस की रक्षा करने, ग्रीन और कम कार्बन विकास को बढ़ावा देने, समुद्री पारिस्थितिक पर्यावरण की रक्षा करने और वैश्विक सतत विकास को बढ़ावा देने में भागीदार बनने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानवजाति की नियति में सुख और दुःख साझा हैं। विभिन्न देशों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए, मतभेदों को दूर रखते हुए समानता की तलाश करनी चाहिए और शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रहना चाहिए। इसके साथ ही ली छ्यांग ने दिल्ली में इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से भेंट की। इस दौरान चीनी प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वस्थ और स्थिर चीन-इटली संबंध दोनों देशों के समान हितों से मेल खाते हैं।

चीन ने की भारत के कदम की तारीफ

जी-20 के तेवर और भारत का रुख देखकर चीन ने बड़ा बदलाव किया है। कुछ हद तक अड़ियल रवैया छोड़कर उसने भारत के कदम की तारीफ की है। सहयोग करने का आश्वासन दिया है। माना जा रहा है कि यह स्थिति भारत के स्पष्ट रुख अपनाने के बाद आई है। अमेरिका ने भी भारत के साथ गहराते रिश्ते का संकेत दिया है। कूटनीति की यह लाइन कहीं न कहीं चीन को बड़ा झटका दे रही है। हालांकि सऊदी अरब जैसे कई देश चीन के करीब आ रहे हैं, लेकिन इसके साथ पूरी दुनिया की जियोपॉलिटिक्स नया संकेत भी दे रही है। जी-20 समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं। भारत की जी-20 अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल करते हुए अफ्रीकी संघ शनिवार को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह का नया स्थायी सदस्य बन गया।

बालाकोट सेक्टर से बीएसएफ जवान लापता

पुंछ,9 सितम्बर (एजेंसियां)। मेंढर के बालाकोट सेक्टर में शुक्रवार को नियंत्रण रेखा के अग्रिम क्षेत्र से बीएसएफ का एक जवान लापता हो गया। इसके बाद

- **ड्यूटी पर जाते समय हुआ गायब**

बीएसएफ ने क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन देर रात तक जवान का कुछ पता नहीं चला। लापता जवान की पहचान बीएसएफ की 79वीं बटालियन के सिपाही अमित पासवान पुत्र अशोक पासवान निवासी बिहार के रूप में हुई है। उधर, इस मामले में बीएसएफ की ओर से अधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। सूत्रों के अनुसार बालाकोट सेक्टर के अग्रिम क्षेत्र में तैनात बीएसएफ के सिपाही अमित पासवान ड्यूटी पर जाते समय लापता हो गए। इसके बाद बीएसएफ ने तलाशी अभियान चलाया। देर रात बीएसएफ 79वीं बटालियन की तरफ से बालाकोट पुलिस चौकी में सिपाही अमित पासवान की गुमशुदगी की लिखित शिकायत दर्ज करवा दी गई है।

विकास कार्यों पर अवरोध खड़ा कर रही है भाजपा : अखिलेश

लखनऊ, 9 सितम्बर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश को हर तरह से तबाह और बर्बाद कर दिया गया है। राज्य की सामाजिक संरचना को बिगाड़ने के साथ विकास कार्यों पर भी अवरोध खड़ा किया गया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शनिवार को अपने बयान में कहा कि समाजवादी सरकार के समय इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के साथ सुंदरीकरण के जो काम हुए थे, उन्हें भी भाजपा सरकार ने चौपट कर दिया। इन लोगों ने कई महानगरों को स्मार्ट सिटी बनाने का जो वादा किया था, वह वादा भी झूठा निकला। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के मानकों पर खुद राजधानी लखनऊ ही पिछड़ी गई

- **उप्र को हर तरह से बर्बाद करने का लगाया आरोप**

है। स्वच्छ भारत मिशन हो या शिक्षा-स्वास्थ्य की योजनाएं, सबमें प्रदेश फिसड्डी हो गया है। 'नल से जल' का शोर है पर शहर के तमाम घरों में गंदा पानी सप्लाई हो रहा है। अखिलेश ने कहा कि गड्ढा भरने की कई तारीखें घोषित हो चुकी हैं परंतु आज तक सिर्फ बयान ही जारी हुए हैं। महानगरों में ट्रैफिक नियंत्रण के निर्देशों का पालन भी नहीं हो रहा है। हर दिन लगने वाले जाम से शहर की यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त होती जा रही है।

पैसों की बंदरबांट का चल रहा खेल

राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में रोज लाखों मन कूड़ा निकलता है। इसके निस्तारण की कोई सुनियोजित व्यवस्था नहीं हो पाई है। पैसों की बंदरबांट का ही केवल खेल चल रहा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के नाम पर जगह-जगह गड्ढे की भरमार है। गड्ढा होने से लोग सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं। हर तरफ यही शिकायत है। सड़क दुर्घटना में आए दिन लोगों की मौतें हो रही है। नई बनी सड़कें भी भ्रष्टाचार और बरसात के कारण उखड़ रही हैं। तमाम क्षेत्रों में जलभराव से लोग परेशान हैं।

सार संक्षेप

छात्राओं को अश्लील संदेश भेजने पर शिक्षक निलंबित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में छात्राओं को अश्लील संदेश भेजने के आरोप में एक स्कूल शिक्षक को निलंबित कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुख्य शिक्षा अधिकारी बारामूला बलबीर सिंह ने एक शिकायत के बाद राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शटलू रफियाबाद में कार्यरत शिक्षक ओवैस नंदा को निलंबित कर दिया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी मिलने के बाद शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया और आरोपी शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले की जांच के लिए बारामूला के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) के नेतृत्व में एक समिति गठित की गई है।

असम पुलिस का कांस्टेबल प्याज चोरी करते पकड़ा गया

गुवाहाटी। असम के धुबरी जिले में एक पुलिस कांस्टेबल को रात में ड्यूटी के दौरान प्याज चोरी करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, कथित घटना शुक्रवार को हुई और बाद में उसे हिरासत में ले लिया गया। आरोपी की पहचान 5 वर्षीय शिवेश सेन गुप्ता के रूप में हुई, जो शुक्रवार को रात्रि गश्त पर निकला था। पुलिस के पास मौजूद सीसीटीवी सबूतों के अनुसार, वह धुबरी शहर के एक गोदाम में खड़ी कार से प्याज का एक बैग छीनते हुए कैमरे में कैद हुआ था। पुलिस के मुताबिक, गोदाम मालिक मुबारक हुसैन और मायनाल हक ने पुलिस को सीसीटीवी के फुटेज दिए हैं।

देश में कोरोना संक्रमण के 59 नए मामले दर्ज

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को बीते 24 घंटों के दौरान देश में 59 लोगों का कोविड टेस्ट पॉजिटिव आया है। नए मामलों के साथ कुल कोरोना के मामले बढ़कर 4,49,97,642 हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 64 लोग महामारी से ठीक हो चुके हैं, जिससे कुल संख्या 4,44,65,138 हो गई है। वायरस से एक और व्यक्ति की मौत होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,32,25 हो गई। सक्रिय मामले 479 हैं। अब तक कोविड-19 वैक्सीन की 22.67 करोड़ से ज्यादा डोज दी जा चुकी हैं।

विशाखापत्तनम में तेदेपा के कई नेता गिरफ्तार

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के परिप्रेक्ष्य में किसी भी कानून व्यवस्था की समस्या को रोकने के लिए पुलिस ने पूर्व मंत्री और विशाखापत्तनम उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक गंता श्रीनिवास राव सहित पार्टी के कई नेताओं की ऐहतियात गिरफ्तार कर लिया।

ईडी के तीसरे समन पर भी हाजिर नहीं हुए हेमंत सोरेन

रांची, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ईडी के तीसरे समन के बाद भी पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए। ईडी ने उन्हें शनिवार को रांची स्थित जोनल कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था। लेकिन, सोरेन भारत की राष्ट्रपति की ओर से जी-20 सम्मेलन के उपलक्ष्य में आयोजित डिनर पार्टी में शामिल होने दिल्ली चले गए। बता दें कि सोरेन पहले ही ईडी को पत्र लिखकर उसकी कार्रवाई को उसके पॉलिटिकल मास्टरों के इशारे पर पूर्वाग्रह प्रेरित बता चुके हैं। उन्होंने इस मामले को लेकर ईडी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट भी लगाई है, लेकिन अब तक उस पर सुनवाई नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट में सोरेन ने जो रिट पिटीशन दायर किया है, उसमें उन्होंने पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की धारा-50 और 63 को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि ईडी को धारा-50 के तहत बयान दर्ज करने की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार करने का अधिकार है। इसलिए समन जारी करने के बाद गिरफ्तारी का डर बना रहता है। सीएम हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि समन को स्थगित किया जाए और पीड़क कार्रवाई नहीं करने का आदेश ईडी को दिया जाए।

- **जमीन घोटाला मामले में ईडी ने किया था तलब**

ईडी ने हेमंत सोरेन को जो पहला समन भेजा था, उसमें उनसे अपनी संपत्ति का विवरण दर्ज कराने के लिए जोनल कार्यालय में 14 अगस्त को उपस्थित होने को कहा गया था। इसके जवाब में उन्होंने ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा को पत्र लिखकर इस पर कड़ा प्रतिरोध जताया और कहा कि वे ईडी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को बाध्य होंगे।

उपचुनावों में भाजपा को मिली हार पर कमलनाथ का तंज

चुनावी नतीजे नई जनक्रांति का ऐलान

भोपाल, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। देश के विभिन्न हिस्सों में हुए उपचुनाव के परिणामों पर कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ ने शनिवार को कहा कि ये नतीजे नई जनक्रांति का ऐलान हैं। कमलनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया कि जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल से लेकर केरल व अन्य जगह विधानसभा व जिला पंचायत तक के उपचुनावों में हर तरफ पराजय मिली है, वो भाजपा की नफरत भरी और देश-समाज को बांटने वाली राजनीति की ही 'चतुर्दिक हार' है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीति को व्यापार बना देने वाली भाजपाई सोच को जनता ने परास्त किया है। ये मनोवैज्ञानिक रूप से भी भाजपा की हार है। सच्चे देशप्रेम ने झूठे राष्ट्रवाद को हरा दिया है। ये नतीजे एक नई जनक्रांति का ऐलान हैं। मप्र विधानसभा चुनाव से पहले पटवारियों को लेकर पूर्व सीएम कमलनाथ ने बड़ी घोषणा की है। वहीं राकांपा की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने देश के विभिन्न हिस्सों में हुए उपचुनावों में इंडिया गठबंधन द्वारा सबसे ज्यादा सीटें जीतने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जनता ने बेरोजगारी और महंगाई को अस्वीकार कर दिया है। लोगों ने तानाशाही सरकार को अस्वीकार कर

राजनीति को व्यापार बना देने वाली भाजपाई सोच को जनता ने परास्त किया : कमलनाथ

पटवारियों को लेकर किए बड़े ऐलान

शनिवार को छिंदवाड़ा पहुंचे कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ ने पटवारियों के प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर ना सिर्फ उनसे मुलाकात की बल्कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर उनकी मांगों को भी पूरा करने का आश्वासन दिया। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही ओपीएस लागू होगी। पटवारियों को 28 पे स्केल देने का आदेश दिया जाएगा। चुनाव से पहले कमलनाथ ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने और पटवारियों का वेतन बढ़ाने का ऐलान कर सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है।

दिया है। कमलनाथ ने ऐलान किया है कि कांग्रेस की सरकार बनते ही पटवारियों का ग्रेड पे 2800 किया जाएगा। वही प्रदेश में पूरानी पेंशन योजना भी लागू की जाएगी।

बता दे कि पिछले 13 दिनों से पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर पटवारी वेतन विसंगति, क्रमोन्नती, पदोन्नति सहित अन्य मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे है, लेकिन अबतक सरकार की तरफ से उन्हें कोई आश्वासन नहीं मिला है। कमलनाथ ने सीएम शिवराज सिंह चौहान को डबल घोषणावीर बताते हुए कहा कि प्रदेश की मौजूदा सरकार सिर्फ घोटालेबाजों के साथ है। 25 साल से संघर्षरत पटवारियों की समस्या सिर्फ तीन महीने के बाद खत्म होगी। तीन लाख तीस हजार के कर्ज़ में मध्य प्रदेश की मौजूदा सरकार। मध्य प्रदेश के प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी को उसका हक मिलेगा।

मील का पत्थर साबित होगी पलामुरु रंगा रेड्डी परियोजना : केटीआर

हैदराबाद,9 सितम्बर (देशबन्धु)। आईटी और शहरी विकास मंत्री केटीआर ने शनिवार को राज्य सचिवालय में इस महीने की 16 तारीख को होने वाले

- **पलामुरु रंगा रेड्डी परियोजना का उद्घाटन 16 तारीख को**

पलामुरू-रंगा रेड्डी परियोजना उद्घाटन समारोह कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह पलामुरू-रंगारेड्डी परियोजना पलामुरू जिले को हरा-भरा बनाएगी। हर साल लाखों लोग पलामुरू से पलायन करते थे। लेकिन आज हम एक ऐसी परियोजना का उद्घाटन कर रहे हैं जिससे लाखों एकड़ जमीन सिंचित होगी। मंत्री केटीआर ने कहा कि 16 तारीख को पलामुरु रंगा रेड्डी परियोजना का उद्घाटन समारोह तेलंगाना के इतिहास में एक मील का पत्थर होगा। यह पलामुरु के अलावा रंगारेड्डी जिले की भूमि को भी पानी प्रदान करेगा। कई बाधाओं को पार करने के बाद मुख्यमंत्री केसीआर की दृढ़ता से यह परियोजना पूरी हुई है। मंत्री केटीआर ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने गोदावरी में कालेश्वरम और कृष्णा में पालमुरु- रंगा रेड्डी जैसी महान परियोजनाएं बनाई हैं। यदि सीतारमा परियोजना भी पूरी हो जाती है, तो तेलंगाना में सिंचाई क्षेत्र की परियोजनाएं संतृप्ति स्तर पर पूरी हो जाएंगी।

लोगों को पेयजल भी उपलब्ध कराएगी परियोजना

इन परियोजनाओं के निर्माण के पीछे 2001 से तेलंगाना के लोगों का सपना है। यह एक महान परियोजना है जिसे आंदोलन के समय से ही केसीआर के विचारों के अनुरूप आकार दिया गया है। यह पलामुरु रंगा रेड्डी के लोगों की कठिनाइयों को हल करने के लिए एक महान परियोजना है। यह परियोजना किसानों के खेतों की सिंचाई के अलावा राजधानी के लोगों और उद्योगों को पीने का पानी भी उपलब्ध कराएगी।

बाबा नगरी देवघर आएंगे लालू यादव

रांची, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के महासचिव सह प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय

अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का 10 सितम्बर को बाबा नगरी देवघर में आगमन हो रहा है। डॉ.कुमार ने बताया कि बाबा नगरी देवघर में राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा श्री यादव का जोरदार स्वागत किया। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने सभी प्रदेश पदाधिकारियों, कार्यकारिणी के सदस्यों, प्रकोष्ठ अध्यक्ष, प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों, सभी जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सहित सभी नेता कार्यकर्ताओं को लालू प्रसाद यादव के स्वागत के लिए बाबा नगरी देवघर पहुंचने और उनका जोरदार स्वागत करने का निर्देश दिया।

सीट बंटवारे पर अभी तक नहीं हुई कोई चर्चा : कुमारस्वामी

बेंगलुरु, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि भाजपा-जद (एस) गठबंधन के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बयान व्यक्तिगत है। कुमारस्वामी ने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है। लेकिन लोगों को राज्य में समानांतर ताकत की जरूरत है और कांग्रेस के भीतर आंतरिक कलह है। हम कई बार सौहार्दपूर्ण तरीके से मिले और हम देखेंगे कि आने वाले दिनों में क्या होगा। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि चुनाव नहीं जीत पाने वाली दो हताश पार्टियां हाथ मिला रही हैं। इस पर उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों के बीच चर्चा चल रही है। हम लोगों के सामने जाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। लोगों को इसकी जरूरत है। पिछले तीन महीनों में कांग्रेस सरकार के बुरे कामों की पृष्ठभूमि में उन्हें विकल्प की जरूरत है। लोग सभी घटनाक्रमों पर नजर रख रहे हैं। जद(एस) के कई नेताओं के पार्टी छोड़ने के बारे में पूछे जाने पर कुमारस्वामी ने कहा कि कोई समस्या नहीं है। मैंने 2006 में भाजपा से हाथ मिलाया और पूरे राज्य ने मुख्यमंत्री के रूप में मेरे 20 महीने के कार्यकाल की सराहना की। विलय के लिए अभी भी वक्त है। एक विशेष पूजा और हवन में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, कुमारस्वामी ने कहा कि वह इस समय आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा और उनकी पार्टी जेडीएस के बीच गठबंधन के बारे में बात नहीं करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने शुक्रवार को कहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जदएस के साथ गठबंधन से कर्नाटक में भाजपा मजबूत होगी।

- **कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस गठबंधन पर बोले पूर्व मुख्यमंत्री**

चिंता

फिर से आत्महत्याओं की वादी बनने लगा धरती का स्वर्ग कश्मीर

आत्महत्या करने वालों की संख्या में 16 गुणा हुई वृद्धि

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 9 सितम्बर (देशबन्धु)। यह सबके लिए चिंता का विषय हो सकता है कि धरती का स्वर्ग कश्मीर फिर से आत्महत्याओं की वादी बनने लगा है। ऐसा होने के पीछे कई कारण हैं। आत्महत्या करने वाले सिर्फ कश्मीरी ही नहीं हैं बल्कि सैनिक भी हैं। अगर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट पर एक नजर डालें तो पांव के नीचे।

से जमीन खिसक सकती है क्योंकि वह कहती है कि कश्मीर में आतंकवाद और सड़क हदसों के बाद आत्महत्या से अधिक मौतें हो रही हैं। इस रिपोर्ट के बकौल आत्महत्या करने वालों की संख्या में 16 गुणा वृद्धि हुई है तो मेडिसीन सैन्स फ्रंटियर की स्टडी का कहना है कि कश्मीर में आत्महत्याओं के कारण मृत्युदर 400 परसेंट की दर से बढ़ रही है। अगर आंकड़ों पर जाएं तो कश्मीर में वर्ष 2021 में 586

लोगों ने आत्महत्या कीकोशिशें की थीं। तब जम्मू संभाग में यह आंकड़ा सिर्फ 20 था। जबकि कश्मीर में वर्ष 2021 में ज्यादातर पुरुषों ने इस कदम को उठाया था जिनका प्रतिशत 73 था तो 27 प्रतिशत महिलाओं ने इतने भयानक कदम को उठाया था। जबकि वर्ष 2020 में यह अनुपात 71:29 का था। आंकड़े कहते हैं कि कश्मीर में वर्ष 2020 में बारामुल्ला जिला ऐसे हादसों में सबसे आगे था जहां 73 मामले सामने आए थे तो दूसरे स्थान पर अनंतनाग था जहां 67 मामलों में कश्मीरियों ने मौत को गले लगाने का प्रयास किया था। जबकि श्रीनगर में 51 मामले हुए थे।

- **आत्महत्या करने वाले सिर्फ कश्मीरी ही नहीं हैं बल्कि सैनिक भी**
- **आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले भी कश्मीर में हो रहे**

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले भी कश्मीर में हो रहे हैं। वर्ष 2021 में अगर ऐसे मामले 41 थे तो वर्ष 2020 में यह संख्या 35 थी। जबकि कोरोनाकाल में वर्ष 2020 में आत्महत्या के 450 मामले समने आए थे जो एक दशक में सबसे ज्यादा थे। स्टडी और रिपोर्ट के बकौल, जम्मू कश्मीर में वर्ष 2017 में आत्महत्या और आत्महत्या के प्रयासों की संख्या 287 थी और 2018 में बढ़ कर यह 330 हो गई। हालंकि वर्ष 2019 में इसमे मामूली सुधार हुआ जब 284 मामले सामने आए। आंकड़े कहते थे कश्मीर में आत्महत्या और आत्महत्या के प्रयासों की दर एक लाख के पीछे 0.5 से बढ़ कर अब एक लाख के पीछे 13 हो चुकी है। जबकि देशभर में ऐसे मामलों की दर 10.2 परसेंट थी जबकि कश्मीर में यह 10.3 परसेंट थी।

आंकड़े कहते थे कि वर्ष 2010 से लेकर 2020 तक कश्मीर में 3024 आत्महत्या के मामले सामने आए थे। इन आंकड़ों में सेना, बीएसएफ या सीआरपीएफ के जवानों द्वारा कश्मीर में तैनाती के दौरान की जाने वाली आत्महत्याओं के आंकड़े शामिल नहीं हैं।

हाना

थोड़के खाए बहुते डकारै।
थोरकिन खा के जोर से डकारना मतलब थोरकिन काम करके बहुते मेहनत करे के दिखाना। थोड़े से काम करना और बड़ाई मारना। तब ये हाना ल केहे जाथे।

शब्द अरथ

1. चिपचिपहा- पसीना, धूल धुआं या आंखी के मैल के कारण दृष्टि के धुंधलाने जैसा, चिपचिपा युक्त, लसदार।
2. चिपचिपाना- अधिक जागरण या थकावट के कारण नींद आने के कारण चिपचिपा लगना
3. चिपचिपाल- पसीना, धूल, धुआं या आंख के मैल के कारण दृष्टि धुंधलाया हुआ। चिपचिपाहटपन लिया हुआ
4. चिपचिपासी- अधिक जागरण या थकावट के कारण नींद लगने की क्रिया या भाव। पसीना, धूल, धुआं या आंख के मैल के कारण दृष्टि मिचमिचाने की क्रिया या भाव।
5. चिपटइया- पुड़िया बनाने वाला, संचित करने वाला।
6. चिपटई- पुड़िया बनाने या संचित करने की क्रिया या भाव
7. चिपटउनी- पुड़िया बनाने यांचित करने अथवा करवाने का खर्च या पारिश्रमिक
8. चिपटना-पुड़िया बनाना, संचित करना।
9. चिपटल- पुड़िया बना हुआ, संचित किया हुआ
10. चिपटहा- चिपटल।

हमर धान के सधौरी

सधौरी तो नारी मन के होथे। धान के सधौरी काइसे हो सकथे। सधौरी होथे, हमन तो पूरा प्रकृति के मानवीकरण कर ले हन। धरती मां आये। देश मां आये, छत्तीसगढ़ मां आये। पेड़ पौधा ल राखी बांध के भाई बनाथन। नर्मदा अउ गंगा नदी मां आये। तब हम धान के सधौरी काबर नइ मना सकन। धान याने लक्ष्मी माता। अन्न महतारी।

ये महतारी पोठियाथे याने ओमा दूध भराथे। ये ह चावल बने के प्रक्रिया आये। ये प्रक्रिया ल किसान ह खुशी म पोठियाना तो कहिथे ही फेर एक दिन ओखर पूजा करके खुशी मनाथे। ये दिन होथे पोला के दिन। ये दिन ल नंदी के जन्मदिन के रुप में भी मनाये जाथे। भादों के अमावस्या के दिन ये तिहार ल मनाये जाथे। रोटी पीठा तो बनबे करथे. छत्तीसगढ़ के खास ठेठरी अउ खुरमी बनाये जाथे। नंदी के पूजा करे जाथे। गुरहा चीला बोबरा बना के खेत म जाके पोठियाये धान के पूजा करथें।परसाद बांटथें अउ घर आथे।

दूसर डाहर खेती के काम सिरा जथे त बैल मन ल नहवा धोवा के बने हाथ गोड़ के मालिश करके रंग बिरंगा सजाथें। सिंग ल कौड़ी ले सजाथे, गला म माला पहिराथें। नंदी के बने सिंगार होथे ओखरो सिंग ल सजाथें हाथ गोड़ म रंगीन छापा बनाके ओखर पीठ ल कौड़ी ले सजे कपड़ा ले तोप देथें। एक ठन बाजा धन के बजावत घंर घर जा के नंदी के दर्शन कराथें। जेखर जाइसे मन वइसे दान म कुछ न कुछ देथें। आज पशु पालन समाप्ति के कगार म हावय त ये नांदिया ह नंदा गे हावय। आधुनिकीकरण के कारण ट्रेक्टर के आये ले हमर मवेशी मन अब बेकार होवत जात हावंय। तब सब जानवर पालना ही बंद कर दे हावंय। अब तो गाँव गाँव म पैकेट के देध मिलत हावय। अब तो यादव मन भी अपन धंधा ल छोड़त हावंय। तब गांव में भी चरवाहा नइ मिलत हे।ऐ सब कारण हावय पशुपालन नंदाये के। जब पशु ही नइये तब नंदी कहां ले आही। बाइला के दौड़ होवय तेनों अब बहुत कम जगह म होथे। बइला दौड़ के बड़े-बड़े प्रतियोगिता होवय। दर्शक राहंय अब तो कुछ भी देखे बर नइ मिलय।

ये माटी के बइला के जोड़ी के पूजा होथे। लड़की मन बर माटी के खिलौना खरीदथें अउ ओ मन ल गृहस्थी के प्रशिछण देय बर ये सब काम आथे। एक ही दिन बहुत तरह के खेल होथे। ये खिलौना के पूजा करे जाथे। हल्दी पानी छिड़के जाथे । ठेठरी खुरमी चढ़ाये जाथे। ओखर बाद बेटी मन माटी के खिलौना खेलथें, बेटा मन माटी के बइला ल गली खोर म दऊंड़ाथें। सांझ के पोरा पटके जाथे। पोरा म ठेठरी खुर्मी रख के गांव के बाहिर माई लोगन मन जा के पोरा पटकथें। अब खेत म जानवर के उपयोग नई होवय त ओमन आराम करथें। सब अपन तीज तिहार मनाये म लग जथें।

तीजा म बेटी मन ल लाये बर इही पोरा के कलेवा ल धर के जाथें। पोरा तिहार के बाद बेटी माई मन तीजा माने बर अपन मइके चल देथें। धान के खेत अब लहलहाये ले लग जथे ओला अब एक बेर पानी के जरुरत होथे धान ल पके बर। गर्भधारण करे धान के बाली खुशी-खुशी लहलहाथे। ये बाली के बाढ़त आकार ल देख के किसान खुश होथे।

सुधा वर्मा

संस्कृति के दरपन म छत्तीसगढ़

एमर देश संस्कृति के देश आय। इहां के हर भाग के, हर राज के अउ हर गांव के अपन संस्कृति हे। वोकर अपन मौलिक संस्कृति हे. इही मौलिक संस्कृति ह वोकर असल म चिन्हारी के माध्यम बनथे। हमर छत्तीसगढ़ राज के घलो अपन मौलिक संस्कृति हे, जेला हम इहाँ के मूल संस्कृति या कहिन पारंपरिक संस्कृति के रूप म जानथन, एकर चिन्हारी करथन। आवव आज इही मूल संस्कृति, जेन आने राज अउ देश के चलागन ले अलग दिखथे, तेमा झांके के उदिम करथन।

नवा बछर-वइसे तो पूरा दुनिया म अंगरेजी नवा बछर 1 जनवरी ल प्रशासनिक कामकाज के रूप म अपनाए जावत हे, तभो हर देश के अपन कालगणना पद्धति हे अउ वोकरे मुताबिक सबके अपन अपन नवा बछर हे। हमर देश म चैत्र शुक्ल एकम ल बहुत जगा नवा बछर के रूप म मनाए जाथे, फेर हमर छत्तीसगढ़ म बैशाख शुक्ल तीज जेला हम अक्ती परब के रूप म जानथन, तेला नवा बछर के रूप म मनाए जाथे। अक्ती परब के दिन ही इहां कृषि संस्कृति के शुरुआत होथे। गांव के बइगा के मार्गदर्शन म नवा फसल के बोवाई के शुरुआत होथे, जेला इहां के भाखा म 'मूठ धरना' कहे जाथे।

अक्ती परब के दिन ही इहां खेती-किसानी ले जुड़े कृषि मजदूर जेला कमइया, बनिहार अउ सौंजिया आदि के नॉव ले जाने जाथे, उंकर मन के नवा बछर खातिर नियुक्ति होथे. अक्ती परब के दिन ही इहाँ पौनी-पसारी के रूप म चिन्हारी करे जाने वाला वर्ग के लोगन के घलो नियुक्ति होथे. मौसमी फल आमा, अमली आदि ल टोरे अउ खाए के चलागन घलो अक्ती के दिन ही होथे. नवा करसी म पानी भर के पीना, झुलसत गरमी ले बाँचे खातिर घर कुरिया के खटिया ल अंगना या बाहिर म निकाल के रतिहा बेरा सूते के शुरुआत घलो अक्ती परब ले ही चालू होथे।

चातुर्मास अउ बिहाव-

हमर देश के संस्कृति म सावन, भादो, कुवांर अउ कातिक महीना के चार महीना ल चातुर्मास के रूप म मनाए जाथे अउ ए चार महीना ल बर-बिहाव जइसन शुभ कारज खातिर अशुभ माने जाथे या कहिन- आध्यात्मिक रूप ले उचित नइ माने जाय. काबर ते एकर संबंध म ए मान्यता हे के भगवान विष्णु ह ए चार महीना म सुरताय बर चल देथें।

अब जब हम छत्तीसगढ़ के मूल संस्कृति ल देखथन त इही चार महीना ह सबले शुभ अउ पवित्र जनाथे. ए चातुर्मास के चार महीना म हरेली, भीमा-भीमिन के बिहाव, नागपंचमी अउ राखी परब, तीजा, पोरा, कमरछठ, आठे कन्हैया, पितरपाख, नवरात, दंसहरा, गौरा-ईसरदेव बिहाव, सुरहुत्ती, मातर-मड़ई जइसन जम्मो प्रमुख परब मन आथें।

सबले बड़का बात इही चातुर्मास म इहाँ के दू प्रमुख देव मन के बिहाव के परब घलो मनाए जाथे. सावन महीना म भीमा-भीमिन के बिहाव के परब मनाए जाथे त कातिक अमावस के गौरा-ईसरदेव के बिहाव परब. मतलब ए के छत्तीसगढ़ के मूल संस्कृति म चातुर्मास के शुभ अशुभ वाले परंपरा ह मान्य नइए. इहाँ के लोक देवता मन चार महीना न तो थिरावंय अउ न सूतंय, भलुक जागृत रहिथें उहू म निरंतर.

तीजा-पोरा-देवी पार्वती द्वारा भगवान भोलेनाथ ल पति के रूप म पाए के प्रतीक स्वरूप तीजा परब ल देश के लगभग जम्मो क्षेत्र म अलग-अलग नॉव अउ तिथि म मनाए जाथे, फेर छत्तीसगढ़ म ए परब ल जेन किसम के मनाए जाथे वइसन अउ कोनो क्षेत्र म नइ दिखय।

छत्तीसगढ़ म तीजा परब ल मनाए खातिर विवाहित बेटी-माई मन अपन-अपन मइके आथें. मइके म आके कोनो परब ल मनाए के परंपरा देश के अउ कोनो भाग म देखे म नइ आय. ए प्रसंग के संदर्भ म बताए जाथे के देवी पार्वती ह जब शिव जी ल पति के रूप म पाए खातिर कठोर तप करीस, तब वो कुवांरी रिहिसे, अर्थात अपन पिता जी के घर म रिहिस. एकरे सेती हमर इहाँ ए परब ल मनाए खातिर तीजहारीन मन अपन-अपन पिता के घर अर्थात मइके आथें।

तीजा के संग इहां पोरा परब ल जोड़ के संयुक्त रूप ले तीजा-पोरा कहे जाथे. जबकि शिव जी के प्रमुख गण नंदीश्वर के जन्मोत्सव परब पोरा ह भादो अमावस अर्थात तीजा जेन भादो अंजोरी तीज के मनाए जाथे, वोकर ले दू दिन पहिली आथे.

छत्तीसगढ़ के मूल संस्कृति म पोरा के घलो अबड़ेच महात्तम हे. तीजा माने बर अवइया तीजहारीन मन के कोशिश रहिथे के उन पोरा के दिन ही अपन-अपन मइके पहुँच जावंय, तेमा पोरा पटके के नेंग म उन संघर जावंय.

पोरा परब के दिन छत्तीसगढ़ म धान के फसल ल सधौरी खवाए के नेंग करे जाथे. जइसे नवव्याहता बेटी ह पहिली बार गर्भ धारण करथे, त मइके वाले मन वोला सातवाँ महीना म सधौरी खवाथें, वइसने धान के फसल जब गर्भ धारण करथे तब उहू ल सधौरी खवाए जाथे. छत्तीसगढ़ी म धान के गर्भ धारण करना ल पोठरी पान धरना या पोठराना कहे जाथे. पोरा परब के दिन इहाँ के सब किसान मन माटी के बने पोरा म घर म बने रोटी-पीठा मनला भर के अपन-अपन खेत लेगथें अउ धान ल समर्पित करथें।

भादो के अंधियारी पाख म इहाँ कमरछठ परब मनाए जाथे. ए परब ह शिव जी के बड़का बेटा कार्तिकेय के जन्मोत्सव परब आय. संस्कृत भाखा के कुमार षष्ठ शब्द ह अपभ्रंश होके छत्तीसगढ़ी म कमरछठ होगे हे. एकरे सेती ए दिन कमरछठ उपास रहइया महतारी मन सगरी कोड़ के शिव अउ पार्वती के पूजा करथें, अउ उंकर ज्येष्ठ पुत्र अउ श्रेष्ठ संतान बरोबर अपनो संतान के कामना करथें. फेर आजकल ए कमरछठ परब ल हलषष्ठी के रूप म प्रचारित कर के बलराम जयंती के रूप म बताए जावत हे. ए ह सही नोहय।

> छत्तीसगढ़ के संस्कृति सृष्टि काल के संस्कृति आय, जेला हमला वोकर वास्तविक रूप म फेर से लिख-पढ़ के निमार-छांट के सबके आगू म राखे के जरूरत हे. कुछ लोगन आने आने क्षेत्र ले अवइया लोगन संग आए संस्कृति अउ ग्रंथ ल छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक चिन्हारी संग जोड़ के बताए के उदिम करत हें. हमला अइसन लोगन अउ उंकर पोथी-पथरा ले बांच के रेहे बर लागही, तभी हमर मूल सांस्कृतिक पहचान, हमर अस्मिता के उज्जर अउ सुग्घर रूप सुरक्षित रहि पाही।

देश के आने भाग ले अवइया लोगन मन अपन संग लाने पोथी-पतरा अउ संस्कृति संग सांझर-मिंझर कर के इहाँ के मूल परब ल आने रूप दे के सरलग प्रयास करत हें. हमला अइसन लोगन के चरित्तर ले बांच के अपन मूल ल जीवित रखे अउ प्रचारित करे के उदिम करत रहना हे।

भादो अंधियारा अष्टमी के मनाए जाने वाला भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव परब जन्माष्टमी ल छत्तीसगढ़ म आठे कन्हैया के रूप म मनाए जाथे. छत्तीसगढ़ म जब नवा लइका मन अवतरथें त सबले पहिली इहाँ सूपा भर धान म वो लइका ल सूताए जाथे. ए परंपरा ह भगवान कृष्ण संग जुड़े हे. कृष्ण ह जब मथुरा के जेल म जनम लिस त वोला टोपली म धर के वोकर सियान वासुदेव ह गोकुल लेगे रिहिसे. एकरे प्रतीक स्वरूप इहाँ नवा अवतरे लइका ल धान ले भरे सूपा म सूताए जाथे.

भादो महीना के अंजोरी पाख म चउथ के दिन भगवान भोलेनाथ के छोटका बेटा अउ सब गण मन के नायक गणेश जी के जन्मोत्सव परब मनाए जाथे. अब पूरा देश के संगे-संग छत्तीसगढ़ म घलो गणेश परब ल पूरा दस दिन के उत्सव के रूप म मनाए जाथे. जगा-जगा गणेश पंडाल सजा के कतकों किसम के सांस्कृतिक कार्यक्रम मन के आयोजन करे जाथे।

हम पूरा भादो महीना म मनाए जाने वाला परब मनला देखिन त ए महीना ल शिव-पार्षद मन के महीना कहि सकथन.

नवा खाई-खरीफ के नवा फसल ल अपन इष्टदेव ल समर्पित करे के परब आय नवा खाई परब ह. हमर छत्तीसगढ़ म ए नवा खाई परब ल अलग-अलग वर्ग के लोगन तीन अलग-अलग महीना अउ तिथि म मनाथें, जे ह छत्तीसगढ़ म सांस्कृतिक विविधता के ठउका उदाहरण आय.

छत्तीसगढ़ के वो भाग जेन परोसी राज ओडिशा ले जड़े हे, ए भाग के लोगन जेन उत्कल संस्कृति ल जीथें ए मन नवा खाई परब ल भादो महीना म गणेश चतुर्थी के बिहान भर ऋषि पंचमी के दिन मनाथें.

अइसने इहां के मूल निवासी आदिवासी समाज ह ए नवा खाई परब ल कुंवार महीना के अंजोरी पाख म आठे/नवमी के मनाथे.

इहां के मैदानी भाग म रइहया लोगन मन नवा खाई परब ल कातिक महीना के अंजोरी पाख म एकम के दिन अन्नकूट के रूप म मनाथें। सबो वर्ग के लोगन अपन नवा फसल ल अपन देवता ल समर्पित करथें, फेर अलग अलग तिथि म।

दसहरा- कुंवार महीना के अंजोरी पाख म दसमी तिथि के दिन मनाए जाने वाला परब दशहरा ह असल म दंस+हरा अर्थात दंसहरा आय। इहां ए जानना जरूरी जनाथे के विजयदशमी अउ दंसहरा दू अलग अलग परब आय, फेर हमर मन के अज्ञानता के सेती दूनों ह सांझर-मिंझर होके एक बनगे हे।

विजयदशमी के संबंध म तो सबोच जानथें के ए ह भगवान राम के द्वारा आततायी रावण ऊपर विजय प्राप्त करे के परब आय. जबकि दंसहरा ह भगवान भोलेनाथ द्वारा समुद्र मंथन ले निकले विष के पान के परब आय.

हमन सब जानथन के देवता अउ दानव द्वारा करे गे समुद्र मंथन ले जब विष निकलिस तब सबो झन एती-तेती भागे लागीन. इही बेरा म महादेव ह जगत कल्याण खातिर वो विष के पान कर के अपन कंठ म बसा लिए रिहिन हें. इही घटना के सेती महादेव ल नीलकंठ कहे गे रिहिसे. काबर के जहर ल अपन कंठ म धारण करे के सेती उंकर कंठ ह नीला परगे रिहिसे.

कुवांर महीना के अंजोरी पाख के दसमी तिथि ह उही तिथि आय, जे दिन भोलेनाथ ह अपन कंठ म विष ल धारण करे रिहिन हें. एकरे सेती ए दंसहरा तिथि के दिन आज घलो नीलकंठ नॉव के चिरई जेला हमन छत्तीसगढ़ी म टेहरी चिरई कहिथन एला देखई ल शुभ माने जाथे. काबर ते ए दिन ए नीलकंठ पक्षीय ल शिव जी के प्रतीक स्वरूप माने जाथे. जानकारी रहय के ए नीलकंठ पक्षी के संबंध ह राम-रावण वाले विजयदशमी संग कोनो किसम के नइए।

ए दसहरा तिथि के विष हरण के पांच दिन बाद फेर समुद्र मंथन ले अमृत के प्राप्ति होए रिहिसे, एकरे सेती हमन आज घलो सब दंसहरा के पांच दिन बाद शरद पूर्णिमा के दिन अमृत प्राप्ति के परब मनाथन. खीर बना के चंदा के अंजोर म मढ़ाथन अउ अधरतिहा के पाछू फेर प्रसाद के रूप म अमरित बांटथन.

सुरहुत्ती- छतीसगढ़ म देवारी परब ल तीन दिन के मनाए जाथे, जबकि देश के आने भाग मन म पांच दिन के. हमर छत्तीसगढ़ म कातिक अमावस के सुरहुत्ती मनाए जाथे, इहीच दिन रतिहा बेरा गौरा-ईसरदेव के बिहाव परब घलो मनाए जाथे. सुरहुत्ती के बिहान भर कातिक अंजोरी एकम के गोवर्धन पूजा करे के संग गाय-गरुवा मनला लोंदी/ खिचरी खवाए जाथे अउ एकर बिहान भर कातिक अंजोरी दूज के मातर परब मनाए जाथे. मातर परब के संग ही इहाँ मड़ई जागरण के नेंग ल घलो पूरा करे जाथे, जेहा मड़ई-मेला के रूप म अलग अलग गाँव अउ मेला ठउर मन म फागुन अंधियारी तेरस अर्थात महाशिवरात्रि तक चलथे।

छत्तीसगढ़ म कातिक अमावस के दिन मनाए जाने वाला सुरहुत्ती परब ह दीपदान के परब आय. ए दिन जम्मो गाँव के लइका मन अपन-अपन घर-दुवार, तरिया-नदिया, बारी-बखरी, कुआँ-बावली के संगे-संग गाँव के जम्मो देवी-देवता मन म दीया मढ़ाथें. एकर पाछू फेर अपन पारा-परोस अउ हितु-पिरितु मन घर घलो दीया मढ़ाए बर जाथें.

सुरहुत्ती के दीया ल पहिली नवा चाँउर के पिसान ल सान के बनाए जाय. हमन लइका राहन त ए चाँउर पिसान के बने दीया जब तेल अउ बाती लगा के बारे के बाद बुता जावय त वो दीया ह बने सेंकाय असन हो जावय, तेला कलेचुप निकाल-निकाल के खा जावत रेहेन. आजकाल चाँउर पिसान के दीया के चलन थोरिक कम देखे म आथे.

सुरहुत्ती के रतिहा ही आधा रात ले गौरा-ईसरदेव के बिहाव परब ल मनाए जाथे. ए परब ल लोगन गौरा-गौरी के रूप म जादा सुरता करथें. इहाँ ए जाने के लाइक बात हे, के ए गौरा-ईसरदेव बिहाव ह देवउठनी परब ले दस दिन पहिली होथे, जबकि देश के आने भाग म ए बात प्रचलित हे के देवउठनी के पहिली बर-बिहाव जइसन कोनो शुभ कारज नइ करना चाही. फेर छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति म इहाँ के मुख्य देवता के ही बिहाव देवउठनी ले पहिली हो जाथे, जे हा सांस्कृतिक विविधता के एक सुंदर उदाहरण आय.

छेरछेरा- संभवत: पूरा देश अउ दुनिया म छत्तीसगढ़ एकमात्र अइसन राज आय जिहां दान देवई अउ दान लेवई ल परब के रूप म मनाए जाथे. ए दिन अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, ऊंच-नीच सबके भेद मिट जाथे. सबो मनखे दान माँगे बर जा सकथें अउ दान पा सकथें. कतकों कलाकार किसम के लोगन तो नाचत-गावत कुहकी पारत छेरछेरा माँगे बर जाथें, छेरछेरा के डंडा नाच तो इहाँ गजबे लोकप्रिय हे. ए दिन छत्तीसगढ़ के एक भी घर या व्यावसायिक संस्थान अइसे नइ राहय, जेन दान माँगे बर अवइया ल दान दे ले मना करय।

सामाजिक समरसता के अद्भुत परब छेरछेरा ल मनाए के इहाँ अलग-अलग वर्ग समाज म अलग-अलग कारण ले मनाए के मान्यता हे. आमतौर म ए छेरछेरा परब ल लोगन खरीफ फसल के कटाई अउ मिसाई के बाद एक उत्सव के रूप म मनाए के मान्यता देखब म आथे, जबकि इहाँ के मूल निवासी आदिवासी समाज ह छेरछेरा ल गोटुल/घोटुल के शिक्षा म पारंगत होए के पाछू तीन दिन के परब के रूप म मनाथे. उहें इहाँ के सब्जी उत्पादक मरार समाज ह ए छेरछेरा परब ल शाकंभरी जयंती के रूप म मनाथे. मोला अपन साधना काल म जेन ज्ञान मिले रिहिसे वोकर मुताबिक ए छेरछेरा परब ह शिव जी द्वारा बिहाव के पहिली पार्वती के परीक्षा ले खातिर नट बन के जा के भीक्षा माँगे के प्रतीक स्वरूप आय. एकरे सेती ए दिन नट जइसन विविध संवांगा कर के लोगन नाचत गावत कुहकी पारत दान माँगे बर जाथें.

अलग-अलग वर्ग के छेरछेरा मनाए के मान्यता भले अलग-अलग हे, फेर सबोच झन एला पूस पुन्नी के दिन ही मनाथें. छेरछेरा के माध्यम ले बहुत अकन लोककल्याण के कारज घलो हो जाथे। छत्तीसगढ़ के बहुत अकन गाँव मन म रामकोठी भरे के परंपरा हे. छेरछेरा के दिन ही ए रामकोठी म सकेले धान अउ रुपिया आदि के हिसाब-किताब होथे, अउ जे मनखे एमा के सकलाए धन ल उधारी म लेना चाहथें, उनला दिए जाथे. जे मन उधार लेगे रहिथें उंकर मन जगा धन वापस जमा करवाए जाथे।

हमर गांव नगरगांव म प्रायमरी शाला तो अंगरेज मन के जमाना ले रिहिसे, फेर मिडिल स्कूल नइ रिहिसे. हमन जब पांचवीं पढ़त रेहेन तभे मिडिल स्कूल खोले के आदेश आइस, फेर शर्त ए रहिस के मिडिल स्कूल खातिर भवन ल गाँव वाले मन बना के देवय. तब हमर गुरु जी मन हमन ल गाँव भर बेंड बाजा बजवावत छेरछेरा मंगवाए रिहिन हें. गाँव वाला मन घलो बढ़-चढ़ के दान दिए रिहिन हें, तब मिडिल स्कूल खातिर भवन घलो बने रिहिसे अउ कक्षा लगे के शुरुआत घलो होए रिहिसे. मोर जिनगी म छेरछेरा के ए गौरवशाली रूप के हमेशा सुरता म रइही. हमन गाँव भर घूम-घूम के छेरछेरा तो माँगे रेहेन संग म भवन निर्माण के बेरा श्रमदान घलो करे रेहेन.

संगी हो मैं हमेशा कहिथौ छत्तीसगढ़ के संस्कृति सृष्टि काल के संस्कृति आय, जेला हमला वोकर वास्तविक रूप म फेर से लिख-पढ़ के निमार-छांट के सबके आगू म राखे के जरूरत हे. कुछ लोगन आने आने क्षेत्र ले अवइया लोगन संग आए संस्कृति अउ ग्रंथ ल छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक चिन्हारी संग जोड़ के बताए के उदिम करत हें. हमला अइसन लोगन अउ उंकर पोथी-पथरा ले बांच के रेहे बर लागही, तभी हमर मूल सांस्कृतिक पहचान, हमर अस्मिता के उज्जर अउ सुग्घर रूप सुरक्षित रहि पाही।

छत्तीसगढ़ के संस्कृति सृष्टि काल के संस्कृति आय, जेला हमला वोकर वास्तविक रूप म फेर से लिख-पढ़ के निमार-छांट के सबके आगू म राखे के जरूरत हे. कुछ लोगन आने आने क्षेत्र ले अवइया लोगन संग आए संस्कृति अउ ग्रंथ ल छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक चिन्हारी संग जोड़ के बताए के उदिम करत हें. हमला अइसन लोगन अउ उंकर पोथी-पथरा ले बांच के रेहे बर लागही, तभी हमर मूल सांस्कृतिक पहचान, हमर अस्मिता के उज्जर अउ सुग्घर रूप सुरक्षित रहि पाही।

-सुशील भोले. संजय नगर, रायपुर

ददा-बेटा

कहिनी

दूनो पतोहू मन ला अलगे- अलग पानी लानत देख मानसाय के माथा ठनकिस। ये का होवत हे! आन दिन तो बने हाँसत-बतरात

छोटकी फूलकुँवर अऊ बड़की पुरानमती इस्कूल तीर के बोरिंग ल पानी- काँजी लाने कम गोठियावें जादा । फेर आज का हो गईस येमन ल ?

ददा चल रोटी खाबे.. 7ज्जबड़खा बेटा सपूरन हर वोला पानी धरावत किहिस तब तो वोकर अचम्भा हर अऊ बाढ़ गईस। वोहर ये देखे बर कि का होईस ये मन ला आज, लोटा के पानी ला धर के अंगनईया कोती आ गईस । सपूरन हर आज तक वोला अईसन पानी-काँजी धरावत खाये-पीये बर कभु नई बलाये ये। जबले छोटकी फुलकुँवर हर इहाँ आये हावे तबले ये हर वोकरेच बुता रहिस,वोकर पहिली सपूरन के महतारी हर अईसन बलाये।

अंगनईया म बड़की बहुरिया पुरानमती गोड्सी मा लदकाय अंगाकर ला उतार के पान-पतई ला झारत रहिस। सपूरन अंगना मा

नानकुन मचुलिया ला लान दिस चुपचाप जईसन वोहर कहत रहय कि ददा अब येमा बईठ।

लेवा डोकरा, रोटी खावा। तु लाखा में हमर कोती परे हावा। पहिली पन्दरा दिन एक पन्दराही हमर कोती खईहा तहाँ ले फेर

छोटकी कोती।अईसनहे टूटे हावे।ज्ज पुरानमती अंगाकर कुटी ल अपना ससुर मानसाय ला धरावत किहिस।

कईसन लाखा? का होये हावे.. कोन टोरे हे..?ज्ज मानसाय के तो सुर हर बिछा गय रहिस।

हमीच्च मन टोरे हावन ददा... लाखा घलो हमींच्च मन पारे हावन ।ज्जसपूरन वोकर संग मा अपन बाँटा अंगाकर अऊ चटनी ला मलिया मा धरे बईठत कहिस।

माने... तुमन... अब अलगे-बिलगे होबो कहत... हावा? डोकरा के सुर हर अब तो अऊ बिछा गय रहिस।

कहत नई अन ददा, अब हो गएन, समझले ।ज्ज सपूरन तरी मुड़ करके कहिस ।

च्चअऊ मैं... गम नई पाये !ज्ज मानसाय के सुर मा पीरा हर उतर गय रहिस।

ददा... तोला... । सपूरन अतका कह के चुप परगे। वोहर तरी मुड़ी करेच्च रहिस। दूनो के माली मा माढ़े अंगाकर कुटी हर

जुड़ावत रहिस जस के तस, तभे पुरानमती मा आके कथे, पहिली खावा तो ऐला... !

सपूरन अपन माली ला घर के ओधामा आ गय अऊ अपन बाँटा अंगाकर ला गप... गपागप खा दिस। वोला शहर जाये वर बेरा होवत रहिस। वोकर अपन बेटा इन्दर हर अपन लाली डरेस अऊ टाई- मोजा पहिन के खाँध मा बैग ओरमा के खोर मुँहटा म

वोकर रद्दा देखत रहिस।

चल... चल... दऊ, तोला बेर हो जाही...ज्जसापूरन सैकल के घंटी ला बजावत किहिस अऊ वोहर इन्दर ला बईठार के शहर कोती के रद्दा लिस।

वोहर तीर के सहर मा राजमिस्त्री के बुता करे अउ अपन घर ले रोज आना-जाना करे, तेकरे सेथी अपन बेटा इन्दर ल रद्दा म परईया अंग्रेजी इस्कुल मा पढ़ोये के जोम करे हावे। लईका हर बने पढ़-गुन डारे अऊ... । एक उन धुंधरा सपना हर वोकरो आँखी मा तऊरत हावै तभे तो इन्दर ला गाँव घर मा बॉटी- भँवरा खेलत देख, वोला पीरा होथे अऊ कभु-कभार वोकर बर गुस्सा घलो आ जाथे। एकरे सेथी वोहर वोकर बर दू दिन के दिहाड़ी ला मुरछ के चिड़िया खेले के झारा लान देये हे, बैट अऊ गेंद तो कबके लान देये हे। अगाहू अवईया पीढ़ी ला नई देखवे त कईसे बनही... 7 ददा...वो तो जुन्ना पीढ़ी ये। अभी रोटी ल धरे बईठे हे... नई खावत ये। अभी नई खाही त पाछु खाही... आज नई खाही त काल खाही, नई खाही त कहाँ जाही। अलगे-बिलगे होये के गोठ ला सुन के वोला पीरा होवत हे। वोकर से सलाह लेये रथिन तब तो वोहर कभु राय

नई देये रथिस। अलगे-बिलगे होये बर हे, तेकरे सेथी दूनो भई अऊ दूनो नारी जुर के अलगे कर लिन हे बरतन भांड़ा ला.. चूल्हा गढ़

गईस दू ठन। दू टेपरी खेत.. बदरा खार के तोर अऊ लीम खार के मोर। बनही...? बन जाही, लेन ठीक है। ददा... ला? पंदरा दिन तैं अऊ

पंदरा दिन मैं। सपूरन के सैकल साँय साँय चलत रहय ।केरियर मा बईठे इन्दर फाईव बन जा फाईव... फाईव टू जा टेन कहत रहय, दूनो के

चाल एक बरोबर रहय। छोटकी के किर्र-कार करे के सेथी मैं अलगे होवे हावों। ये ला पढ़ोवेच्च बर.. सपूरन गुनत हावे। छोटका

घलो आन मन करा कहत रहिस गाँव के सरकारी इस्कुल मा पढ़ोथिस त का होथिस। अब तो अलगे हो गय है, अब कोन कहोईया हे अऊ वोहर का गलती करत हावे.. ।

सहर के सीवाना आ गय... अंगरेजी इस्कूल आ गय। इन्दर उतर गय टाटा करत... जा बेटा बने पढ़बे। ददा.. कोन जनी रोटी खाईस कि नींही...? सपूरन इन्दर ला उतार के बुता के अड्डा मा गईस त पता चलिस कि ठेकादार के ददा हर काल कर डारे हे.. सियानेच हो गय

तो रहिस.. तेकर सेथी आज बुता बंद हे । ददा... ! ददा रोटी खाईस कि नीही...? वोकर अंतस चिल्ला उठिस।

अब तो सपूरन के सायकल घर कोती साँय-साँय चलत रहे... । वोहर इन्दल ल लेये बर पाछु फिर आ जाही।

रामनाथ साहू, देवरघटा सक्ती

सूर्ययान आदित्य

सुरुज देव के वंदन खातिर, चलिस यान आदित्य।
भारत के वैज्ञानिक मन हा, रचिन नवा साहित्य।।
सरी जगत मा इसरो के तो, गे हे डंका बाज।
जस बगरिस भारत माता के, करदिस अइसन काज।।
जिहा चाही तिहां पहुंचही,भारत के राकेट।
मानवता के सेवा सेती,नइये चिटको लेट।।
खोज खोज के विश्वगुरु ह, जग ला देही ज्ञान।
धरती के रहवासी मन हा, करहीं अमरित पान।।
काबर बाढ़त हावय अब्बड़, ये भुंइयां के ताप।
पराबैगनी किरण बरसथे,तेकर होही नाप।।
रोज रोज ओजोन परत मा,होवत हावय छेद।
कारण अइसे का हे जेकर, उघर जही सब भेद।।
लाखों भारतवासी मन के, हावय ये अरमान।
सुरुज नरायण किरपा कर दै, सफल होय अभियान।।
मेल हवै कइसन के सुग्घर,आस्था संग विज्ञान।
ज्ञान उही हा पाथे जे हा, होथे श्रद्धावान।।

-चोवा राम वर्मा 'बादल' हथबंद

इन्द्रावती की बेटी

सुधा वर्मा के लेखन म प्रकृति हर अपन रहस्य खोलथे अउ संगे -संग पर्यावरणीय संचेतना हर वोमे उफनात रहिथे ।चाहे होकर ललित निबंध के किताब मन होय कि वोकर औपन्यासिक कृति मन; ये सबो म पर्यावरण के प्रति विशेष लगाव, ये धरती के सुंदरई ल बचा के राखे के कशमकश, ये सब हर पाठक ल पुरुत दर पुरुत दिखथे। सुधा वर्मा के लेखन म सदाकाल ले मानवी गरिमा ल सबले ऊँच ठउर दिए गय हे। ये बात के साक्षात प्रमाण हावे अभी-अभी प्रकाशित वोकर छत्तीसगढ़ी उपन्यास- इंद्रावती के बेटी।

पुस्तक समीक्षा

इंद्रावती के बेटी : छत्तीसगढ़ के बेटी
कृति- इंद्रावती के बेटी (छत्तीसगढ़ी उपन्यास)
लेखिका -सुधा वर्मा
प्रकाशक-छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग
प्रकाशन वर्ष -2023

सुधा वर्मा सिद्धहस्त गद्यकार ये। गद्य अगर कवि मन के निकष अर्थात कसौटी ये,तब निबंध हर गद्यकार मन के कसौटी ये।अउ सुधा के बहुत अकन लेखन हर स्वतंत्र निबंध ये।येकर बाद भी वोकर किस्सागोई हर चमत्कारिक रूप ले अब्बड़ सबल हे।छत्तीसगढ़ी के प्रख्यात निबंधकार होय के संगें -संग वोकर औपन्यासिक कृति मन घलव बहुत खास हें।

इंद्रावती के बेटी के कथानक हर इकहरा अउ शांत हे। वोमन सस्पेंस थ्रिल नई ये। येकर कथानक म नरवा-झोरखी मन असन उछाल अल्हड़पन नइये। फेर येहर तो बाढ़े पूरा असन दमोरत, उबुक- चुबुक होत नदिया के धार असन प्रवाहमान हे।

सुरम्य बस्तर, सुंदर जगदलपुर, रमणीय चित्रकोट अउ मनोहारी इंद्रावती के पृष्ठभूमि हर, मानवता ल शर्मसार करने वाला एकठन अउ आन घटना के भी गवाही बनथे। गठरी-मोटरी म नानकुन बिन नेरूहा झरे नोनी लइका ल, कोन हतभागी महतारी कि बाप कि दुनों के दुनों इंद्रावती ल भेंट चढ़ा देय रथें। अपन नदी सफाई अभियान म लगे सिवचरण ल, वो लइका वाला मोटरी हर मिलथे अउ वो हर वो लइका ल, रेस्टहाउस म ले आनथे,जिहां वोहर बुता करत रहिथे। कनहु के द्वारा करे गय पाप ल, सिवचरण अउ पार्वती अपन निस्वार्थ निष्कलुष सेवा अउ कर्तव्य भाव ले , कंचन ल पढो -बढ़ो के धो देथें।

ये कृति के कलेवर हर भले ही छोटे हे फेर येहर अपन आप म सम्पूर्ण उपन्यास ये। अगर कलेवर के मापदंड म बात करबो,तब येला अधिक से अधिक उपन्यासिका कह सकत हंन ।फेर कलेवर के विस्तार हर गौण जिनिस ये। असल ये कथा के प्रभाव अउ प्रभाव के दृष्टि ले देखबो तब येहर सम्पूर्ण उपन्यास आय। जैनेंद्र कुमार के 'त्यागपत्र' हर कतेक बड़े हे? पांडेय वंशीधर शर्मा लिखित छत्तीसगढ़ी के पहिली उपन्यास 'हीरू के कहिनी' कतेक बड़ हे? असल बात ये, अगर कोई कथा हर, मनखे के सम्पूर्ण जीवन के आईना ये,तब वोमे उपन्यास हर झांकत हे। येकर उलट, मनखे के जीवन के एकांगी पक्ष ल लेके लिखे गय हजार पृष्ठ के कोई कहानी हो सकत हे।'इंद्रावती के बेटी' हर एकठन सम्पूर्ण उपन्यास ये,क़ाबर कि येमें कंचन के जीवन वृत हर बहुत अउ बहुआयामी विस्तार पाय हे।

ये उपन्यास के कथा म कई ठन मोड़ ये अउ उपन्यास पढ़त बेर ,एकठन चलचित्र देखे के अनुभूति होत रथे। छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक तत्व मन येमे बहुत सुघ्घर ढंग ले आगु आत रथें। येमें सुदूर जगदलपुरी संस्कृति के जीवंत झांकी हे।

नैतिकता अउ मर्यादा के स्तर म सिवचरन अउ पार्वती के पति-पत्नी बन के कंचन के बिहा करना, वोकर भरणपोषण करना,फेर वोमन के बीच भौतिक सम्बंध न होना जइसन कईठन बुता हे; जेहर अभी के भौतिकवादी समाज म सपना असन लागथे। फेर अइसन भी हो सकत हे कहिके उपन्यासकार हर नैतिकता के पाठ पढ़ाय हे। ठीक अइसन दिल्ली जइसन सिविल जगहा ल मुरछ के ये बन- डोंगरी म डॉक्टरी करे के संकल्प लेवई के पीछू भी उहिच गोठ हे।

सुधा के ये उपन्यास म भाषा के संस्कारित रूप अउ शिल्प के चारुता बरोबर दिखत हे। आज से बीस बच्छर पहिली के छत्तीसगढ़ी, ठीक अइसन पचास बच्छर पहिली के छत्तीसगढ़ी असन नइये। आज के नावा छत्तीसगढ़ी के नावा भाषायी रूप हे, अपन खुद के शिल्प विधान हे। 'इंद्रावती के बेटी' हर अभी के ये संस्कारित छत्तीसगढ़ी के भाषा अउ शिल्प ल अपनाय हे। येहर उपन्यासकार के अपन निज सफलता अउ सिद्धि ये।

सबो औपन्यासिक तत्व मन ल बहुत ही चोखट ढंग ले संजोरे ये उपन्यास 'इंद्रावती के बेटी' हर छत्तीसगढ़ी उपन्यास के दुनिया म अपन खास चिन्हारी बनाही। येहर संग्रहनीय अउ पठनीय उपन्यास हे।

**- रामनाथ साहू
देवरघटा (डभरा)**

देशबन्धु
संस्कारधानी
बिलासपुर
5
रविवार 10 सितंबर 2023

उल्टा पुल्टा

पहला कैदी – तुम्हें पुलिस ने क्यों पकड़ा?
दूसरा कैदी – बैंक लूटने के बाद वहीं बैठकर पैसे गिनने लगा तो पुलिस ने पकड़ लिया।
पहला कैदी – वहीं पर पैसे गिनने की क्या जरूरत थी?
दूसरा कैदी – वहां पर लिखा था कि काउंटर छोड़ने से पहले पैसे गिन लें, बाद में बैंक जिम्मेदार नहीं होगा।

कुटुम्ब न्यायालय में आपसी सहमति से 214 पारिवारिक मामलों का निराकरण

बिलासपुर , 9 सिंतबर (देशबन्धु)। आज छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश – से नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें दुरस्त अंचल और शहरी क्षेत्र के पीड़ित पक्षकारों को परस्पर सहमति से त्वरित न्याय प्रदान करने का प्रयास किया गया। न्यायमित्रगणों के अथक प्रयास से टुटते परिवारों को जोड़ा गया और परिवार को टुटने से बचाया गया। आज के नेशनल लोक अदालत में दाम्पत्य पुर्नस्थापना, सरंक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम, भरण पोषण एवं पारिवारिक समस्याओं पर आधारित विवादों को लेकर मामलें समाधान हेतु न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किये गये थे, जिसमें कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश रमाशंकर प्रसाद के न्यायालय में 128 प्रकरण, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश श्यामलाल नवरत्न के न्यायालय में 68 प्रकरण एवं द्वितीय अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश निरंजन लाल चौहान के न्यायालय में 18 प्रकरण निराकृत किया गया। कुटुम्ब न्यायालय बिलासपुर में कुल 214 प्रकरणों का परस्पर सहमति से राजीनामा आधार पर निराकरण किया गया।

बिखरे परिवारों को जोड़ा

प्रधान न्यायाधीश रमाशंकर प्रसाद की अदालत में एक ऐसा प्रकरण प्रस्तुत किया गया जिसमें पक्षकार विगत 14 वर्षों से वैचारिक मतभेद होने के कारण पृथक–पृथक जीवन यापन कर रहे थे और विगत दो वर्ष पूर्व सहमति आधार पर तलाक ले लिए थे किंतु उनके दो बच्चे थे वे 15–16 वर्ष के हो चुके हैं। दोनों पक्षकार न्यायमित्र प्रशांत गणोढकर एवं अब्दुल सलीम कुरैशी न्यायमित्र से निरंतर संपर्क में थे। दोनों न्यायमित्रों ने उन्हें बच्चों के खातिर परिवार जोड़ने का परामर्श दिया और पुन: विधिवत् विवाह करने का दिया। दोनों पक्षकारों ने मंदिर में जाकर विवाह किया और नगर निगम बिलासपुर से विवाह का पंजीयन कराया किंतु दोनों के परिवार वाले उसे मान्यता नहीं दे रहे थे क्योंकि दोनों पृथक–पृथक ही रह रहे थे अंत में प्रधान न्यायाधीश रमाशंकर प्रसाद की अदालत में धारा 09 दाम्पत्य जीवन की पुनर्स्थापना के तहत न्यायमित्र प्रशांत गणोरकर ने आवेदन प्रस्तुत किया तत्पश्चात् प्रधान न्यायाधीश ने पुन: काउंसलिंग कर समझाईश दिया और आज की लोक अदालत में साथ रहने का आदेश पारित कर दोनों को एकसाथ परिवार में रहने खुशी–खुशी घर बसाने को कहा गया और वे राजी खुशी से अपने घर गए।

माता-पिता को पुत्रों से भरण पोषण दिलाया गया व अन्य लोन की राशि देने निर्देशित

प्रधान न्यायाधीश रमाशंकर प्रसाद की अदालत में एक ऐसा प्रकरण भी आया जिसमें जूना बिलासपुर निवासी वरिष्ठ नागरिक माता–पिता की ओर से भरण–पोषण का प्रकरण अपने पुत्रों के विरूद्ध प्रस्तुत किया गया था जिसमें यह आदेशित किया गया कि 6,000 रूपये पुत्र अपने माता–पिता को प्रत्येक माह अदा करने तथा दूसरा पुत्र भी 6,000 रूपये अपने माता–पिता को अदा करने का आदेश दिया गया तथा माता–पिता द्वारा लिया गया लोन बड़ा पुत्र एवं छोटे पुत्र दोनों मिलकर पटायेंगे। मकान बिकी हो जाने पर लोन की पटाई हुई मूल रकम दोनों पुत्र पहले वापस प्राप्त करेंगे उसके बाद अन्य रिश्तेदारों ने बंटवारा के साथ दोनों पुत्रों का भी बराबर का अधिकार सुरक्षित रहेगा। दोनों पक्षों ने और माता–पिता ने हर्ष प्रकट किया तथा दोनों माता–पिता अपने बड़े पुत्र के साथ रहना चाहते हैं और वह रखना चाहता है इसलिए वह अपनी इच्छानुसार बड़े पुत्र के साथ रहेंगे। इस तरह भरण पोषण के मामलों में पीड़ितों को भरण पोषण की राशि का अवार्ड पारित किया गया तथा कई परिवारों को साथ रहने के लिए आपसी सहमति के आधार पर जोड़ा गया।

आदिवासी परिवार को टूटने से बचाया

आज की नेशनल लोक अदालत में अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश श्री श्यामलाल नवरत्न की अदालत में कोटा क्षेत्र का ऐसा मामला भी प्रस्तुत हुआ जिसमें दोनों पति–पत्नी आदिवासी समाज के थे और पति शिक्षक था तथा पत्नी आश्रम के साधु के बहकावे में आकर पति पर शक कर रही थी। उनके दो पुत्र भी है। दोनों को न्यायमित्र अब्दुल सलीम कुरैशी ने समझाईश दिया तथा साथ में रहने के लिए वे राजी हो गए न्यायाधीश श्यामलाल नवरत्न जी ने दोनों पक्षों को काउंसलिंग कर परिवार बिखरने से बचाया।

उपरोक्त नेशनल लोक अदालत में परस्पर सहमति से परामर्शदाता एवं न्यायमित्रों का विशेष योगदान रहा है। सभी निराकृत प्रकरण आपसी रजामंदी से कोई जीता नहीं और न ही कोई हारा के आधार पर पारिवारिक हित में निराकृत किया गया।

कॉप ऑफ द मंथ बने आठ पुलिस अधिकारी व कर्मचारी

पिछले माह पांच पुलिसकर्मियों को गैरहाजिरी व कार्य में लापरवाही बरतने पर विभागीय जांच शुरू कर चार्जशीट जारी किया गया

बिलासपुर , 9 सिंतबर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर संतोष सिंह द्वारा पुलिसिंग के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे अधिकारी कर्मचारी को प्रोत्साहित करने हेतु प्रति माह ''कॉप ऑफ द मंथ'' पुरस्कार दिया जाता है। इस कड़ी में माह अगस्त 2023 में पुलिसिंग के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक बिलासपुर द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आज ''कॉप ऑफ द मंथ'' सम्मान से सम्मानित किया गया।

महामहिम राष्ट्रपति के आगमन के दौरान उत्कृष्ट व्यवस्था बनाने हेतु आरआई भूपेन्द्र गुप्ता, थाना सिविल लाईन क्षेत्रान्तर्गत अलका एवेन्यू में हुई चोरी में आरोपियों से 13 लाख की बरामदगी में सराहनीय योगदान हेतु उ.नि. अजहर उद्दीन, अल्पावधि में नाबालिग बालिका की अर्न्तप्रान्त से दस्तयाबी करने पर स.उ.नि. मेलाराम कठौतिया, बड़ी संख्या में वारंटों की तामीली एवं महिला अपराधों में त्वरित कार्यवाही हेतु स.उ.नि. ऐश्वरी मिश्रा, थाना सिरगिट्टी, सरकण्डा थाना क्षेत्र में घटित दोहरे हत्याकांड के घटना घटित कर भाग रहे आरोपियों को तत्काल में अभिरक्षा में लेने पर प्र.आर. 459 प्रमोद सिंह, सजगता एवं मुस्तैदी से कर्तव्य निर्वहन कर यातायात व्यवस्था में उत्कृष्ट योगदान हेतु एनसीओ(होमगार्ड) अश्वनी पाण्डेय एवं सुरक्षा उपकरणों एवं रक्षित केन्द्र के भण्डार–गृह में उत्कृष्ट रख रखाव हेतु आर. 67 कृष्णा बघेल को कॉप ऑफ मंथ सम्मान से सम्मानित किया गया है। जिला मनेन्द्रगढ़ में पदस्थ आर. 243 प्रमोद यादव के द्वारा थाना सिविल लाईन क्षेत्र में हुई चोरियों के आरोपियों के संबंध में कोतमा, जिला अनुपपुर म.प्र. में होने की महत्वपूर्ण सूचना दी गई थी एवं इस सूचना पर आरोपियों को पकड़कर बरामदगी की गई थी। इस अवसर पर आरक्षक 243 प्रमोद यादव को जिला मनेन्द्रगढ़ से बुलवाकर उसे प्रशंसा पत्र एवं नगद पुरस्कार से पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया है। चुने गए कर्मचारियों को नगद इनाम एवं गुड सर्विस एंट्री व प्रशंसापत्र के साथ ही उनका फोटो समस्त पुलिस कार्यालयों और सभी थाना व चौकी के नोटिस बोर्ड पर पूरे माह के लिए लगा रहेगा। इससे दूसरे पुलिसकर्मी भी अच्छा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

चाकू से हमला करने वाला युवक पकड़ाया

पुरानी रंजिश के बदला लेने की मारपीट

बिलासपुर , 9 सिंतबर (देशबन्धु)। पुरानी रंजिश पर एक युवक पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी युवक को सरकंडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सरकंडा पुलिस ने बताया कि प्रार्थी मयाराम निषाद निवासी लिंगियाडीह सरकंडा ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया की बजरंग चौक के पास जन्माष्टमी का त्यौहार होने से हान्डी फोड़ का कार्यक्रम चल रहा था । जिसमें डीजे लगा हुआ था जिसमें सभी नाच गाना कर रहे थे उसमें इसका लड़का भी था उसी समय वीरेंद्र गोंड आया और अपने छोटे भाई के पुराने लड़ाई झगड़ा की बात को लेकर रंजिश रखते हुए इसके लड़के से मां बहन की अश्लील गाली गलौज करते हुए हत्या करने की नियत से वीरेंद्र गोंड ने अपने पास रखें धारदार चाकू से इसके लड़के नीलकंठ निषाद के सीने में मार दिया जिससे इसका लड़का खून निकलने से अचेतन अवस्था में गिर गया तथा घटना करने के बाद वीरेंद्र गोंड मौके से भाग गया। की सूचना मिलने पर थाना सरकंडा में तत्काल आरोपी वीरेंद्र गोंड के विरुद्ध हत्या के प्रयास का मामला पंजीबद्ध किया गया। तथा एक टीम मौके की ओर रवाना किया गया टीम के द्वारा आरोपी वीरेंद्र गोड़ को लिंगियाडीह से घेराबंदी करके पकड़ा गया पूछताछ करने पर आरोपी ने पूर्व में अपने छोटे भाई से मारपीट और लड़ाई झगड़ा करने की बात को लेकर रंजिश रखते हुए नीलकंठ को हत्या करने की नियत से चाकू मारना स्वीकार किया । आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक धारदार चाकू बरामद किया गया आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

देशी शराब के साथ स्टेशन में महिला यात्री अधेड़ पकड़ाया

बिलासपुर , 9 सिंतबर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह (भापुसे) द्वारा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अवैध हथियार रखकर राहगीरों को भयभीत करने वालों पर अंकुश लगाने हेतु धरपकड़ कर कार्यवाही करने एवं अवैध शराब पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये थे। अति पुलिस अधीक्षक (शहर) राजेन्द्र कुमार जायसवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली श्रीमती पूजा कुमार(भापुसे) के निर्देशन में थाना तोरवा द्वारा निम्नलिखित कार्यवाही की गई है। 1. छाबडा पैलेस के सामने से आरोपी हरिशंकर सिंह पिता कपिल देव सिंह उम्र 59 साल निवासी लालखदान थाना तोरवा बिलासपुर छ.ग. के द्वारा अवैध रूप से शराब अपने कब्जे में रखने पर 96 पाव देशी शराब (17.280 लीटर) जप्त किया गया है। आबकारी एक्ट धारा 34 (2) के तहत कार्यवाही किया गया है। 2. तोरवा वासन चाल सुबीर सरकार पिता स्व. के. सरकार उम्र 42 साल साकिन वासन चाल तोरवा के द्वारा तलवार लेकर राहगीरो को भयभीत करने पर आरपीएफ निरीक्षक भास्कर सोनी के सहयोग से आरोपी को पकडकर 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

स्टेशन में महिला यात्री ने दिया बच्चे को जन्म

रेलवे डॉक्टर की टीम ने रायगढ़ स्टेशन पर कराया महिला का सुरक्षित प्रसव

बिलासपुर, 9 सिंतबर (देशबन्धु)। 8 सितम्बर को मुख्य स्टेशन प्रबंधक रायगढ़ को सूचना दी गई कि गाड़ी संख्या–12809 सीएसएमटी–हावड़ा मेल के एस–1 कोच के सीट नं 17 में सीएसएमटी से हावड़ा तक की यात्रा कर रही महिला रेल यात्री श्रीमती हसीना खातून को प्रसव पीड़ा हो रही है । उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है।

ड्यूटी पर उपस्थित मुख्य स्टेशन प्रबंधक रायगढ़ को खबर मिलते ही उन्होंने इसकी सूचना तुरंत रेलवे हेल्थ यूनिट रायगढ़, स्वास्थ्य निरीक्षक, टिकट चेकिंग स्टॉफ एवं सफाई कर्मियों को दी। रेलवे हेल्थ यूनिट से डॉक्टर पीयूष प्रियदर्शन, फार्मासिस्ट प्रीति सिंह और अटेंडेंट उत्तम जाटव सहित स्टाफ के साथ तुरंत स्टेशन पर पहुंचे । रायगढ़ स्टेशन में रात 10.10 बजे गाड़ी के रुकते ही महिला यात्री को तत्काल सहायता पहुंचाते हुये सफलता पूर्वक रायगढ़ स्टेशन में प्रसव कराया गया ।

जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ थे । रेलवे मेडिकल टीम द्वारा प्रारंभिक जाँच के बाद जच्चा और बच्चा दोनों को पास के रायगढ़ मेडिकल कालेज में अग्रिम जाँच हेतु एम्बुलेंस से आरपीएफ के सहायता से भेजा गया । महिला यात्री के सहयात्री एस के मीनारुल ने रेलवे प्रशासन द्वारा कराई गई इस तत्काल सहायता के लिए रेल प्रशासन का आभार प्रकट किया गया ।

बस में लावारिस हालत में मिली लाखों की साड़ी

रतनपुर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बिलासपुर से मरवाही जा रही बस से 200 नग साड़ी की बरामद

पुलिस मामले की कर रही जांच

बिलासपुर , 9 सिंतबर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर संतोष सिंह के द्वारा कानून एवं सूरक्षा व्यवस्था डियूटी तथा अगामी विधान सभा चुनाव 223-224 को मददेनजर रखते हुये सीमावर्ती थाना क्षेत्र में चेक पोस्ट के माध्यम से बाहर राज्य से आने वाली वाहनो तथा जिला से बाहर जाने वाली वाहनो पर चेकिंग कार्यवाही चलाया जा रहा हैं कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के निर्देशन पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोटा सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी रतनपुर निरीक्षक देवेश सिंह राठौर के द्वारा रतनपुर टीम के साथ पेड्रा मरवाही मध्य प्रदेश मार्ग पर चेक पोस्ट लगाकर सघन चेकिग किया जा रहा हैं ।

आज वाहन चेकिंग दौरान पुष्पराज बस जो बिलासपुर से रतनपुर होते हुये मरवाही जा रही थी बस में सवारी बैठे हुये थे कि चेकिग दौरान बस के उपर केबिन में सफेद बोरी के झाल में साडी रखा हुआ मिला । उक्त साडी के संबंध में बस ड्रायवर तथा कंडेक्टर से पूछताछ पर कोई जानकारी नही होना बताये किसी व्यक्ति द्वारा बिलासपुर में उक्त साडी के झाल को बस के केबिन में रखवाना बताये ।उक्त व्यक्ति को जानने पहचानने से इंकार किये बस में सवार व्यक्तियो से पूछताछ पर उक्त साडी के संबंध में जानकारी नही होना बताये उक्त साडी को गिनती करने पर 2 नग साडी हैं पंचनामा तैयार किया गया हैं। लावारिस हालात में मिलने से धारा 102 जाफौ के तहत जप्त किया गया हैं ।

कोरोनाकाल के दौरान बंद सभी ट्रेनों का परिचालन शुरू

यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्टेशनों में 53 ट्रेनों के ठहराव

बिलासपुर ,9 सितंबर (देशबन्धु) । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सभी यात्री गाड़ियों का नियमित परिचालन अपने निर्धारित समयानुसार किया जा रहा है । कोरोनाकाल के दौरान बंद किए गए सभी ट्रेनों का परिचालन शुरू कर दिया गया है । इसके साथ ही यात्रियों की सुविधा एवं मांग को देखते हुए गत वित्तीय से अब तक विभिन्न स्टेशनों में अलग–अलग ट्रेनों के 53 ठहराव दिये गए, जिनमें छोटे–छोटे स्टेशन भी शामिल है । रेल यात्रियों को अधिकाधिक कनफर्म बर्थ/ सीट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु गत वित्तीय वर्ष 2022–23 एवं इस वर्ष के अप्रैल माह से अब तक विभिन्न ट्रेनों में 78 स्थायी रूप से लगाया गया । साथ ही भीड़भाड़, त्योहारों एवं छुट्टियों में 2550 अस्थायी अतिरिक्त कोच लगाए गए ।

इसी प्रकार इस वर्ष के अप्रैल से सितंबर महीने तक रेल विकास कार्यों (नॉन–इंटरलाकिंग) के दौरान प्रतिदिन चलने वाली औसत यात्री गाड़ियों में से महज 1 प्रतिशत से भी कम को कैंसिल किया गया । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में प्रतिदिन औसत 247 मेल/एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन किया जाता है । इन 6 महीनों में 35 दिनों के कार्य के दौरान कुल 28 ट्रेनों को कैंसिल किया गया, जो कि प्रतिदिन चलने वाली गाड़ियों का माज 1 प्रतिशत से भी कम है । अभी हाल ही में सक्ती यार्ड में किए जा रहे कार्य के दौरान रद्द किए गए 7 ट्रेनों को रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए रेलवे द्वारा पुन: परिचालित किया गया । समय के साथ रेल यात्रियों की संख्या व रेलों के माध्यम से परिवहन की जाने वाली आवश्यक वस्तुओं की मात्रा में काफी वृद्धि हो रही है । हमारे देश में परिवहन का सबसे बड़ा और लोकप्रिय माध्यम भारतीय रेल के ऊपर दिन प्रतिदिन यात्री एवं माल यातायात का दबाव बढ़ रहा है । आने वाले दिनों में बढ़ने वाली रेल ट्रैफिक की मांग व जरूरतों को ध्यान में रखकर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में वृहद स्तर बुनियादी संरचना और क्षमता वृद्धि के कार्य निरंतर किए जा रहे है, जिसका लाभ आने वाले दिनों में इस क्षेत्र के निवासियों को निश्चित ही मिलेगा । इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में तेजी से नई रेल लाइन, दोहरीकरण, तिहरीकरण एवं चौथी लाइन के कार्य किए जा रहे है । इन निर्माण कार्यों में केवल नॉन–इंटरलाकिंग कार्य के ही दौरान आवश्यकता होने पर ही कुछ ट्रेनों का परिचालन रद्द, मार्ग परिवर्तित या पुनर्निर्धारित कर कार्य को पूर्ण किया जाता है । वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023–24 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेल

विकास कार्यों (नॉन–इंटरलाकिंग) के दौरान अप्रैल माह में दुर्ग–भिलाई एवं एच केबिन, स्टेशनों में कुल 6 दिनों के कार्य में प्रतिदिन चलने वाली औसत ट्रेनों में से केवल 0.06 प्रतिशत ट्रेनों को कैंसिल किया गया । इसी प्रकार मई माह में रायपुर एवं आरवीएच स्टेशनों के मध्य 2 दिनों के कार्य में प्रतिदिन चलने वाली औसत ट्रेनों में से केवल 0.23 प्रतिशत, जून माह में झारीडीह स्टेशन यार्ड में 2 दिनों के कार्य में प्रतिदिन चलने वाली औसत ट्रेनों में से केवल 0.09 प्रतिशत, जुलाई माह में नैला, गुदमा एवं कांप्टी स्टेशनों में 10 दिनों के कार्य में प्रतिदिन चलने वाली औसत ट्रेनों में से केवल 0.47 प्रतिशत, अगस्त माह में सक्ती एवं जी केबिन स्टेशनों में 6 दिनों के कार्य में प्रतिदिन चलने वाली औसत ट्रेनों में से केवल 0.49 प्रतिशत, सितंबर माह में बधवावारा व कुम्हारी एवं भिलाई स्टेशनों में 9 दिनों के कार्य में केवल 2.23 प्रतिशत ट्रेनों को रद्द किया गया । भविष्य की जरूरतों के लिए बुनियादी संरचना और क्षमता वृद्धि कार्य अत्यावश्यक है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का हमेशा ही प्रयास रहता है कि इन कार्यों के दौरान आवश्यकता पड़ने पर ही कम से कम ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हो ।

सार-संक्षेप

कनकी-पंतोरा मार्ग में बस दुर्घटनाग्रस्त, 6 यात्री घायल

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। कोरबा से रायपुर जा रही यात्री बस उरगा थाना अंतर्गत कनकी-पंतोरा मार्ग पर शनिवार तडक़े 4 बजे अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढक़र दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में 20 यात्री सवार थे जिनमें से 6 यात्री घायल हुए हैं जिनमें से दो को गंभीर चोट आई है। घटना से यात्रियों में हडक़ंप मच गया। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्घटनाग्रस्त बस राधे-कृष्ण कंपनी के चालक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया जा रहा है।

जन्माष्टमी पर गोकुलमय हुआ रविंद्र सांस्कृतिक भवन

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। संकल्प महिला मंडल एचटीपीएस, कोरबा पश्चिम द्वारा जन्माष्टमी पर्व का आयोजन रविंद्र सांस्कृतिक भवन (सीनियर क्लब) में किया गया। विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों ने एक से बढक़र एक कृष्णमयी प्रस्तुतियां दी। विशेष आकर्षण बाल-गोपाल द्वारा प्रस्तुत श्रीकृष्ण की झांकी रही। बाल कलाकारों द्वारा दशावतार, कृष्ण-अर्जुन सखा जैसे नाट्य एवं विभिन्न नृत्यों के माध्यम से कृष्ण लीला की मनोरम प्रस्तुति दी गई एवं सुमधुर भजन गाए गए। मुख्य अभियंता संजय शर्मा ने बच्चों के संग मटकी फोड़ कार्यक्रम में भाग लेकर उत्साहवर्धन किया। आयोजन को सफल बनाने में संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती निहारिका शर्मा के मार्गदर्शन के साथ ही क्लब की सभी उपाध्यक्षाओं श्रीमती अभिलाषा गुप्ता, श्रीमती मिनती स्वेन, श्रीमती कविता पंड्या, सचिव श्रीमती विजया शाह, सह सचिव श्रीमती सरिता राठौर एवं श्रीमती स्मिता करकरे, कोषाध्यक्ष श्रीमती नीता अग्रवाल, खेल सचिव श्रीमती शिवकला कंवर एवं श्रीमती तृष्णा कर्महे का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक सचिव श्रीमती अपर्णा सेवलकर एवं श्रीमती संगीता जैन ने किया।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ का सराहनीय कार्य- महापौर

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आम मतदाताओं को जागरूक करने हेतु दिशा निर्देश का पालन करते हुए मतदाताओं के लिए पंपलेट छपवा कर समाचार पत्रों के माध्यम से वितरण कर सराहनीय कार्य किया है। इससे अधिक से अधिक मतदाता नाम जोडऩे,हटाने, संशोधन करने में मतदाताओं को लाभ मिलेगा। जिला अध्यक्ष विपेंद्र कुमार साहू ने बताया कि मतदाता जागरूकता अभियान के तहत घर-घर तक मतदाता जागरूकता अभियान में एक कड़ी के रूप में कार्य करने हेतु हैंड बिल के माध्यम से कोरबा शहर में अभियान चलाया गया है। अभियान का शुभारंभ महापौर राजकिशोर प्रसाद ने किया। इस अवसर पर बीएन सिंह, जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष श्रीकांत बुधिया, छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद सिन्हा, लक्ष्मी राठौर,जय नेताम, रामा सिंह, तपेश्वर राठौर,अनिल गिरी, रायसिंह, राजकुमार पटेल, बंटी कश्यप, कृष्णा निर्मलकर,दिलबाग सिंह, दिलीप यादव, विल्सन लाल, हर्ष नेताम , सुदीश गिरी, गोविंद देवांगन, सुनील साहू, बजरंग यादव, ओंकार, दीपक आदि उपस्थित थे।

पावर सिटी ने आयोजित की कृष्ण-राधा बनो प्रतियोगिता

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। रोटरी क्लब ऑफ पावरसिटी जमनीपाली के द्वारा पहली बार दर्री जमनीपाली क्षेत्र के बच्चों के लिए कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। तीन केटेगरी में कृष्ण-राधा बनो प्रतियोगिता में बच्चों ने वेशभूषा धारण कर अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेश अग्रवाल (प्रगति केमिकल), विशिष्ट अतिथि दशरथ शर्मा एवं डीडी अग्रवाल थे। निर्णायक श्रीमती शशि देशमुख एवं श्रीमती ज्योति शर्मा थीं। तीनों केटेगरी में पहले केटेगरी में प्रथम मिशिका गुप्ता, द्वितीय कविश अग्रवाल, तृतीय खुशी अग्रवाल, दूसरी केटेगरी में प्रथम शिवांश पांडे, द्वितीय अनाया साहू, तृतीया स्वरा अग्रवाल और तीसरे केटेगरी में प्रथम रुद्राक्ष पाण्डेय, द्वितीय मान्या अग्रवाल, तृतीय स्थान में आराध्या शर्मा आई।

कृष्ण कुंज में मनाया जन्माष्टमी उत्सव

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। वनमंडल अधिकारी कटघोरा के निर्देशानुसार शासन की महत्वाकांक्षी योजना कृष्ण कुंज दीपका में कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी प्रकार बालको टाउनशिप हायर सेकेंडरी विद्यालय में जन्माष्टमी का धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यालय के नन्हें-मुन्ने बच्चों ने अद्भुत झांकियां, नृत्य, मटकी फोड़ कर प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने अपने प्रदर्शन में भगवान श्री कृष्ण के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं का सुन्दर और मनमोहक प्रस्तुति दी।

हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत में 5360 प्रकरणों का निराकरण

आपसी राजीनामा से निपटाए गए वर्षों पुराने लंबित मामले

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला एवं तहसील स्तर पर नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

दीप प्रज्वलन तथा नालसा थीम सांग न्याय सबके लिये के साथ नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। कुल 9072 प्रकरण रखे गये थे, जिसमें न्यायालयों में लंबित प्रकरण 2010 एवं प्री-लिटिगेशन के 7062 प्रकरण थे। राजस्व मामलों के प्रकरण, प्री-लिटिगेशन प्रकरण तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के कुल प्रकरणों सहित 5360 प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत में समझौते के आधार पर हुआ।

बेसहारा बुजर्ग दंपत्ति को मिला न्याय

सत्र न्यायाधीश/मोटरयान दुर्घटना दावा अधिकरण के समक्ष बेसहारा बुजुर्ग दंपत्ति को न्याय मिला। घटना दिनांक 28.6.2021 को आवेदक की पत्नी केसरी बाई अपने ग्राम के अन्य लोगों के साथ वाहन पिकअप क्रमांक सीजी 12 ए.जेड. 6766 में सवार होकर ग्राम महाराजगंज जा रही थी कि उसी समय धरमजयगढ से पत्थलगांव की ओर जा रही वाहन ट्रक क्रमांक सीजी 4 एम.ए. 2717 का चाहक वाहन को तेजी एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए खडे पिकअप को एक्सीडेंट कर दिया। आवेदक की पत्नी की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो जाने के कारण आवेदकगणों के द्वारा क्षति रकम प्राप्त करने हेतु, अनावेदक के विरूद्ध मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 166 के अंतर्गत न्यायालय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया था। मृतका अकेले मजदूरी कर लगभग दस हजार मासिक आय से घर चलाती थी, ऐसे में परिवारजनों के लिये जीवन यापन करना अत्यंत कठिन हो चला था। प्रकरण में आावेदकगण एवं अनावेदक (बीमा कंपनी) ने हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत में संयुक्त रूप से समझौता कर आवेदकगणों ने 7 लाख 1 हजार रुपये बिना किसी डर-दबाव के राजीनामा किया व 3 दिवस के भीतर अदा किए जाने का निर्देश दिया गया।

पति-पत्नी का विवाद हुआ समाप्त

कुटुंब न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण में आवेदक एवं अनावेदक का वर्ष 28.6.218 में हिन्दू रिति-रिवाज से विवाह हुआ था। विवाह के 5 माह बाद से ही आपसी सांमजस्य की कमी व दहेज को लेकर क्रूर व्यवहार, आए दिन शराब के नशे में गाली-गलौच कर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। विवाद इतना बढ़ गया कि अनावेदक आवेदिका को जबरन उसके मायके छोड़ कर चला आया। आवेदिका द्वारा अनावेदक को कई बार फोन भी किया गया परंतु अनावेदक द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखाई गई। ऐसे में विपरित परिस्थितियों से तंग आकर आवेदिका ने न्यायालय के समक्ष भरण पोषण राशि दिलाए जाने एवं अनावेदक के विरूद्ध धारा 9 हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 वास्ते दांपत्य संबंधों के पुर्नस्थापना बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया। हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत में आवेदक एवं आवेदिका को साथ रह कर आपसी सामंजस्य के साथ जीवन जीने की समझाईश दी गई, जिसे स्वीकार कर अपने एवं अपने कुटुम्ब के भविष्य हेतु राजीनामा के आधार पर सुखपूर्वक एवं खुशहाल जीवन यापन हेतु बिना डर एवं दबाव के समझौता किया।

सालों से चल रहे जमीन विवाद का निराकरण

आवेदक के द्वारा दिनांक 2.12.222 को प्रतिवादी के विरूद्ध संविदा के विशिष्ट अनुपालन एवं स्थायी निषेधाज्ञा हेतु ग्राम कुकरीचोली भैसमा तहसील एवं जिला कोरबा में स्थित कुल 13 एकड़ वादभूमि किमती 19,5 रूपए का न्यायालय में दावा पेश किया गया। उक्त विवाद में आवेदक को प्रतिवादी के द्वारा 13,5 रूपए बिक्री इकरारनामा के अनुसार नगद भुगतान कर दिया गया तथा शेष 6 रूपए का उक्त भूमि के पंजीकृत रजिस्ट्री के समय प्रतिवादी के द्वारा और भुगतान किए जाने का सौदा हुआ था, जिसे प्रतिवादी के द्वारा लंबे समय से नहीं दिया जा रहा था। नेशनल लोक अदालत में उभयपक्ष ने समझौते से स्वेच्छापूर्वक राजीनामा किया। वादी द्वारा प्रतिवादी को इकरारनामा अनुसार 6/- रूपए वादभूमि की रजिस्ट्री के समय दिए जाने तथा प्रतिवादी द्वारा वादभूमि को पंजीकृत विक्रय पत्र निष्पादित किए जाने हेतु आवश्यक एवं अनिवार्य रूप से वादी को 1 माह के भीतर उपलब्ध कराए जाने तथा वादभूमि के पंजीयन के पश्चात् वादभूमि के नामांतरण कार्यवाही में सहयोग करने हेतु राजीनामा किया गया।

कूटरचना से प्राप्त 12 लाख की राशि पीड़ित को वापस

धारा 374 दा.प्र.सं. के प्रकरण में अपीलार्थी उत्तरवादी को अपने व्यवसायिक कार्यों के कारण जानता पहचानता था, अपीलार्थी बीमा का कार्य करता था और घर आना-जाना था। इसी बीच अपीलार्थी को 5 रूपए की आवश्यकता हुई तब उत्तरवादी से 5 प्रतिशत मासिक व्याज पर प्राप्त किए थे और बदले में एक्सीस बैंक शाखा कोरबा का एक चेक में कोरा हस्ताक्षर करा लिया। उधार राशि ब्याज सहित वापस कर चेक वापस मांगा तब उक्त चेक पर चाय गिर जाने के कारण चेक खराब होने से फाड़ कर फेंकना बताया। दूसरी तरफ उक्त चेक में कूटरचना करते हुए 12 लाख रूपए भरकर बैंक में भुगतान प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत किया जो अपर्याप्त निधि के कारण अनादरित हो गया। इसकी सूचना अपीलार्थी को होने से अधीनस्थ न्यायालय के द्वारा अपीलार्थी को दोष सिद्ध करते हुए 12,5 रूपए के प्रतिकर एवं 6 माह के कारावास के दंड से दंडित करने का दंडादेश दिया गया। इससे क्षुब्ध होकर न्यायालय के समक्ष अपील प्रस्तुत किया गया। उक्त प्रकरण के कारण अपीलार्थी को बेवजह आर्थिक एवं मानसिक क्षति का सामना करना पड़ रहा था।

अपीलार्थी एवं उत्तरवादी ने हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत में समझौता कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। उत्तरवादी ने अपनी गलती मान अपीलार्थी को उसके 12 लाख रूपए लौटाने हेतु बिना किसी डर-दबाव के राजीनामा किया व 3 दिवस के भीतर अदा किए जाने का निर्देश दिया गया।

ऊर्जाधानी भू-विस्थापित समिति की आमसभा आज

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। ऊर्जाधानी भू-विस्थापित कल्याण समिति की आम सभा का आयोजन 10 सितंबर को कार्यालय नरईबोध में रखा गया है। समिति के अध्यक्ष सपूरन कुलदीप ने बताया कि संस्था का पंजीयन क्रमांक 31610, दिनांक 3.12.2016 की नवीन कार्यकारिणी का चुनाव अपरिहार्य कारणों से नहीं हो सका है। इसके लिए 10 सितंबर 2023 को विधिवत आमसभा किया जाकर नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन किया जाना प्रस्तावित है। संस्था की आमसभा कर नवीन कार्यकारिणी का चुनाव कराने के संबंध में पंजीयक, फर्म्स एवं सोसायटी बिलासपुर को पत्र लिखा जा चुका है। पंजीयक को यह भी बताया गया है कि संस्था के उपाध्यक्ष एवं एक अन्य को उनके संस्था विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित किया गया है। यदि उनके द्वारा किसी तरह की शिकायत की जाती है तो उस पर संज्ञान न लिया जाए ताकि संस्था अपनी आमसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से कर सकें। अध्यक्ष सपूरन कुलदीप ने बताया कि संस्था की आमसभा व नवीन कार्यकारिणी का चुनाव के संबंध में कोर कमेटी के सभी सदस्यों से भी मार्गदर्शन लिया गया है। यह निश्चित किया गया है कि 10 सितंबर को सुबह 11 बजे से नरईबोध कार्यालय में होने वाली साधारण सभा बैठक में केवल वहीं शामिल होंगे जिन्होंने ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति की सदस्यता ग्रहण की हो। उन्होंने बताया कि समिति से निष्कासित किए गए कुछ लोगों के द्वारा संगठन विरोधी गतिविधियां की जा रही है और ऐसे लोगों की भ्रामक जानकारियों से सावधान रहने की जरूरत है ताकि भू-विस्थापितों के हक की लड़ाई पूरी एकजुटता और ताकत के साथ लड़ी जा सके।

भू-विस्थापितों की आर्थिक नाकाबंदी कल

- मशाल जुलूस निकालकर दिखाई एकजुटता
- रोजगार व पुनर्वास के मुद्दे पर एसईसीएल के विरूद्ध बड़ा आंदोलन

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। रोजगार और पुनर्वास से जुड़ी मांगों पर छत्तीसगढ़ किसान सभा के नेतृत्व में कोरबा जिले में भू-विस्थापितों के बीच सक्रिय संगठन लामबंद हो गए हैं। उन्होंने 11 सितम्बर को रेल और सडक़ मार्ग से होने वाली कोयला ढुलाई को रोककर आर्थिक नाकाबंदी करने की घोषणा की है। इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए एसईसीएल कुसमुंडा महाप्रबंधक कार्यालय के सामने से मशाल जुलूस निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में भू-विस्थापित शामिल हुए। मशाल जुलूस के माध्यम से भू-विस्थापितों ने एकजुटता प्रदर्शन किया।

आंदोलन को सफल बनाने के लिए आंदोलनकारी टोलियां बनाकर अनाज संग्रहण के जरिये भी ग्रामीणों से समर्थन मांग रहे है। भू-विस्थापितों के छोटे-बड़े सभी संगठनों के एकजुट होने का असर ग्रामीणों पर भी देखने को मिल रहा है। 11 सितम्बर को बड़ी संख्या में उनके सडक़ों पर उतरने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि बरसों पुराने भूमि अधिग्रहण के बदले लंबित रोजगार प्रकरणों का निपटारा करने, मुआवजा, पूर्व में अधिग्रहित जमीन की वापसी, प्रभावित गांव के बेरोजगारों को खदान में काम देने, महिलाओं को स्वरोजगार तथा पुनर्वास गांव में बसे भू-विस्थापितों को काबिज भूमि का पट्टा देने आदि मांगों को लेकर अपने-अपने ढंग से लड़ाई लड़ रहे थे। छत्तीसगढ़ किसान सभा ने उनको एकजुट करने की पहलकदमी की है। छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू-विस्थापितों के संगठनों ने कहा है कि उनका आंदोलन तभी खत्म होगा, जब एसईसीएल प्रबंधन रोजगार, मुआवजा, बसावट, पट्टा और जमीन वापसी के सवाल पर उनके पक्ष में निर्णायक फैसला करेगा।

मानिकपुरी पनिका समाज का चुनाव आज

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। मानिकपुरी पनिका समाज, जिला कोरबा का सामाजिक चुनाव 10 सितंबर को जूनियर क्लब कोरबा में संपन्न होगा। इसकी सभी तैयारी पूरी की जा चुकी है और सभी ब्लॉक अध्यक्षों को निर्देशित कर दिया गया है कि अपने क्षेत्र के समस्त मतदाताओं के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें जिससे चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराया जा सके।

प्रेस क्लब तिलक भवन में पत्रवार्ता आहूत कर कार्यवाही जिलाध्यक्ष दिलहरण दास ने बताया कि उक्त चुनाव में जिला अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष हेतु सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चुनाव की प्रक्रिया की जायेगी। पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश दास के दिवंगत होपे उपरांत उपाध्यक्ष दिलहरण दास को सर्वसम्मति से कार्यवाहक जिला अध्यक्ष बनाया गया। अपने सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए दिलहरण दास द्वारा समाज के बायलॉज के अनुसार जिले व ब्लॉक के सभी पदाधिकारियों के सहयोग से उक्त चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराया जा रहा है जिससे समाज को योग्य प्रतिनिधियों की टीम प्राप्त हो और समाज का विकास हो। दिलहरण दास ने समाज के सभी लोगों से चुनाव में सम्मिलित होने की अपील की है। प्रेस वार्ता में कार्यवाहक जिला उपाध्यक्ष मोहर दास, मुख्य चुनाव अधिकारी भेष दास महंत, संरक्षक लक्ष्मण मंहत, कोरबा ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष सन्तोष दास, सहायक चुनाव अधिकारी रवि मानिकपुरी, एनडी मंहत, लक्ष्मण मंहत, सुनिल मानिकपुरी, अतुल दास, पवन दास, कृष्णा दास, द्वारिका दास, संजय मानिकपुरी, जगदीश दीवान आदि उपस्थित रहे।

संगठन महामंत्री पहुंचे प्रत्याशी लखन के निवास

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल कोरबा जिले के दौरे पर रहे। कोरबा विधानसभा भाजपा की कोर कमेटी समन्वय समिति की बैठक एवं रायगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन एवं विशाल आम जनसभा को लेकर उन्होंने बैठक ली। श्री जामवाल ने विधानसभा कोर कमेटी को कोरबा विधानसभा सीट से प्रत्याशी लखन लाल देवांगन को अधिक मतों से विजयी बनाने मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर संगठन प्रभारी श्याम बिहारी जायसवाल, सह प्रभारी गोपाल साहू, जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, लखन लाल देवांगन, प्रदेश कार्य समिति सदस्य विकास महतो, जिला महामंत्री संतोष देवांगन, टिकेश्वर राठिया, जिला उपाध्यक्ष और कोरबा विधानसभा संयोजक डॉ.आलोक सिंह, समन्वय समिति के सदस्य और प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद अजय जामवाल, प्रत्याशी लखन लाल देवांगन के निवास चारपारा कोहडिया पहुंचे। यहां श्री देवांगन एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रामकुमारी ने श्री जामवाल का श्रीफल एवं शॉल भेंटकर स्वागत किया। उनके साथ आए पदाधिकारियों का भी स्वागत-सम्मान किया गया।

समाज के विकास को लेकर कांग्रेस तत्पर

गुरुबालक दास की जयंती पर हुए विविध आयोजन

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। कोरबा सतनामी कल्याण समिति द्वारा 6 सितंबर को राजा गुरुबालक दास का जयंती समारोह सतनाम प्रांगण में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री थे व कार्यक्रम की अध्यक्षता सतनामी कल्याण समिति के अध्यक्ष यूआर महिलांगे ने की। विशिष्ट अतिथि महापौर राजकिशोर प्रसाद, राजेश आदिले सहायक श्रम आयुक्त कोरबा, पीएल आदिले प्राचार्य जयबूढ़ा देव कला एवं विज्ञान कॉलेज कटघोरा थे।

मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज के विकास को लेकर तत्पर है। मंगल भवन से लेकर सभी समाज का भवन निर्माण कार्य पूरा किया गया है। समाज के जो भी कार्य बाकी है उन्हें जल्द पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में बालिका पंथी पार्टी राताखार द्वारा प्रस्तुति दी गई। विजय दिवाकर, जीएल बंजारे, सत्येंद्र डहरिया, अनिकेत पाटले, विनोद डहरिया, धर्मेंद्र कोसले, रिंकू आदिले ,विजय आदिल, रामचंद्र पाटले, दया बघेल, नारायण लाल कुर्रे, आरडी भारद्वाज, रामगोपाल कुर्रे, रवि खूटे, जयराम बंजारे, राज महंत संत दिवाकर, सुमन खांडे, पुष्पेंद्र राते, लक्ष्य चतुर्वेदी, मीडिया प्रभारी नरेन्द्र कुमार रात्रे आदि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन समिति के सचिव जीएल बंजारे और आभार प्रर्दशन पूर्व उपाध्यक्ष नारायणलाल कुर्रे ने किया।

डीजे के साथ निकाली गई बाइक रैली

मंचीय कार्यक्रम के पूर्व दर्री जोन से डीजे के साथ बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली सीएसईबी चौक से होते हुए बुधवारी से कोसाबाड़ी और यहाँ से घंटाघर चौक होते हुए गुरु घासीदास चौक से टीपी नगर चौक होते हुए कार्यक्रम स्थल सतनाम प्रांगण पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा में एसआर अंचल, मिथिलेश डहरिया, हरदास कोरिया, दिनेश कुर्रे, एसआर भारती, संभू कुर्रे, सोनू जांगड़े, ओमप्रकाश निराला, भीखमचंद डहरिया, विनोद दिवाकर, ईश्वर पाटले, परसराम मधुकर, छेदीलाल जाटवाल, अखिलेश बंजारे, राजा बंजारे के साथ ही महिलाएं व बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आयुष मेडिकल एसोसिएशन का चिकित्सक सम्मेलन आज

कोरबा, 09 सितंबर (देशबन्धु)। आयुष मेडिकल एसोसिएशन का चिकित्सक सम्मेलन 10 सितंबर को मध्यान्ह 1 बजे से होटल ब्लू डायमंड में आयुष मेडिकल एसोसिएशन एवं वाल्टीन हेल्थ केयर दिल्ली संयुक्त तत्वाधान में मष्तिष्कगत रोग अवसाद, तनाव (डिप्रेशन, टेंशन) पर विशेष संभाषा परिषद के रूप में आयोजित है। हेल्थ, वेल्थ एंड हैप्पीनेस के लिये माइंड मास्टरी प्रोग्राम पर मास्टर माइंड कोच, मोटिवेशनल स्पीकर इंडियन नेवी मुंबई से सेवानिवृत्त विनय साव विशेष व्याख्यान देंगे। जिले के सभी बी.ए.एम.एस. चिकित्सक सदस्यों के अलावा वाल्टीन हेल्थ केयर दिल्ली के रीजनल सेल्स मैनेजर सूरज प्रताप सिंह, एरिया मैनेजर गगन सिंह एवं मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव लक्ष्मी कश्यप उपस्थित रहेंगे।

शहर में पसरी गंदगी, हाईकोर्ट के निर्देशों का नहीं हो रहा पालन

रायगढ़ 09 सितंबर (देशबन्धु)। सावित्री नगर स्थित मीना बाजार के आसपास बीते दस दिनों से दिन व रात गाड़ियों की रेलमपेल व भीड़ से सड़क जाम के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नही चाहे बीमार आदमी हो चाहे कोई इमरजेंसी काम हो उसके लिये भी वहां रास्ता मिलता ही नही है। प्रशासन ने कुछ नियमावली बनाकर मीना बाजार संचालक को अनुमति भी दे दी। स्थानीय पार्षद के साथ कुछ लोगों ने यहां की परेशानी को देखते हुए मामले को हाईकोर्ट तक पहुंचाया। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने यथास्थिति बनाये रखने के लिये आदेश दिए हैं। बीते एक माह से मीना बाजार के संचालक द्वारा कुछ चाटूकारों की टीम के साथ मिलकर बकायदा रोज नियमों को तोड़ा जाता है और इतना ही नही हाईकोर्ट के आदेशों को दरकिनार करते हुए अपनी दुकानदारी जमाने के लिये लगा है।

रायगढ़ का जन्माष्टमी त्यौहार छत्तीसगढ़ ही नही बल्कि अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से सबसे बड़ा त्यौहार है और यहां की जन्माष्टमी देखने दुरस्त अंचलों से लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है लेकिन बदलते वक्त ने शहर के चैड़ी सड़कों व गलियों को संकरा कर दिया है और कभी ट्रैफिक के लिये सक्रिय पुलिस विभाग की टीम सड़कों पर लगे जाम के लिये गंभीर होती थी लेकिन अब शहर के बाहरी इलाकों में वसूली करत ट्रैफिक के जवान इस ओर ध्यान नही देते और ठीक यही बात सावित्री नगर में लगे मीना बाजार में भी दिखती है, जहां पुलिस का कोई सिपाही तो दूर नगर निगम का कोई भी कर्मचारी आसपास नही भटकता। चारो तरफ फैली गंदगी दिन व रात जाम से जद्दोजहद करते लोग यहां की पहचान बन चुकी है। बावजूद इसके प्रशासन ने बकायदा इसके संचालन की अनुमति दे दी है और हाईकोर्ट ने भी कई बिंदुओं का पालन करने के दिशा निर्देश दिये थे पर पैसों के आगे आज वहां टूटते नियमों का देखना तो दूर कार्रवाई के लिये एक लाइन तक नही लिखी जा रही है।

बेजाकब्जा से रास्ता हो गया बंद

मीना बाजार के आसपास तेजी से कुछ लोगों के द्वारा अपनी दुकानदारी जमा दी है। सड़क पर लगी दुकानदारी बेजा कब्जा का ऐसा उदाहरण है जिसका देखकर नगर निगम प्रशासन ने आंख बंद कर ली है। इतना ही नही चारो तरफ फैली गंदगी, डेंगू, महामारी के साथ-साथ अन्य बीमारियों को खुला आमंत्रण दे रही है। लेकिन यहां भी दृष्टराष्ट्र बने निगम के जिम्मेदार अधिकारी कोई ध्यान नही दे रहे हैं। स्थिति यह है कि सावित्री नगर से कालोनियों की तरफ जाने वाला रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है और मीना बाजार के संचालन के समय तो यहां पैदल जाना भी दुभर हो जाता है। इसके लिये भी बकायदा हाईकोर्ट ने दिशा निर्देश दिये थे। पर वो आदेश रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया है।

शहर में घंटों लगता है जाम

रायगढ़ शहर की किसी भी सड़क में आज जाम की स्थिति अगर देखने को मिलती है तो यह कोई नही बात नही हैं चूंकि शहर के चैक-चैराहों से टेउफिक के जवान नदारद रहते हैं और वे अपने दल-बल के साथ शहर की सीमा से लगे बाहरी इलाकों में बकायदा मुस्तैदी से ग्रामीणों व वाहन चालकों से वसूली करते नजर आते हैं। स्थिति यह रहती है कि शहर के हर चैक-चैराहों में जाम के कारण लोग हलाकान रहते हैं और अपनी रोजी रोटी के लिये जद्दोजहद करते लोग इस जाम के कारण खासा नुकसान भी उठाते हैं। अगर कोई बीमार आदमी अस्पताल पहुंचना चाहे तो भगवान भरोसे ही उसे छोड़ दिया जाता है। ऐसा नही है लगातार हो रहे जाम की जानकारी जिले के पुलिस अधीक्षक, जिला कलेक्टर या अन्य जिम्मेदार अधिकारी को नही है पर उन्हें अब शायद इस शहर की समस्या से कोई लेना देना नही है। भगवान भरोसे जनता जाम में फंसकर उस वक्त को कोसती है जब वे साफ-सुथरी सड़कों तथा स्वच्छ शहर के नारों को दीवारों में पड़ती है।

जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी, कचरे के ढेर में बैठा है शहर

सांस्कृतिक नगरी रायगढ़ में अब समस्या को लेकर कोई आवाज नही उठाई जाती चूंकि यहां विज्ञप्ति छाप नेता केवल कागजों में ही सक्रियता दिखाकर जनता को सपना दिखाते हैं। हकीकत से कोसो दूर बजबजाती नालियां, बदहाल शहर और रोजाना गुल होती बिजली तथा खड्डों से भरी सड़क के साथ-साथ गंदगी के ढेर पर कोई नेता अधिकारियों की नींद खोलने में सफल नही हो पा रहा है। स्थिति यह है कि चंद सिक्कों के आगे घुटने टेकने वाले कलमकार भी एक दूसरे की टांग खींचने में व्यस्त हैं ऐसा लगता है कि अब इस शहर में जो हो रहा है उसे आंख मूंदकर सही मान लेने में ही उनकी भलाई है। देखना यह है कि आने वाले चुनाव में वादों को लेकर जनता के बीच जनता के बीच जाने वाले नेता और कितना इस शहर को बर्बाद करेंगे।

सार-संक्षेप

मप्र के दो शराब तस्करों को पुलिस ने पकड़ा, 37 पेटी जब्त

चिरमिरी 09 सितंबर (देशबन्धु)। अवैध शराब का परिवहन करने वालों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने दो अलग-अलग मामले में 37 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। थाना प्रभारी खड़गवां विजय सिंह ने बताया की पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा अंकित गर्ग के द्वारा रेंज के द्वारा समस्त पुलिस अधीक्षको को अवैध गांजा, शराब, सटटा, जुआ, कबाड़ पर कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया है। मुखबिर से सूचना मिली की ग्राम दुल्लापुर थाना पसान का रहने वाला बाबू सिंह भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बेचने के फिराक में है। पुलिस ने टीम बनाकर उसके कब्जे से 23 पेटी शराब जब्त किया है। इसी तरह बीते 05 सितम्बर को मुखबिर से सूचना मिली कि मध्यप्रदेश की अंग्रेजी शराब एम पी पासिंग की गाड़ी से तस्करी के लिए आ रही है। पुलिस ने गाड़ी में 14 पेटी और कार को जब्त किया है। इस मामले में आरोपी रमाकांत तिवारी उर्फ राहुल पिता मनोज तिवारी उम्र 22 साल निवासी हरदी थाना सिंहपुर जिला शहडोल मध्यप्रदेश को हिरासत में लिया गया है।

दूरस्थ तथा महामारी संभावित ग्रामों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अंबिकापुर 09 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार के निर्देशानुसार वर्षा ऋतु के मौसम में दूरस्थ, दुर्गम तथा महामारी प्रभावित ग्रामों में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि विकासखण्ड उदयपुर के ग्राम पंचायत पूटा के दुर्गम ग्राम गौरैयाडोल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 31 मरीजों में उच्च रक्तचाप (बी.पी.), मधुमेह, त्वचा संबंधित रोग, सर्दी, खांसी, मलेरिया इत्यादि बीमारियों की जांच की गई तथा हितग्राहियों को औषधि वितरण किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, सेक्टर सुपरवाईजर ए.एन.एम एवं मितानिन उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि माह अगस्त से जिला स्तर पर कुल 75 शिविरों का आयोजन किया जा चुका है जिसमे 2500 से ज्यादा हितग्राहियों को जांच कर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदाय की गई है।

जिला प्रशासन ने मेडिकल दुकानों का किया निरीक्षण

अंबिकापुर 09 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार के निर्देश पर एक युद्ध नशे के विरूद्ध के तहत, नारकोटिक औषधियों के दुरूपयोग मद्देनजर जिला प्रशासन तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग अंबिकापुर संयुक्त टीम द्वारा शुक्रवार को मेसर्स निशांत मेडिकोज, देवीगंज रोड एवं मेसर्स दिशा मेडिकल, महामाया मंदिर चौक का औचक निरीक्षण किया गया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के सहायक औषधि नियंत्रक ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मेसर्स निशांत मेडिकोज के रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट उपस्थित रहे एवं नारकोटिक औषधियों का क्रय-विक्रय रिकार्ड मौके पर दिखाया गया एवं सही पाया गया। इसी तरह मेसर्स दिशा मेडिकल के निरीक्षण दौरान रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट अनुपस्थित पाए गए। रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट के स्थान पर अन्य व्यक्ति कार्य करते हुए पाए निरीक्षण के दौरान फर्म में नारकोटिक औषधियां पाई गई, जिनका क्रय-विक्रय बिल एवं चिकित्सक की पर्ची की छायाप्रति मागे जाने पर उपलब्ध नहीं कराया गया। उपरोक्त आधार पर संयुक्त टीम द्वारा फर्म पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया है।

बैकुंठपुर इंदिरा पार्क की बदहाली को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने कलेक्टर को लिखा पत्र

कोरिया 09 सितंबर (देशबन्धु)। शहर वासियों द्वारा बार बार मांग किये जाने के बाद भी इंदिरा पार्क को संवारने की दिशा में काम नहीं किया जा रहा है। पार्क की समस्या को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने बैकुंठपुर एवं कलेक्टर कोरिया को पत्र लिखकर मांग की है कि पूर्व में इंदिरा पार्क के अंदर पार्क की खूबसूरती बढ़ाने के लिए प्रतिमाएं लगाई गई थी,जिसमे से कई जगह पर लगे हुई प्रतिमाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं, नगर पालिका परिषद के द्वारा पार्क में घूमने के लिए एक निश्चित फीस भी नगर पालिका प्रशासन द्वारा आम जनों से लिया जाता है। किंतु इसके विकास पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने बताया कि शहर के बड़े-बुर्जुग इस पार्क में सुबह शाम टहलने जाते हैं। इस पार्क से जनभावना जुड़ी हुई है,जनहित में इसे संवारने की सख्त जरूरत है।

सफाई कर्मियों ने दो सूत्रीय मांगों को लेकर निगम का किया घेराव

रायगढ़ 09 सितंबर (देशबन्धु)। नगर निगम रायगढ़ मे आज कल कुछ ठीक ठाक नहीं चल रहा है पहले घर-घर कचरा उठाने वाली दीदियों ने अपनी मांग को लेकर हड़ताल पर गई थी वहीं भाजपा के पार्षदों ने नगर सरकार को कई मुद्दों पर घेरते हुए नगर निगम का घेराव भी किया था वहीं राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय भी बना हुआ था कि एक बार पहले भी नगर सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ चुकी भाजपा दूसरी बार अपनी पूरी ताकत के साथ महापौर के खिलाफ अविश्वास पत्र लेकर आने वाली है वही अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर नगर निगम क्षेत्र के 360 ठेका सफाई कर्मचारीयों नेनगर निगम मुख्य गेट के सामने अपनी दो समस्याओं को लेकर नारे बाजी की और उन्होंने अल्टीमेटम दिया कि अगर हमारी मांगे पूरी नहीं की गई तो हम सफाई कर्मचारी सोमवार से हड़ताल पर चले जाएंगे।

मांग पूरी न हुई तो 12 से हड़ताल

काफी लंबे समय से सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर दर दर की ठोकरे खा रहे, फिर भी अभी तक किसी भी प्रकार की मंजुरी नहीं मिली है एक बार फिर सारे सफाई कर्मचारी सैकड़ो की संख्या में नगर निगम पहुंचे जहां उन्होंने बताया कि परिस्थिति कोई भी हो हम सभी कर्मचारी अपनी ड्यूटी बखूबी तरीके से निभाते आ रहे हैं इसके बावजूद भी हमारी नियति कारण एवं वेतन में बढ़ोतरी नहीं की जा रही है जिसको लेकर कई बार शासन प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं पर अभी तक किसी भी प्रकार की निराकरण नहीं किया गया है यदि हमारी मांगे पूरी न हुई तो 12 तारीख से सभी सफाई कर्मचारीयों द्वारा हड़ताल किया जाएगा।

आवारा कुत्तों के आतंक से त्रस्त शहरवासी

रायगढ़ 09 सितंबर (देशबन्धु)। शहर में आवारा कुत्तों की संख्या काफी बढ़ चुकी है। इन कुत्तों के द्वारा बच्चो और बड़ों को काटने की शिकायते भी काफी आ रही है। जिससे जाहिर तौर पर शहर या उससे लगे ग्रामीण क्षेत्रों में रेबीज से पीड़ित लोगों की मौतें भी हुई होंगी।

हमारे पास शहर में हुई मौतों का आंकड़ा नहीं है। परंतु हाल के एक दिन समाचार संकलन के लिए जिला अस्पताल जाना हुआ तो देखा गया की एक से डेढ़ घंटे मके अंदर पांच ऐसे लोग अस्पताल आए,जिन्हे आवारा कुत्तों ने बुरी तरह से काटा था। इनमे तीन बच्चे शामिल थे। इधर जानकारों की मानें तो जलवायु परिवर्तन की वजह से बीते दो तीन सालों में कुत्तों का मेटिंग पीरियड भी समय से पहले आना और लंबा होने लगा है। जिसकी वजह से इनकी संख्या भी काफी बढ़ रही है। मौसम में बदलाव की वजह से कुत्ते ज्यादा आक्रामक हो चुके है और आये दिन उन्हें चैक चैराहों में इकट्ठे होकर लड़ते तथा एक दूसरों को काटते हुए देखा जा रहा है। ऐसी स्थिति में आक्रामक हो चुके ये स्वान रास्ते में चलने वाले लोगों के लिये भी बड़ा खतरा हैं जिन पर कारगर नियंत्रण की जरूरत है। नगर निगम प्रशासन को ऐसे आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण करने के लिये कारगर कार्रवाई की जरूरत है। अत: समय रहते रायगढ़ निगम क्षेत्र के अंदर आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर उचित तरीके से नियंत्रण किया जाना जरूरी है।

सांड ने मचाया आतंक, स्कूली बच्चियां हुई घायल

कार्मल स्कूल के सामने शुक्रवार की दोपहर 2 सांड अचानक लडने लगे और इस दौरान रास्ते से गुजर रहे स्कूल से निकलने वाले कुछ छात्राओं को भी घायल कर दिया। इस घटना में 1 लड़की को बहुत चोटे आई है। जबकि अन्य बच्चियां भी घायल हुई है। आज बहुत बड़ा हादसा होते होते बच गया,आज किसी न किसी बच्चे की जान इन सांड की लड़ाई में जा सकती थी,बच्ची को हॉस्पिटल लेके गए है, उसे काफी चोट लगी है। शहर में इन दिनों लड़ने वाले सांडों का आतंक भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इन पर नियंत्रण लगाने के लिये निगम प्रशासन को सार्थक पहल करनी चाहिए।

कांग्रेस के संकल्प शिविर में नहीं पहुंच सके बड़े नेता

चिरमिरी 09 सितंबर (देशबन्धु)। आज कांग्रेस का विधान सभा स्तरीय एक दिवसीय संकल्प शिविर का आयोजन डोमनहिल ग्राउंड में किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से कुमारी सैलजा, प्रभारी महासचिव एआईसीसी, टी.एस. सिंहदेव उप मुख्यमंत्री , दीपक बैज,अध्यक्ष पीसीसी, डॉ. चरणदास महत अध्यक्ष विधानसभा,मोहन मरकाम प्रभारी मंत्री,राजेश तिवारी, सचिव एआईसीसी, ज्योत्सना महंत सांसद को शामिल होना था। किंतु वे खराब मौसम के कारण नहीं आ सके। विधायक गुलाब कमरों ने एक दिवसीय शिविर की कमाल संभाली और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनाना है। उन्होंने पार्टी के सभी पदाधिकारियों को चुनाव के लिए संकल्पित होकर काम करने की शपथ दिलाई। इस दौरान सभी बूथ,सेक्टर एवं जोन के पदाधिकारियों ने पार्टी की रीती निति पर काम करने की दिशा में चर्चा भी की गई। इस शिविर में विधायक मनेंद्रगढ़ डॉक्टर विनय जायसवाल, जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, महापौर कंचन जायसवाल, रमेश सिंह,पूर्व महापौर डमरू रेड्डी,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार केशरवानी सहित ब्लाक, युथ, महिला, सेवा दल, नगर पालिक निगम चिरमिरी के निर्वाचित पार्षद,एल्डरमैन , सुभाष कश्यप ब्लाक अध्यक्ष चिरमिरी,विधायक प्रतिनिधि शिवांश जैन,विनय उपाध्याय सहित निगम पार्षदगण, मनोनीत पार्षद गण, सहित ब्लाक कांग्रेस चिरमिरी के साथ सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मारपीट करने वालों ने घर में जड़ दिया ताला

रायगढ़ 09 सितंबर (देशबन्धु)। विनोबानगर बोईरदादर निवासी एक परिवार के साथ आधी रात को कुछ लोगों द्वारा जबरन घर में घुसकर महिलाओं के साथ मारपीट कर घर मे ताला जड़ दीया गया , इसको लेकर पीड़ित परिवार आज कलेक्टर के पास अपनी फरियाद लेकर पहुंची।

पीड़ित परिवार के लोग ने अपनी समस्या को लेकर कलेक्टर के पास पहुंचे परिवार के द्वारा बताया गया कि 50 वर्ष से अधिक समय हो चूका जो अपने परिवार सहित बिनोबा नगर स्थित मकान में रहते है तथा मजदूरी कर अपना पालन पोषण करती थी जिस मकान को उन्ही के परिवार के एक सदस्य द्वारा बिना जनकारी दिए बेच दिया गया जिसके बाद 2 सितंबर की रात 2 बजे अपनी बहन परिवार सहित अपने मकान में थे तभी एक व्यक्ति द्वारा अपने साथ कुछ अज्ञात लोगो को लेकर लाठी डण्डा और हथियार सहित जबरन घर में घुस कर नोनीबाई, शांति बाई, मित्रभानू, गुदुम तथा परसन के साथ लात-घुसा और अपने साथ लाए लाठी डण्डा से बुरी तरह मारपीट किया गया और घर से बाहर निकाल कर घर में जबरन ताला लगा दिया गया जिसको लेकर हम लोग के द्वारा थाना में रिपोर्ट लिखाने गए थे कोई सुनवाई नहीं हुई उल्टा हम लोगो को ही खरी खोटी सुनाई गईं पीड़ित परिवार आज अपनी दुखड़ा लेकर कलेक्टर साहब के पास पहुंचे और न्याय दिलाने की गुहार लगाई।

जुआ व अवैध शराब पर छाल पुलिस कर रही लगातार कार्रवाई

रायगढ़ 09 सितंबर (देशबन्धु)। थाना प्रभारी छाल निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में छाल पुलिस द्वारा क्षेत्र में मुखबिर सक्रिय कर लगातार जुआ एवं अवैध शराब पर कार्रवाई की जा रही है।

छाल पुलिस द्वारा 06 सितंबर के शाम मुखबिर सूचना पर ग्राम लामीखार मंच के पास रेड कर खुडखुडिया पट्टी पर जुआ खेला रहे आरोपी सिदार दास पिता स्व0 चैतन दास उम्र 58 वर्ष साकिन बनाकुडा थाना घरघोडा जिला रायगढ़ को हिरासत में लिया गया, आरोपी के पास एवं जुआ पट्टी से जुआ का रकम व खुडखुडिया जुआ सामग्री की जप्ती की गई। आरोपी पर थाना छाल में धारा 3(2) छत्तीसगढ जुआ(प्रतिषेध)अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई किया गया है।

वहीं कल शुष्क दिवस के दौरान अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर प्रतिबंध लगाए जाने के वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन पर थाना प्रभारी छाल के नेतृत्व में ग्राम बांधापाली में शराब रेड कार्रवाई कर छाल पुलिस द्वारा आरोपी नेतराम कंवर पिता पुनिराम कंवर उम्र 30 वर्ष निवासी बाँधापाली थाना छाल को हिरासत में लिया गया। आरोपी के कब्जे से 10 लीटर क्षमता वाली प्लास्टिक की जरकिन में भरा करीबन 09 लीटर महुआ शराब कीमती 900 को जप्ती कर आरोपी पर छाल में धारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

ग्रामीण अंचल के बाजारों में पसरा शुल्क समाप्त

रायगढ़, 9 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा ग्रामीण अंचल के बाजारों में पसरा शुल्क समाप्त करने की घोषणा की गई है। उक्त घोषणा के फलस्वरूप कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने समस्त जनपद पंचायत सीईओ को पसरा शुल्क की वसूली न किए जाने के संबंध में निर्देशित किया है। चूंकि जनसामान्य, ग्राम पंचायत सचिवों एवं पदाधिकारियों में संपूर्ण बाजार फीस माफ कर दिए जाने जैसी अफवाहें फैली हुयी है, जो भ्रामक है। कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि पसरा शुल्क माफ किया गया है, लेकिन बाजार शुल्क की शत-प्रतिशत वसूली की जानी है। जिसके संबंध में बाजार फीस की प्रभावी दरें लागू की गई है। जिसमें प्रति वर्ग मीटर या उसके किसी भाग के स्थान के लिए न्यूनतम 30 पैसे प्रतिदिन या 8 रुपये प्रतिमास अथवा अधिकतम 50 पैसे प्रतिदिन या 14 रुपये प्रतिमास की दर प्रभावी है।

धर्म के बिना राजनीति संभव नहीं -आचार्य देशमुख

गोयल परिवार द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

सूरजपुर 09 सितंबर (देशबन्धु)। श्रीमद् भागवत कथा वाचक पीठाधीश्वर आचार्य देशमुख वशिष्ठ जी महाराज ने कहा कि धर्म के बिना राजनीति संभव नहीं है राजनीति तभी सफल है जो धर्म के बल पर चले, धर्म जीने की कला है।राजनीतिज्ञों को रामायण व भागवत सुननी चाहिए ताकि भगवान राम व कृष्ण की तरह अच्छी राजनीति कर सके जिससे प्रजा का भला हो।

गोयल परिवार द्वारा पितरों के पुण्य स्मरण पर पितृ मोक्षार्थ गया श्राद्धत आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का वाचन करने यहां पहुंचे आचार्य देशमुख वशिष्ठ महाराज ने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से समाज में फैली विकृतियों को दूर करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या,दहेज प्रथा जैसी कूप्रथा बंद होनी चाहिए जिसे हम लोगों को कथा के माध्यम से संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि सनातन प्रेम सीखाता है,एक होकर चलने का मार्गदर्शन कराता है।सनातन धर्म में राम,कृष्ण ने अवतार लिया था। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का परचम हमेशा लहराता रहेगा,सनातन के विपरीत खड़े होने वालों को अपने आप परिणाम मिल जाएगा देश में सनातन की शक्ति से ही आज हम चंद्रमा तक पहुंच पाए हैं,सनातन धर्म के बल पर ही बड़े-बड़े कार्य संपन्न हो रहे हैं।जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है जो देश के लिए गौरव की बात है।देश में धर्म के अनुसार राजनीति चल रही है। एक सवाल पर आचार्य वशिष्ठ महाराज ने कहा कि हिंदू राष्ट्र बनने से समस्त प्रकार की उत्पीड़न कम होगी खुशहाली के साथ लोग जिएंगे,देश को हिंदू राष्ट्र बनना चाहिए जिसमें सभी की भलाई है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहली बार आया हूं यहां आते ही मुझे एक अलग अनुभूति हुई, यहां की प्रकृति में साक्षात् परमात्मा के दर्शन मिले यहां के लोग धर्म के प्रति आस्था रखने और शांत स्वभाव के हैं,यहां लोगों से मिलकर मन प्रसन्न हो गया। यहां रंगमंच प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा रसोत्सव का भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ है।

राम मंदिर से कथा स्थल तक कलश यात्रा निकाली गई।प्रतिदिन दोपहर 3से शाम 6 बजे तक कथा का वाचन पीठाधीश्वर आचार्य देशमुख वशिष्ठ जी महाराज के मुखारविंद से किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में भक्तगण कथा का श्रवण कर रहे हैं।भागवत कथा का समापन 14 सितंबर को हवन व विशाल भंडारे के साथ होगा।आयोजन को लेकर गोयल परिवार के मुरारी लाल गोयल,सुरेश गोयल,अनिल गोयल,राकेश गोयल,संजय गोयल,पंकज गोयल,प्रसून गोयल, निशु गोयल,एकांत गोयल,तुषार आयुष आदि सक्रिय हैं।

सेजेस महापल्ली में हुआ विविध कार्यक्रम

रायगढ़, 9 सितम्बर। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय योजना अंतर्गत संचालित शासकीय हेमसुंदर गुप्ता उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय महापल्ली में विद्यालय के प्राचार्या जे.सुजाता राव के मार्गदर्शन में आज राज्य कार्यालय के निर्देश पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए । स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत डॉक्टर सुभाष झा आयुष विभाग महापल्ली के द्वारा हस्त प्रक्षालन कर विद्यार्थियों को स्वच्छता के बारे में संदेश दिए एवं भोजन करने से पहले व किसी भी दैनिक कार्य को करने के बाद अपने हाथों को किस प्रकार साफ करना चाहिए।

सार-संक्षेप

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के नाम से मनमानी पर उतारू है केएसके महानदी

जांजगीर, 09 सितम्बर (देशबन्धु)। नरियरा गांव में केएसके महानदी पावर कम्पनी लिमिटेड वर्ष 2019 से नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल द्वारा नियुक्त अधिकारियों की देख रेख में संचालित हो रहा है, तथा आज दिनांक तक संचालित होते हुए लगभग 4 वर्ष पूरे होने को है। यहां श्रमिको की मूलभूत सुविधाओं से लेकर कारखाना अधिनियम,श्रम कानून तक का पालन नही हो रहा है। जिस पर एचएमएस यूनियन ने 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है, व्यवस्था नही सुधरने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

नियमानुसार समाधान की प्रक्रिया पूर्ण नही होने की स्थिति में उसके उपरांत समाधान पेशेवर (आई आर पी) के रूप में सुमित बिनानी नियुक्त है, इन चार वर्षों में कारखाना में बिजली उत्पादन निर्बाध रूप से हो रहा है, जिससे कारखाना को निश्चित रूप से वित्तीय लाभ हो रहा है, साथ ही वर्ष 2013 से कारखाना में बिजली उत्पादन हो ही रहा था, फिर भी कारखाना के वित्तीय प्रबंधन में असफलता के कारण यह कारखाना नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के द्वारा नियुक्त सुमित बिनानी (आरपी) के देखरेख में संचालित है।

चूंकि कारखाना में कारखाना अधिनियम के साथ श्रम कानून द्वारा निर्धारित नियम कानूनों का पालन किया जाना अनिवार्य है साथ ही श्रमिको की मूलभूत सुविधाएं, सीएसआर मद के तहत जनसुनवाई के समय किये गए वायदे तथा श्रमिक संघ एवं प्रबंधन के मध्य हुए समझौते का अनुपालन किया जाना चाहिए, किन्तु दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से यहाँ प्रबंधन में बैठे अधिकारी श्रमिकों की समस्याओं का हल करने के बजाय दिन प्रतिदिन उनका शोषण करने उतारू है, श्रमिकों की किसी भी समस्या का हल नही हो रहा है, उल्टे श्रमिकों को प्रताड़ित किया जा रहा है, श्रमिको की लंबित समस्याओ के वजह से हो रहे अनेको नुकसान से लगातार एचएमएस यूनियन द्वारा स्थानीय प्रबन्धन को अवगत कराया जा रहा है, किन्तु प्रबन्धन किसी भी तरह से कोई सकारात्मक पहल नही कर रहा है। ऐसी स्थिति विगत 4 वर्षों से बनी हुई है।

घर घुसकर मारपीट, दो गिरफ्तार

रायगढ़ 09 सितंबर (देशबन्धु)। चक्रधरनगर पुलिस ने मारपीट मामले के दो आरोपियों को गैर जमानती धाराओं के तहत कार्रवाई कर न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया है। दोनों आरोपी सगे भाई हैं जिन्होंने पुरानी रंजिश को लेकर पहले उसके मोहल्ले के सुमित यादव और उसके दो साथी- रूपलाल यादव और महेश यादव के साथ मारपीट किए फिर उसी रात सुमित के घर घुसकर उसके भाई प्रीतम के साथ गाली गलौज कर मारपीट किए थे। घटना के बाद से दोनों आरोपी फरार थे।

घटना को लेकर मारपीट के आहत प्रीतम यादव (उम्र 24 साल) टीवी टावर छोटे अतरमुडा द्वारा बीते 24 अगस्त को थाना चक्रधरनगर में दोनों आरोपियों द्वारा घर घुसकर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराया गया था रिपोर्टकर्ता ने बताया कि 23 अगस्त की शाम करीब 6 बजे इसके भाई सुमित यादव व उसके साथी रूपलाल यादव महेश यादव के साथ मोहल्ले का अमन राजपुत (23 साल), आकाश राजपुत (20 साल) दोनो भाई पुराने रंजिश को लेकर सम्बलाई मंदिर के पास लडाई झगडा किये थे और उसी रात करीब 1.00 बजे दोनों भाई डंडा लेकर घर आ गये और घर में मौजूद प्रीतम यादव से गाली गलौच करते हुये मारपीट किये, घर के लोग बीच बचाव किये तब दोनों आरोपी वहां से भागे। घटना के रिपोर्ट बाद से दोनों आरोपी फरार थे, जिन्हें आज मोहल्ले में देखे जाने की सूचना थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव को मिली। तत्काल दोनों आरोपियों को चक्रधरनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर रिमांड बाद जेल दाखिल किया गया है।

मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता का दिया संदेश

जांजगीर, 09 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले में शत प्रतिशत मतदान और मताधिकार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आज जिला स्तरीय मतदाता जागरूकता अभियान हाई स्कूल मैदान जांजगीर में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल की उपस्थित में किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी स्कूल के छात्रों, दिव्यांग, तृतीय लिंगी मतदाताओं और हसदेव के हीरो के युवा व सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने कोसा कांसा कंचन वोट करेगा जन-जन की आकर्षक मानव श्रृंखला की आकृति बनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। इसके साथ ही कलेक्टर ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों, अधिकारी कर्मचारीयों तथा युवाओं सहित सभी मतदाताओं को लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एस.पी. वैद्य, अपर कलेक्टर गुड्डु लाल जगत, जिला उप निवार्चन अधिकारी श्रीमती निशा नेताम मड़ावी, संयुक्त कलेक्टर एवं स्वीप के नोडल अधिकारी डॉ आराध्या राहुल कुमार, एसडीएम जांजगीर सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी गणमान्य नागरिक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया कृषि फार्म का अवलोकन

जांजगीर, 09 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने समेकित कृषि करने वाले ग्राम पंचायत पचेड़ा के किसान के कृषि फार्म का अवलोकन किया। इस दौरान कृषक हीरानंद कश्यप ने बताया कि 10 एकड़ में उनकी जमीन है। पहले वह 10 एकड़ में धान की खेती करते थे, अब वह 5 एकड़ में मछली व मुर्गी पालन, कृषि वानिकी और डेयरी फार्मिंग कर रहे हैं तथा खेत के मेढ़ में अदरक एवं केला का उत्पादन भी कर रहे हैं, जिससे उन्हे अतिरिक्त आय

प्राप्त हो रही है एवं मछली व मुर्गी पालन से उन्हें प्रतिवर्ष 3 लाख की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

कलेक्टर ने कृषक हीरानंद कश्यप की प्रशंसा की उन्होंने कहा कि प्रशासन हर संभव मदद करेगा। उन्होंने जिले के अन्य किसानों को समेकित कृषि से जोड़ने के लिए किसानों का भ्रमण और प्रशिक्षण देने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने विकासखंड बम्हनीडीह के ग्राम सरवानी के जय सराईपाठ बीज उत्पादन सहकारी समिति मर्यादित का भी अवलोकन किया जहां सहकारी समिति के सदस्यों ने बताया कि यहां धान, चना और मूंगफली एवं अन्य बीजों के उत्पादन प्रसंस्करण और विपणन का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने किसानों को रबी फसल में धान के अतिरिक्त अन्य लाभदायक फसलों के उत्पादन के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने कहा। इस दौरान जनपद सीईओ अनिल कुमार झा, सहायक संचालक मत्स्य, जे. बसवराज रेस्टोरेशन फाउंडेशन एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को निर्देश

जांजगीर, 09 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आज नवनिर्मित ऑडिटोरियम में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी एवं किसान पंजीयन हेतु समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि किसान पंजीयन का कार्य प्राथमिकता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि धान खरीदी राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसमें किसानों को उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने में सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना है। धान खरीदी के कार्यों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीदी विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हेतु किसान पंजीयन कराने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2023 तक निर्धारित की गई है।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को गिरदावरी के कार्यों को पूरी पारदर्शिता के साथ त्रुटिरहित करने के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि धान के फसल का प्रकार का विवरण गिरदावरी में प्रविष्ट करे। उन्होंने जहां पऱती भूमि है या शासकीय भूमि, डाइवर्टेड भूमि, आबादी भूमि है उनमें फसल प्रविष्टि न हो साथ ही वन विभाग द्वारा वन संपदा योजना अंतर्गत लगाए गए वृक्षों की प्रविष्टि भी गिरदावरी में हो यह सुनिश्चित करे। गिरदावरी कार्य को समय पर पूर्ण करे और फ़ील्ड में जाकर गिरदावरी करे। उन्होंने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में वजन मशीनों तथा आर्द्रता मापी यंत्र का समुचित कैलिब्रेशन, पेयजल, शौचालय, सीसीटीवी कैमरा, वाहनों का प्रवेश बारदानों का भौतिक सत्यापन,पंजियों का संधारण करने एवं सभी आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि धान एवं धान के बदले अन्य फसल लेने वाले किसानों को कृषि विभाग के अंतर्गत अन्य योजनाओं का लाभ लेने हेतु एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराना आवश्यक है। विभाग द्वारा जारी किए गए निर्देशों के आधार पर इस वर्ष पूर्व के वर्षों की भांति कृषकों को पृथक से पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अंतर्गत उनका गत वर्ष का पंजीयन कैरीफॉरवर्ड कर दी जाएगी। पूर्व वर्षों में पंजीकृत सभी किसानों को धान उपार्जन वर्ष 2023-24 हेतु धान पंजीयन में नॉमिनी नामांकन कर कैरी फॉरवर्ड करवाना अनिवार्य है, क्योंकि धान उपार्जन हेतु आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अपनाया जाएगा, जिसके लिए पंजीयन में नॉमिनी रखना अनिवार्य है।

संयुक्त भूमि स्वामी होने की स्थिति में स्व घोषणा पत्र भी देना होगा कलेक्टर ने कहा कि कैरी फॉरवर्ड या नवीन पंजीयन हेतु आवेदन पत्र के साथ किसानों को ऋण पुस्तिका, बी-1, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, पी-2 खसरा आदि दस्तावेज संलग्न करना होगा। केवल संयुक्त भूमि स्वामी होने की स्थिति में स्व घोषणा पत्र भी देना होगा। गत वर्ष के पंजीकृत किसान यदि अपने पंजीयन में कोई भी संशोधन कराना चाहते हैं तो वे 30 सितंबर 2023 तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन कर सकते हैं। एकीकृत किसान पोर्टल पर किसानों के नवीन पंजीयन तथा पंजीकृत फसल या रकबे में संशोधन की कार्यवाही 31 अक्टूबर तक की जायेगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एसपी वैद्य, अपर कलेक्टर गुड्डु लाल जगत, सर्व एसडीएम, तहसीलदार एवं खाद्य विभाग, सहकारिता, कृषि विभाग, मार्कफेड, समिति प्रबंधक एवं ऑपरेटर तथा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया वृद्धाश्रम खोखरा का निरीक्षण

जांजगीर, 09 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने देव सेवा समिति वृद्धाश्रम खोखरा का निरीक्षण किया। उन्होंने आश्रम में रहने वाले सभी वृद्धजनों से मुलाकात की तथा आश्रम की व्यवस्था के बारे में उनसे चर्चा की। कलेक्टर ने कहा कि वृद्धावस्था में व्यायाम, योग जैसी गतिविधियां करना बहुत आवश्यक है। इससे वृद्धावस्था में शरीर स्वस्थ रहता है। उन्होंने वृद्धजनों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने वृद्धजनों को फल का वितरण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वृद्धाश्रम की क्षमता, खानपान की व्यवस्था, रूम की सफाई व्यवस्था और उनके मनोरंजन की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। वृद्धजनो के खान-पान से लेकर प्रतिदिन की दिनचर्या और व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने आश्रम को आबंटित जमीन के बारे जानकारी ली एवं समय समय पर वृद्धजनों को भ्रमण पर ले जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप संचालक समाज कल्याण टी पी भावे, देव सेवा समिति वृद्धाश्रम के सचिव देव बर्मन एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

छोटे भाई की हत्या मामले में बड़े भाई को आजीवन कारावास

द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश सक्ती का फैसला

जांजगीर, 09 सितम्बर (देशबन्धु)। छोटे भाई की हत्या के मामले में द्वितीय अपर सत्र न्यायालय सक्ती ने आरोपी बड़े भाई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पूरा मामला जैजैपुर क्षेत्र के तुषार सबरियाडेरा की है, जहां साल भर पहले भाई ही अपने भाई के खून का प्यासा हो गया था।

अपर लोक अभियोजक के अनुसार बीते 25 मई 2022 की रात करीब 2 बजे जैजैपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम तुषार सबरियाडेरा में नंदकुमार गोंड़ ने अपने छोटे भाई छोटेलाल गोंड की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। सूचना पर तत्कालीन थाना प्रभारी गोपाल सतपथी ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। जांच के दौरान आरोपी नंदकुमार उर्फ नंदू गोंड़ को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, तब उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी के कब्जे से धारदार हथियार फरसा बरामद किया गया। साथ ही पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया और अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया। मामले की सुनवाई करते हुए द्वितीय अपर सत्र न्यायालय सक्ती न्यायाधीश डॉ. ममता भोजवानी ने आरोपी नंदकुमार उर्फ नंदू गोड़ को धारा 302 के अपराध के लिए आजीवन कारावास एवं 5 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित कि। वहीं धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के लिए क्रमशः तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं एक हजार रुपए के अर्थदण्ड तथा चार वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1500 रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया। पूरे मामले में अपर लोक अभियोजक ऋषिकेश चौबे ने पैरवी की।

कांग्रेस 13 सितंबर को करेगी रेल रोको आंदोलन

सारंगढ 09 सितंबर (देशबन्धु)। आज सारंगढ में कृषक कल्याण बोर्ड छग शासन के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने स्थानीय विश्राम गृह में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि नरेन्द्र मोदी की सरकार देश की सबसे विश्वसनीय यात्री सेवा रेलवे सुविधा को समाप्त करने का साजिश रच रही है। वर्षों से भारतीय रेलवे आम जनता का भरोसेमंद, सस्ता और सुलभ परिवहन का पर्याय हुआ करता था जिसे मोदी राज में रेलवे की विश्वसनीयता को खत्म करके निजी हाथों में बेचने का षड़यंत्र रचा जा रहा है। बिना कोई कारण बताये, बिना किसी ठोस वजह के यात्री ट्रेनों को अचानक रद्द कर दिया जाता है। रेलवे द्वारा यात्री ट्रेनों को महिनों, हफ्तों तक बंद करने का फर्मान जारी कर दिया जाता है महिनों पहले यात्रा की योजना बना कर रिजर्वेशन कराये नागरिकों की परेशानी से रेलवे को और केंद्र सरकार कोई मतलब नहीं रहता है। रेलवे यात्रियों

के लिये कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं करती है। देश की आजादी के बाद ऐसी स्थिति केवल मोदी सरकार में आई है।

जहां रेलवे की यात्री सुविधायें इतनी ज्यादा खस्ताहाल हो गयी है।यात्री ट्रेनों को जानबूझकर रद्द किया जाता है, कभी कोयले के आपूर्ति के नाम पर कभी कोई और कारण बता कर यह विश्वसनीय यात्री सेवा भारतीय रेल को बदनाम करने की साजिश है ताकि लोग रेलवे से ऊब जाये और रेल को भी मोदी अपने उद्योगपति मित्रों के हवाले कर सके।मोदी सरकार के पहले की केंद्र सरकारें घाटा उठा कर भी रेलवे सुविधाओं का विस्तार करती रही। आजादी के बाद से रेलवे का अलग बजट बनाया जाता था, लेकिन मोदी सरकार रेलवे की यात्री सुविधाओं को समाप्त कर इसे सिर्फ मालवाहक बनाना चाहती है और बाद में रेल को निजी हाथोंमें साँपा जा सके इसका रास्ता बना रही है। पूर्ववर्ती सरकारें रेल्वे को नागरिकों की सुविधा के लिये चलाती थी, मोदी सरकार कमाने के लिये जनता को लूटने के लिये इस्तेमाल कर रही। देश भर में कोरोना के सारे प्रतिबंध हटा दिये गये लेकिन रेल्वे कोरोना के नाम पर जनता को मिलेन वाली सारी सुविधाये बंद कर दिया। वृद्ध. विकलांग, छात्रों की सुविधायें हटा दिया। रेल्वे स्टेशन पर टिकिट विक्री बंद कर टिकिटों के दाम बढ़ा दिया गया।?

इस दौरान विधायक उत्तरी जांगडे जिलाध्यक्ष अरूण मालाकार रामावतार किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अरूण गुड्डु यादव सूरज तिवारी संजय दुबे रवींद्र नंदे शरद यादव जनपद अध्यक्ष मंजू मालाकार नगरपालिका अध्यक्ष सोनी बंजारे गोल्डी नायक नेमीचंद केशरवानी नितीश बंजारे पार्षदगण सरिता गोपाल किरण नंदू मल्होत्रा सरिता शंकर चंद्रा प्रभा तिवारी राधेश्याम जायसवाल परमानंद पटेल धजाराम पटेल अजय बंजारे राजकमल अग्रवाल बिंटू छाबडा धीरज बहिदार दिलीप शर्मा अभिषेक शर्मा हर्ष यादव विजय सिदार इत्यादि सहित अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

साढ़े तीन साल में 67382 गाड़ियां रही रद्द

भाजपा राज में रेलवे में मिलने वाली बुजुगों की छूट खा गए, छात्रों को मिलने वाली रियायत खा गए, किराए में बेतहाशा वृद्धि, प्लेटफार्म टिकिट तक में कई गुना वसूली, दैनिक यात्री सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारी, पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं, कामगार नौकरीपेशा आम यात्री सभी मोदी राज में उपेक्षा पीड़ित और प्रताड़ित है बिलासपुर रेलवे जोन जिसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ आता है यहां से केवल माल भाड़े से केंद्र की मोदी सरकार 2 से 22 करोड़ रुपए हर साल कमाती है। लेकीन जब सुविधा देने की जब बारी आ रही है तो विगत 9 साल से मोदी राज में छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों को केंद्र की उपेक्षा ही मिली है। भाजपाई बताएं कि छत्तीसगढ़ के यात्रियों से आखिर किस बात का बदला ले रही है मोदी सरकार ?

यात्री सेवा रेलवे सुविधा को समाप्त करने की साजिश रच रही है केन्द्र-प्रमोद नायक

देश की आजादी के बाद ऐसी स्थिति केवल मोदी सरकार में आई है

जांजगीर, 09 सितम्बर (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से जिले मे आए पर्यवेक्षक प्रमोद नायक अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बिलासपुर ने आज जिले मे रेल रोको आन्दोलन के लिए आगामी 13 सितम्बर को होने वाले आंदोलन के लिए जिले के कांग्रेसियो की बैठक स्थानीय सर्किट हाउस मे आयोजित की, जहां प्रेस कांन्फ्रेंस मे रेलवे की लेट लतीफी के कारण परेशान यात्रियो के बारे मे चर्चा करते हुए रेल्वे के खिलाफ बडा आन्दोलन करने की बात पर

विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने आंदोलन की रूपरेखा से अवगत कराया। इस दौरान श्रीमती मंजू सिंह भी उपस्थित रही।

प्रमोद नायक ने आरोप लगाते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी की सरकार देश की सबसे विश्वसनीय यात्री सेवा रेलवे सुविधा को समाप्त करने का साजिश रच रही है। वर्षों से भारतीय रेलवे आम जनता का भरोसेमंद, सस्ता और सुलभ परिवहन का पर्याय हुआ करता था, जिसे मोदी राज में रेलवे की विश्वसनीयता को खत्म करके निजी हाथों में बेचने का षडयंत्र रचा जा रहा है। बिना कोई कारण बताये, बिना किसी ठोस वजह के यात्री ट्रेनों की अचानक रद्द कर दिया जाता है। रेलवे द्वारा यात्री ट्रेनों को महिनों, हफ्तों तक बंद करने का फर्मान जारी कर दिया जाता है। महिनों पहले यात्रा की योजना बना कर रिजर्वेशन कराये नागरिकों की परेशानी से रेलवे को और केंद्र सरकार कोई मतलब नहीं रहता है। रेलवे यात्रियों के लिये कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं करती है। देश की आजादी के बाद ऐसी स्थिति केवल मोदी सरकार में आई है। जहां रेलवे की यात्री सुविधायें इतनी ज्यादा खस्ताहाल हो गयी है। यात्री ट्रेनों को जानबूझकर रद्द किया जाता है, कभी कोयले के आपूर्ति के नाम पर कभी कोई और कारण बता कर यह विश्वसनीय यात्री सेवा भारतीय रेल को बदनाम करने की साजिश है ताकि लोग रेलवे से ऊब जाये और रेल को भी मोदी अपने उद्योगपति मित्रों के हवाले कर सके। उन्होने बताया कि पिछले साढ़े तीन साल में 67382 ट्रेनों को रद्द किया गया। इसके आलावा रेलवे में मिलने वाली बुजुर्गों की छूट, छात्रों को मिलने वाली रियायत, किराए में बेतहाशा वृद्धि, प्लेटफार्म टिकिट तक में कई गुना वृध्दि, दैनिक यात्री सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारी, पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं कामगार नौकरीपेशा आम यात्री सभी मोदी राज में उपेक्षा से पीड़ित और प्रताड़ित है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दर्जनों बार प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली ट्रेनों के संचालन की व्यवस्था को दुरुस्त करने अनेकों पत्र लिखा है लेकिन छत्तीसगढ़ के प्रति केंद्र की उपेक्षा, भेदभाव और अव्यवस्था यथावत जारी है। केंद्र की मोदी सरकार को देश भर में सबसे ज्यादा कमाई करके देने वाले बिलासपुर जोन, जिसके अंतर्गत पूरा छत्तीसगढ़ आता है वहीं के यात्रियों को सुविधा से वंचित और उपेक्षित रखा जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव बिलासपुर से सांसद है, प्रदेश की जनता ने केंद्र में चुनकर भेजा है लेकिन वे जनता के प्रति अपना धर्म निभाने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं। देशभर में सबसे ज्यादा पीडित, प्रताड़ित और उपेक्षित बिलासपुर जोन के ही छत्तीसगढ़ के रेल यात्री हैं। विगत सवा 3 साल के भीतर छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 67 हजार से अधिक ट्रेनें निरस्त की गई लेकिन दलीय चटुकारिता में छत्तीसगढ़ से लोकसभा के लिए चुने गए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सहित 9-9 सांसद मौन क्यों हैं। इस दौरान हर प्रसाद साहू, गिरधारी यादव, टिंकू मेमन, भगवान दास गढ़वाल, रफीक सिद्दीकी, विवेक सिसोदिया, देव कुमार पांडे, गगन गुरुद्वान, सौरभ सिंह, संदीप यादव सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महुदा में 13 को होगा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

जांजगीर, 09 सितम्बर (देशबन्धु)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बलौदा (महुदा) में सुजुकी मोटर्स द प्लेसर (कैम्पस रिकूटमेंट पार्टनर) के द्वारा 13 सितम्बर प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बलौदा (महुदा) ने बताया कि सुजुकी मोटर्स द प्लेसर (कैम्पस रिकूटमेंट पार्टनर) की ओर से 21500 रूपये मासिक की दर से एनसीव्हीटी एवं एससीव्हीटी के विभिन्न व्यवसाय (फिटर, मैकेनिक डीजल, मोटर मैकेनिक, टर्नर, मशीनिष्ट, वेल्डर, इलैक्ट्रिशियन, टूल एण्ड डाई मेकर, प्लास्टिक प्रोसेसिंग ऑपरेटर ट्रैक्टर मैकेनिक, पेंटर जनरल) के ऐसे प्रशिक्षणार्थी जो कि 2017 से 2023 के बीच उत्तीर्ण हुये हैं।

देश विदेश

नेपाल में बस दुर्घटना में सात की मौत

काठमांडू। नेपाल के बांके जिले में शुक्रवार रात एक यात्री बस के ट्रक से टकरा जाने से सात लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। बांके के एक पुलिस अधिकारी सुंदर तिवारी ने शनिवार को बताया कि 41 लोगों को ले जा रही बस पूर्व-पश्चिम राजमार्ग पर खड़े एक ट्रक से टकरा गयी। तिवारी ने शिन्हुआ को बताया, ऐसा लगता है कि तेज रफ्तार बस ने ट्रक को टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि सभी घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायल यात्रियों में दो की हालत गंभीर है।

मोरक्को में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1037 हुई

रबात, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। मोरक्को में शुक्रवार रात आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1037 हो गई है और कम से कम 500 लोग घायल हुए हैं। देश के आंतरिक मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार स्थानीय समयानुसार 23.11 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.8 आंकी गयी।

■ रिक्टर पैमाने पर 6.8 आंकी गई भूकंप की तीव्रता

भूकंप का केंद्र मराकेश से लगभग 70 किमी दक्षिण पश्चिम में अल हौज़ प्रांत के इघिल शहर के पास जमीन से 18.5 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। स्थानीय मीडिया ने बताया कि भूकंप से तरौदंत और मराकेश शहरों में कई घर

ढह गए। भूकंप के झटके रबात और कैसाब्लांका सहित मोरक्को के कई शहरों में महसूस किये गए। मराकेश में रहने वाले एक विदेशी चीनी झांग काई ने कहा, भूकंप ने भूकंप के केंद्र के निकटतम बड़े शहर, मराकेश के पुराने शहर में कई इमारतों को क्षतिग्रस्त कर दिया, और कई निवासियों को संभावित झटकों के डर से खुली जगह में रात बितानी पड़ी। मराकेश से लगभग 190 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में ऑउरजाजेट में भूकंप के बाद निवासियों को खुली जगह पर शरण लेते देखा गया। ऑउरजाजेट के एक निवासी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, पहले भी भूकंप आए हैं, लेकिन उनमें से कोई भी इस भूकंप जितना शक्तिशाली नहीं था। ऑउरजाजेट से भूकंप के केंद्र तक रास्ते में, पहाड़ों और इमारतों से चट्टानें और मलबे सड़क पर बिखरे हुए देखे गए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए बचावकर्मियों को भूकंप प्रभावित इलाकों में भेजा गया है।

विश्व के आधे से अधिक स्कूली आयु वर्ग के शरणार्थी बच्चे शिक्षा से वंचित : संयुक्त राष्ट्र

जिनेवा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर ने कहा है कि दुनिया के 14.8 मिलियन स्कूली आयु वर्ग के शरणार्थी बच्चों में से आधे से अधिक वर्तमान में औपचारिक शिक्षा से वंचित हैं।

यूएनएचसीआर के प्रवक्ता विलियम स्पिंडलर ने शुक्रवार को यहां एक प्रेस वार्ता में बताया कि 2023 यूएनएचसीआर शरणार्थी शिक्षा रिपोर्ट के अनुसार, 2022 के अंत तक, स्कूल-आयु वर्ग के शरणार्थियों की संख्या एक साल पहले के 10 मिलियन से लगभग 50 प्रतिशत बढ़ गई। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिपोर्टिंग देशों में शिक्षा में शरणार्थी नामांकन शिक्षा स्तर के अनुसार नाटकीय रूप से भिन्न है। पूर्व-प्राथमिक स्तर में 38 प्रतिशत, प्राथमिक में 65 प्रतिशत, माध्यमिक में 41 प्रतिशत और तृतीयक में केवल छह प्रतिशत नामांकित हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दुनिया के 46 सबसे कम विकसित देशों में रहने वाले 20 प्रतिशत शरणार्थियों और निम्न और मध्यम आय वाले देशों में तीन-चौथाई से अधिक रहने के कारण, जबरन विस्थापित बच्चों को शिक्षित करने की लागत सबसे गरीब लोगों पर असमान रूप से पड़ती है। शिक्षा को हमले से बचाने के लिए शनिवार को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय दिवस से पहले, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को अपने एक संदेश में कहा, ₹इस दिन, हम एक चौंकाने वाली सच्चाई पर प्रकाश डालते हैं= 224 मिलियन बच्चे और युवाओं को शैक्षिक सहायता की तत्काल आवश्यकता है - इसमें 72 मिलियन वे लोग शामिल हैं, जो सशस्त्र संघर्ष जैसे संकटों के कारण स्कूल से बाहर हैं।%% उन्होंने ₹सभी देशों से स्कूलों, बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

सुडोकू 6312

	2	5			8			6
		8			2			
	6		3		7			5
	9							7
		3		4		6		
1							9	
5			8		3		6	
			1			7		
4			9			5	1	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

तुर्किए में भीड़ में घुसा ट्रक

■ पांच लोगों की मौत

अंकारा। तुर्किए के दक्षिण-पूर्वी शहर काहरमनमारस में ट्रक के भीड़ में घुस जाने से पांच लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। एनटीवी प्रसारक ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक घटना उस वक्त घटी, जब काहरमनमारस-एंडिरिन राजमार्ग पर एक ट्रक ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर सामने खड़ी कारों को टक्कर मारते हुए अंतिम संस्कार में शामिल लोगों की भीड़ में घुस गयी। ट्रक की चपेट में आकर पांच लोगों की मौत हो गयी और 25 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है।

वर्ग पहेली 6312

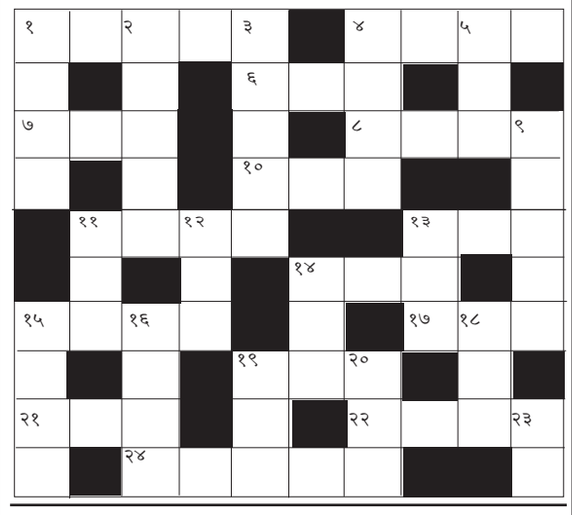

बायें से दायें:-

१. दुर्गा, लक्ष्मी
३. मन की ताकत
६. खारा, नमकीन
७. विक्षिप्त (उर्दू)
८. अंगड़ाई, बदला, प्रतिफल, दंड, भ्रष्ट, हानि (उर्दू)
१०. अन्यथा (उर्दू)
११. बांस की तिलियोंका बना परदा (उर्दू)
१३. किसी गीत के मुखड़े के अतिरिक्त अन्य पद
१४. असंगत, अशिष्ट भद्दा (उर्दू)
१५. मृतप्राय, जो मरने के निकट हो
१७. तनिक, थोड़ा (उर्दू)
१९. रक्तपान करने वाला
२१. उचित, ठीक, जरूरी (उर्दू)
२२. संदेशवाहक (उर्दू)
२४. राजाओं का लिबास

ऊपर से नीचे:-

१. साथ पढ़ने वाला
२. शुभ समय
३. पांडवों को जीवित जला देने के लिए बनाया गया लाख का महल
४. मदिरालय (उर्दू)
५. श्रेष्ठ, उत्तम
९. केसर (उर्दू)
११. चमड़े-मांस, चरबी के जलने से निकलने वाली दुर्गंध
१२. शराब
१३. अनुमान, हाव-भाव (उर्दू)
१४. असमय (उर्दू)
१५. जिसका निवारण न किया जा सके, अत्यावश्यक, अटल
१६. कब्र, मज़ार (उर्दू)
१८. राई, सरसों
१९. दया, कृपा (उर्दू)
२०. शुरुआत
२३. रहस्य, भेद, गुप्त बात (उर्दू)

वर्ग पहेली-6311

१ अ	सा	२ मा	जि	३ क		४ अ	नु	५ दा	र
दट		न		६ था	म	ना		च	
७ हा	कि	म		ना		८ ग	द	रा	९ ना
स		दिं		१० य	ती	म			मु
		११ वि	त	१२ र	क			१३ मा	र	ना
	प		क्ष			१४ अ	पि	तु		सि
१५ वि	दा	१६ र	क			यो		१७ ल	१८ क	ब
ष		स		१९ अ	ध्या	२० य			फ	
२१ म	ना	ही		ध		२२ म	हा	न	२३ ता	
ता		२४ म	त	म	स्त	क			ल	

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 10 सितम्बर , 2023 भाद्र कृष्ण पक्ष 11

राशिफल

मेष - किसी नए काम की शुरुआत के लिए सुबह का समय अनुकूल रहेगा। आज सरकारी लाभ होने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे। विचारों में शीघ्र ही परिवर्तन होगा।

वृषभ - आज का दिन आप के लिए मध्यम फलदायी है। आज मित्रों तथा स्नेहीजनों के साथ हुई मुलाकात से मन खुश रहेगा। आप आज के दिन का अधिकांश भाग निवेश की योजना बनाने में लगे रहेंगे।

मिथुन - आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन लाभदायी है। आज मित्रों एवं परिजनों के सहयोग से आपके कठिन काम आसानी से हो पाएंगे। उत्तम भोजन और वस्त्र की सुविधा भी आप को मिलेगी।

कर्क - आज आय के मुकाबले खर्च अधिक रहेगा। आंखों में दर्द की समस्या आ सकती है। मानसिक चिंता बनी रहेगी। लोगों से सादगीपूर्ण व्यवहार करें। किसी तरह का कन्फ्यूजन ना हो, इसका ध्यान रखें।

सिंह - आज सुबह का समय बहुत अच्छी तरह से गुजरेगा। सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आनंदप्रद और लाभप्रद समाचार मिलेंगे। मित्रों के साथ दिन अच्छा बीतेगा। आय में वृद्धि होगी तथा धन लाभ होगा।

कन्या - आपका दिन अनुकूल रहेगा। परिजनों के साथ आपके संबंध अच्छे बने रहेंगे। दोस्तों और स्वजनों से उपहार मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों के काम से अधिकारी खुश रहेंगे। दोपहर के बाद आपमें किसी बात का कन्फ्यूजन रहेगा।

तुला - आज सुबह आपका मन किसी बात को लेकर चिंता में रहेगा। शारीरिक रूप से शिथिलता और आलस्य बना रहेगा। नौकरी में अधिकारी आप से अप्रसन्न रहेंगे। संतान के साथ भी मतभेद हो सकता है।

वृश्चिक - आध्यात्मिकता और ईश्वर की प्रार्थना से अनिष्ट से बच सकेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप अस्वस्थ रहेंगे। सभी के साथ आप अच्छा व्यवहार रखें। वाणी पर संयम रखने से परिस्थिति अनुकूल बनी रहेगी।

धनु - आज आपका दिन मिश्रित फलदायी है। सुबह के समय आप आनंद और मनोरंजन में डूबे रहेंगे। पारिवारिक वातावरण आनंदप्रद रहेगा। दोपहर बाद मन में कई तरह के नेगेटिव विचार आने से काम में मन नहीं लगेगा।

मकर - बातचीत करते समय क्रोध ना करें। परिवार में सुख-शांति और आनंदपूर्ण वातावरण बना रहेगा। मान सम्मान मिलने की भी संभावना है। आर्थिक लाभ होगा।

कुंभ - कला के प्रति आज आपकी रुचि ज्यादा रहेगी। खर्च ज्यादा रहने से आप परेशान हो सकते हैं। संतान से संबंधित कोई चिंता आपको हो सकती है। परंतु दोपहर के बाद घर में शांतिपूर्ण वातावरण रहेगा। अपूर्ण काम पूरे होंगे।

मीन - आज अधिक इमोशनल होने से बचें। ज्यादा सोच-विचार करने से आप चिंता में रहेंगे। जमीन और मकान संबंधी काम के लिए आज समय अच्छा नहीं है। पेट के रोग दूर हो सकते हैं।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

दक्षिण अफ्रीकी कद्दावर नेता बुथेलेजी का निधन

केपटाउन, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के कद्दावर राजनीतिज्ञ एवं मुखर जुलु प्रमुख मैंगोसुथु बुथेलेज़ी का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। श्री बुथेलेजी ने नस्लवादी रंगभेद शासन के दौरान अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (एएनसी) से मोहभंग होने के बाद जुलु इंकथा पार्टी की स्थापना की थी। उल्लेखनीय है कि 1990 के दशक की शुरुआत में दोनों पार्टियों के समर्थकों के बीच झड़पों में हजारों लोग मारे गए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के शासनकाल में श्री बुथेलेजी ने गृह मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। श्री बुथेलेजी वहीं एक विद्वान, लेकिन विवादास्पद राजनेता थे। वह श्वेत-अल्पसंख्यक शासन के खिलाफ सशस्त्र कार्रवाई की एएनसी की रणनीति से असहमत थे और एक जातीय-जुलु मातृभूमि के नेता के रूप में उदारवादी मार्ग पर चले। वह दक्षिण अफ्रीका पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के विरोधी थे। उनका तर्क था कि वे इससे केवल देश के अश्वेत वर्ग के लोगों को नुकसान होगा। वर्ष 1990 के दशक की शुरुआत में झड़पों के दौरान नेल्सन मंडेला की एएनसी ने उन पर श्वेत-अल्पसंख्यक सरकार के साथ सहयोग करने का आरोप लगाया था। कुछ लोगों को डर था कि हिंसा से गृह युद्ध हो सकता है और लोकतंत्र पटरी से उतर सकता है, जिसके कारण श्री मंडेला को 1994 में राष्ट्रपति बनाया गया।

जी-2 में शी जिनपिंग की अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देना चीन का काम है: अमेरिका

नई दिल्ली, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने पर अमेरिका ने शनिवार को कहा कि कार्यक्रम में उनकी अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देना बीजिंग सरकार पर निर्भर है। नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने कहा, यह बताना चीनी सरकार पर निर्भर है कि उसके नेता क्यों भाग लेंगे या नहीं लेंगे।

■ 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है, अगर चीन समूह की सफलता के लिए प्रतिबद्ध नहीं है।'

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है, अगर चीन समूह की सफलता के लिए प्रतिबद्ध नहीं है। फाइनर ने कहा, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया है कि चीन की अनुपस्थिति यह दर्शाती है कि वह जी20 को छोड़ रहा है, एक वैकल्पिक विश्व व्यवस्था का निर्माण कर रहा है, कि वह ब्रिक्स जैसे समूहों को विशेषाधिकार देगा। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में देश

का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को के जारी युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हुए हैं। उनका प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव कर रहे हैं। भारत ने हाई-प्रोफाइल शिखर सम्मेलन से दोनों नेताओं की अनुपस्थिति को अधिक महत्व नहीं देते हुए कहा है कि मुख्य ध्यान बहुपक्षीय आयोजन के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों पर सभी सदस्यों के बीच आम सहमति विकसित करना है।

भारत में गिरफ्तार ब्रिटिश सिख की रिहाई का मुद्दा नहीं उठाएगा ब्रिटेन : रिपोर्ट

लंदन, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां आये हैं। इस बीच ब्रिटेन सरकार ने पिछले पांच वर्षों से आतंकवाद के आरोप में भारत में कैद अपने नागरिक की रिहाई का मुद्दा नहीं उठाने का फैसला किया है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश सिख जगतार सिंह जोहल की रिहाई की मांग करने से इनकार की बात शुक्रवार को स्कॉटिश नेशनल पार्टी के सांसद मार्टिन डॉकर्टी-ह्यूजेस को भेजे गए एक पत्र सामने आई, जिसमें कहा गया था कि कार्रवाई उनके सर्वोत्तम हित में नहीं होगी।

एशियाई मामलों के मंत्री लॉर्ड अहमद द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है, मिस्टर जोहल की रिहाई के आह्वान के संभावित लाभों और जोखिमों के साथ-साथ ऐसा करने की संभावित प्रभावशीलता पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, हम इस कार्रवाई पर विश्वास नहीं करते हैं। यह उनके सर्वोत्तम हित में होगा। लॉर्ड अहमद ने लिखा कि भारत में जोहल का मुकदमा चल रहा है। उसकी रिहाई की मांग भारतीय न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप माना जाएगा, जो ब्रिटेन की कांसुलर सहायता की पेशकश करने की क्षमता को खतरे में डाल सकता है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब 70 से अधिक सांसदों के एक समूह ने इस सप्ताह की शुरुआत में सुनक से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जोहल की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। डंबर्टन के जोहल अपनी शादी के लिए पंजाब में थे, जब उन्हें प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) द्वारा हत्याओं में उनकी कथित भूमिका के लिए 4 नवंबर 2017 को जालंधर से गिरफ्तार किया गया था। उनके परिवार का दावा है कि 36 वर्षीय जोहल को कोरे स्वीकारोक्ति दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर करने से पहले बिजली के झटके सहित यातना दी गई थी। इन आरोपों का भारतीय अधिकारियों ने खंडन किया है।

यूक्रेन में लड़ रहा ब्रिटिश जवान जलाशय में मृत पाया गया

लंदन, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। रुस के साथ युद्धरत यूक्रेन में अंतरराष्ट्रीय सेना के लिए लड़ने गया एक ब्रिटिश जवान जलाशय में मृत पाया गया। बीबीसी के मुताबिक लंकाशायर के बर्नले के 31 वर्षीय जॉर्डन चैडविक ने 2011 से 2015 तक ब्रिटिश सेना में स्कॉट्स गार्ड के रूप में कार्य किया। उनकी मां ब्रेंडा चैडविक ने कहा कि उनका परिवार अपने बेटे की मौत से 'तबाह' हो गया। जॉर्डन को जो के नाम से भी जाना जाता था। यूक्रेनी अंतरराष्ट्रीय सेना ने सात अगस्त को उनकी स्वदेश वापसी का इंतजाम किया था। गत 26 जून को श्रीमती चैडविक ने कहा कि उन्हें लंकाशायर पुलिस ने सूचित किया कि उनके बेटे की हत्या कर दी गई है। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने अगले दिन उनसे संपर्क किया और दुखद समाचार की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हमें हालांकि उनके अटूट साहस और लचीलेपन पर बेहद गर्व है, लेकिन उनकी मृत्यु विनाशकारी रही है।

आज का इतिहास

1846- एलायस होवे ने सिलाई मशीन का पेटेंट कराया।
1847- हवाई द्वीप में पहला थियेटर खुला।
1887- स्वतन्त्रता सेनानी एवं उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री गोविन्द बल्लभ पंत का जन्म।
1926- जर्मनी मित्र राष्ट्रों के संघ में शामिल हुआ।
1935- सतीश संजन दासने दून स्कूल की स्थापना की।
1939- कनाडा ने द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया।
1966- संसद ने पंजाब एवं हरियाणा के गठन को मंजूरी दी।
1974- अफ्रीकी देश गिनी को पुर्तगाल से आजादी मिली।
1976- इंडियन एयरलाइंस के बोइंग 737 विमान का अपहरण।
1996- संयुक्त राष्ट्र आम सभा में व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि तीन के मुकाबले 158 मतों से स्वीकृत, भारत सहित तीन देशों ने किया संधि का विरोध।
1926- जर्मनी ने 'लीग ऑफ नेशंस' की सदस्यता ली।
2002- यूरोपीय देश स्विट्जरलैंड संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना।
2015- जापान में बाढ़ और भूस्खलन से 90 हजार लोग बेघर हुए।
2016- रियो पैरा ओलंपिक में मरियप्पन थंगावेलु ने स्वर्ण पदक और वरुण भाटी ने कांस्य पदक जीता।
2020- फ्रांस द्वारा निर्मित बहु उद्देशीय पांच राफेल लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना में शामिल हुए।
2020- भारत और जापान ने सशस्त्र बलों के बीच आपूर्ति एवं सेवाओं के आदान-प्रदान के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

पर्यटन इस साल जम्मू कश्मीर में 18000 विदेशी पर्यटक आए

कनाडा व अमेरीका की पाबंदियों से पर्यटन से जुड़े लोगों में निराशा

जम्मू, 9 सितम्बर (देशबन्धु)। यह कश्मीरियों के लिए वाकई खुशी के पल हैं कि एक लंबे अरसे के बाद कश्मीर में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारी उछाल आया है। हालांकि प्रशासन कहता है यह जी-2 की बैठक का नतीजा है। इस साल अभी तक चाहे रिकार्ड तोड़ 1.27 करोड़ देसी पर्यटकों ने अभी तक जम्मू कश्मीर का दौरा किया है पर कश्मीरियों को सबसे ज्यादा खुशी विदेशी पर्यटकों के आने से हो रही है, चाहे विदेशी पर्यटकों की संख्या मुट्ठी भर ही है।

पर अभी तक कनाडा और अमेरीका द्वारा अपने नागरिकों पर जम्मू कश्मीर जाने पर लगाई गई पाबंदियों को न हटाए जाने से पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखती हैं। इस साल अभी तक कोई ज्यादा विदेशी पर्यटक कश्मीर नहीं आए। इनकी संख्या 18000 के लगभग है जो पिछले एक दशक में बहुज ज्यादा मानी जा रही है। हालांकि आने वाले कुल पर्यटकों की संख्या के मुकाबले यह आंकड़ा ऊंट के मुंह में जीरे के समान ही है। यह आंकड़ा जनवरी से अगस्त के अंत तक का है। पर वे देसी पर्यटकों की संख्या के आगे भारी इसलिए पड़ते थे क्योंकि जहां देसी पर्यटक 3 से 5 दिनों तक ही कश्मीर में रूकते थे तो विदेशी पर्यटक कम से कम दो सप्ताह और कभी कभी तीन महीने

■ देश से 1.27 करोड़ पर्यटक कश्मीर पहुंचे

तक का कार्यक्रम बना कश्मीर की खूबसूरत वादियों का नजारा ले रहे हैं। यही नहीं खर्च के मामले में भी विदेशी पर्यटक सबसे आगे माने जाते हैं। एक हाउसबोट वाले रियाज अहमद के बकौल, देसी पर्यटकों का बजट कुछ भी नहीं होता है पर विदेशी पर्यटक जन्नत का नजारा लुटने को लूटने को भी तैयार रहते हैं। यही कारण है कि कश्मीर में जब से आतंकवाद फैला है तबसे लेकर अब तक तत्कालीन सरकारों का जोर ज्यादा से ज्यादा विदेशी पर्यटकों को कश्मीर की ओर आकर्षित करने का इसलिए रहा था ताकि वे कश्मीर की अर्थव्यवस्था को ढर्रे पर लाने में योगदान दे सकें। यह बात अलग है कि इस साल जनवरी में यहां मात्र 260 विदेशी पर्यटकों नें कश्मीर का रूख किया था वह संख्या अगस्त के अंत तक आते आते 18 हजार को पार कर गई। पर अभी तक कनाडा और अमेरीका जैसे देशों द्वारा अपने नागरिकों के कश्मीर की ओर जाने से आगाह किए जाने के कारण कश्मीर में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े कश्मीरी चिंता में हैं। उनकी संख्या अर्थ व्यवस्था को लेकर है। जबकि यह भी सच्चाई है कि अभी भी कुछेक अन्य देशों द्वारा अपने नागरिकों की कश्मीर यात्रा प्रतिबिंधित है।

सुडोकू 6312 का हल

3	2	5	4	9	8	1	7	6
7	1	8	5	6	2	3	4	9
9	6	4	3	1	7	8	2	5
8	9	6	2	3	1	4	5	7
2	5	3	7	4	9	6	8	1
1	4	7	6	8	5	2	9	3
5	7	1	8	2	3	9	6	4
6	8	9	1	5	4	7	3	2
4	3	2	9	7	6	5	1	8

दुनिया को जानें

पाकिस्तान में नए पोलियो वायरस संक्रमण की पहचान हुई

इस्लामाबाद, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पूर्वी पंजाब प्रांत का राजधानी शहर लाहौर में एक और जंगली पोलियो वायरस संक्रमण की पहचान की गयी है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस साल लाहौर में चौथे पोलियो मामला की पुष्टि हुई है। बयान में कहा गया है कि लाहौर में पोलियो के चार में से तीन मामले आनुवंशिक रूप से अफगानिस्तान में संक्रमण के एक समूह से जुड़े हुए हैं। बयान में कहा गया है कि इस साल स्वास्थ्य मंत्रालय ने 1700 नमूनों की जांच की जिसमें से 22 या लगभग एक प्रतिशत में जंगली पोलियो वायरस पाया गया। बयान में कहा गया है कि 2023 में अब तक पोलियो वायरस से दो बच्चे पक्षाघात से पीड़ित हो गये हैं। दोनों मामले उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिणी जिले बन्नू में दर्ज किए गए थे, जो पोलियो प्रभावित क्षेत्र बना हुआ है। मंत्रालय के अनुसार, लाहौर में पोलियो टीकाकरण अभियान चल रहा है और रविवार तक चलेगा।

खेल जगत

गुणवत्तापूर्ण आक्रमण नहीं खेलने से अक्सर मुख्य टूर्नामेंटों में थोड़ा अंतर पड़ता है : शुभमन गिल

कोलंबो, 9 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप में बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान सुपर फोर मैच की पूर्व संध्या पर, सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने स्वीकार किया कि रविवार के मैच के लिए अपने विरोधियों की तरह नियमित आधार पर गुणवत्तापूर्ण गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं करना अक्सर चीजें मुश्किल बना सकता है। राजनीतिक तनाव के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं होने के कारण, इसका मतलब है कि दोनों टीमें केवल आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप में एक-दूसरे के खिलाफ आमने-सामने होंगी, जिससे भारत के बल्लेबाजों को पाकिस्तान की घातक गेंदबाजी का आकलन करने और उसका विश्लेषण करने का समय नहीं मिलेगा। गिल ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इस स्तर पर, आपको बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों का सामना करना पड़ा होगा। जब भी हमारा सामना किसी नए गेंदबाज से होता है तो इससे फर्क पड़ता है।

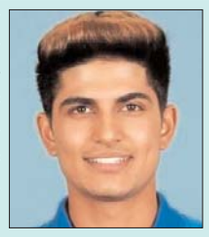

बारिश से खलल की आशंका के बीच पाक के खिलाफ भारत की निगाहें केएल राहुल व बुमराह के प्रदर्शन पर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 9 सितंबर (देशबन्धु)। दो चिर प्रतिद्वंद्वियों भारत और पाकिस्तान के बीच वन डे एशिया कप क्रिकेट में पालीकेल(श्रीलंका) ग्रुप ए का मैच बारिश के चलते अधूरा बेनतीजा खत्म होने से क्रिकेट प्रेमियों को बेहद निराशा हुई। बारिश के चलते अब दोनों के बीच अहम सुपर4 मैच पालीकेल से कोलंबो स्थानांतरित किए जाने के बावजूद बारिश के एक बार फिर रंग में भंग में डालने की पूरी आशंका है। भारत और पाकिस्तान के बीच इस मैच के बारिश के बाधा डालने की स्थिति में आखिर वक्त पर इस मैच के लिए फाइनल को छोड़ रिजर्व दिन खेले जाने की व्यवस्था की है। बैरी बदरा के रिजर्व दिन भी कोलंबो में बारिश के रंग में भंग डालने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।

बेशक बारिश पर किसी का बस नहीं है। जांघ की मांसपेशी में चोट के बाद ऑपरेशन कराने के बाद फिट हो लंबे समय बाद भारतीय क्रिकेट में वापसी का विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल का इंतजार और लंबा हो सकता है। भारत की निगाहें पाकिस्तान के खिलाफ इस सुपर 4 मैच में यदि बारिश खलल नहीं डालती तो केएल राहुल के साथ खासतौर पर अपने घर में वन डे विश्व कप से पहले अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर रहेगी। बुमराह ने चोट के बाद वापसी पर भारत को आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज जिता अपनी फिटनेस लगभग साबित कर दी है। सबसे बड़ा सवाल यह रहेगा कि क्या भारत रुप मैच में चार विकेट मात्र 66 रन पर गंवाने के बादकेएल राहुल उकी गैरमौजूदगी में मौका 82 रन की यादगार पारी खेलने वाले ईशान किशन को पाकिस्तान जैसे चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सुपर 4 मैच में भारत बाहर बैठाने का जोखिम लेगा। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने इन दोनों को एकादश में साथ रखने की बात कही जरूर हो लेकिन इसकी संभावना कम ही लगती है। भारत यदि इशान और केएल राहुल दोनों को पाकिस्तान के खिलाफ एकादश में रखता है तो क्या वह श्रेयस अय्यर को एकादश से बाहर रखने का एक और मुश्किल फैसला लेगा । भारत चाहेगा कि पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच के बाद अपने बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौटने के बाद अब फिर टीम से जुड़ चुके चोट के बाद वापसी करने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की मैच फिटनेस को अपने घर में अगले महीने होने वाले वन डे विश्व कप से पहले एक बार फिर पाकिस्तान जैसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जांच परख ले।

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ मैच ही बारिश के अधूरी बेनतीजा रहा हो लेकिन पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हैरिस रउफ की त्रिमूर्ति और भारत के कप्तान रोहित शर्मा, उनके सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर के बीच जरूर रोचक मुकाबला देखने को मिला। अफरीदी अपनी खतरनाक स्विंग और रउफ रफ्तार से बल्लेबाजों को बौखलाते हैं जबकि नसीम शाह की गेंद गिरने के बाद खतरनाक ढंग से उठती गेंदों के लिए बल्लेबाज का पिच पर टिकना मुश्किल बना देते हैं।

नसीम शाह को बांग्लादेश के मैच के दौरान चोट के बादअब फिट होकर बारिश ने खलल न डाला तो भारत के खिलाफ पाकिस्तान की एकादश में जगह पाना पक्का है। कोलंबो के प्रेमदास स्टेडियम की पिच पर गेंद कई बार गिरने के बाद एकदम नीची रह जाती है और कई बार एकदम उपर आती है और इससे दोनों टीमों के बल्लेबाजों को दिक्कत पेश आनी पक्की है। तेज गेंदबाजों के साथ स्पिनरों के लिए भी पिच में मदद की संभावना है और ऐसे में बल्लेबाजों का इस पर खासतृर पर इम्तिहान होगा। पाकिस्तान के खिलाफ बाबर आजम और ऑलराउंडर इफ्तिखार अहमद नेपाल के खिलाफ शतक जड़ चुके हैं। वहीं भारत के इशान किशन और उपकप्तान हार्दिक पांडया के मैच की नजाकत के मुताबिक पाकिस्तान के खिलाफ बेशकीमती अर्द्धशतक जडने् के बाद खुद कप्तान रोहित और उनके सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल भी नेपाल के खिलाफ अपनी रंगत पा पाकिस्तान के खिलाफ भी बड़ी पारी खेलने को बेताब होंगे।

घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलना भारत के लिए सबसे बड़ी बाधा : डिविलियर्स

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि अगले महीने शुरू होने वाले पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में खेलने से पहले भारत के पास एक मजबूत टीम है, लेकिन उनका मानना है कि रोहित शर्मा एंड कंपनी के लिए एकमात्र चिंता घर पर शोपीस इवेंट खेलना है। भारत, 1983 और 2011 का चैंपियन, अपने 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मुझे लगता है कि भारत की टीम अविश्वसनीय है, वास्तव में मजबूत है। लेकिन भारत के लिए मेरी एकमात्र चिंता घरेलू मैदान पर खेलना है। पिछली बार जब वे भारत में खेले थे तो जीते थे। मगर इस बार भारी दबाव होगा, मेरी राय में यही एकमात्र बड़ी बाधा है।

साथ ही, डिविलियर्स को लगता है कि अगर भारत अपने आस-पास की उम्मीदों पर काबू पाने में कामयाब रहा, तो उन्हें उम्मीद है कि वे टूर्नामेंट में काफी आगे तक जाएंगे। लेकिन निडर होकर जाओ। और बिल्कुल यही वह शब्द है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, देश के दबाव के बारे में भूल जाओ, यह कुछ ऐसा है जिसे आप नियंत्रित नहीं कर सकते। जिसे आप नियंत्रित कर सकते हैं उसे नियंत्रित करें। निडर वह शब्द है जिसे मैं भारतीय टीम में तलाश रहा हूं। अगर वे ऐसा कर सकते हैं, तो वे बहुत आगे तक जाएंगे और संभवत: वह ट्रॉफी उठाएंगे। डिविलियर्स का यह भी मानना है कि टी20 बल्लेबाजी के धुरंधर सूर्यकुमार यादव को वनडे बल्लेबाजी कोड में महारत हासिल करने के लिए केवल एक छोटी मानसिकता में बदलाव की जरूरत है। सूर्यकुमार का वनडे बल्लेबाजी औसत महज 24.33 है।

स्काई को विश्व कप टीम में देखकर मुझे बहुत राहत मिली है, मैं इससे बहुत खुश हूं। आप लोग जानते हैं कि मैं (सूर्यकुमार का) बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। वह वैसे ही खेलता है जैसे मैं खेलता था, लेकिन वनडे में, उसने अभी तक ऐसा नहीं किया है। यह एक छोटा सा दिमागी बदलाव है जो उसे करना है, और उसके पास ऐसा करने के लिए आवश्यक सभी क्षमताएं हैं। मुझे उम्मीद है कि इस विश्व कप में उन्हें यह मौका मिलेगा। मुझे अभी तक यकीन नहीं है (अगर ऐसा होगा)। भारतीय टीम के संतुलन को देखते हुए, हो सकता है कि वह शुरुआत न करें। लेकिन विश्व कप एक लंबा टूर्नामेंट है, तो देखते हैं फिर क्या होता है।

17 सितंबर को एशिया कप खत्म होने के बाद भारत 22-27 सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन वनडे मैच खेलेगा, इसके बाद वे अपना पुरुष एकदिवसीय विश्व कप अभियान शुरू करने से पहले क्रमश: 30 सितंबर और 3 अक्टूबर को इंग्लैंड और नीदरलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेंगे।

मुक्केबाज मनीष कौशिक, मंजू रानी फाइनल में

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। 2019 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मंजू रानी और 2019 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मनीष कौशिक ने शुक्रवार को बोस्निया और हर्जेगोविना के साराजेवो में 21वें मुस्तफा हजरुलाहोविच मेमोरियल टूर्नामेंट में समान सर्वसम्मत जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया। मनीष (63 किग्रा) ने भारत के लिए दिन की शुरुआत अफगानिस्तान के मोहम्मद सरवारी के खिलाफ की। मनीष ने अपने अनुभव का इस्तेमाल किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को 5-0 से मात देने के लिए तीन राउंड में अपना सर्वश्रेष्ठ आक्रमण किया। फाइनल में अब मनीष का मुकाबला फिलिस्तीन के मोहम्मद सउद से होगा। मंजू रानी (50 किग्रा) ने हंगरी की पेट्रा मेजेई के खिलाफ रिंग में उतरते समय इसी तरह का दबदबा दिखाया। मंजू अपने त्वरित क्षण और शक्तिशाली मुक्कों से प्रतिद्वंद्वी के लिए बहुत मजबूत साबित हुईं और 5-0 से शानदार जीत के साथ फाइनल में पहुंच गईं। अब वह स्वर्ण पदक हासिल करने की कोशिश में अफगानिस्तान की सादिया ब्रोमांड से भिड़ेंगी। मंजू रानी (50 किग्रा), बरुण सिंह शगोलशेम (51 किग्रा), विनाक्षी (57 किग्रा), आकाश कुमार (57 किग्रा), मनीष कौशिक (63 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा) अपने फाइनल मुकाबले के लिए आज मैदान में उतरेंगे।

लक्ष्य एशियाई खेलों में दमदार प्रदर्शन कर चीन से लौटना है : अभिषेक

नई दिल्ली, 9 सितंबर (देशबन्धु)। नौजवान स्ट्राइकर अभिषेक अपनी हॉकी स्टिक पर गेंद को लेकर तेज फर्राटे के साथ एक बनाम एक की स्थिति में प्रतिद्वंद्वी टीम के किले को भेद कर गोल करने की कूवत के कारण इसी महीने के हांगजू(चीन) में होने वाले 19 वें एशियाई खेलों में अनुभवी मंदीप सिंह और ललित उपाध्याय, गुरजंट सिंह और सुखजीत सिंह के साथ भारत के आक्रमण की धुरी रहने वाले हैं। अभिषेक पहली बार एशियाई खेलों में शिरकत करने जा रहे हैं। दिल्ली से एकदम सटे हरियाणा के सोनीपत शहर के बाशिंदे 24 बरस के अभिषेक ने शुरू में हॉकी को जुनून की तरह चाहते वाले हिंदी शिक्षक शमशेर के प्रेरित किए जाने पर करीब 9 बरस

■ सभी साथी और कोच मेरी गलती को दूर करने में सहयोग कर रहे हैं

की उम्र में हॉकी थामी और शुरू के दस बरस तक घास पर अपने कौशल को निखारने के बाद 2017 में नैशनल हॉकी अकेडमी (एनएचए) में चुने जाने पर पहली बार एस्ट्रो टर्फ पर खेलने के बाद खुद का खेल इतना निखारा की भी 2021-22 में एफआईएच प्रो हॉकी लीग से पहली बार भारतीय सीनियर सीनियर हॉकी में जगह बनाई। क्रेग फुल्टन से भारत के चीफ कोच ग्राहम रीड ने जब अभिषेक कों इस साल के शुरू में भुवनेश्वर और राउरकेला में हॉकी विश्व कप के लिए टीम में चुना और वह आखिर के मैचों में अपनी चमक दिखा पाए और टीम नौवें स्थान पर रही तो सभी ने कहा कि वह शायद इसके लिए अभी जेहनी तौर पर तैयार नहीं थे। बावजूद इसके अभिषेक के हर आलोचक तक ने उन्हें भारतीय हॉकी का भविष्य बताया। अभी हाल ही में चेन्नै में भारत की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम से 'आराम' दिए जाने के बाद अभिषेक को जब हांगजू एशियाई खेलों के लिए अनुभवी आकाशदीप सिंह और दिलप्रीत सिंह जैसे स्ट्राइकरों पर तवज्जो दे चुना गया तो किसी भी हैरानी नहीं हुई

24 बरस के अभिषेक भारत के लिए अब 48 मैच खेल कर 18 गोल कर चुके हैं। वह कहते हैं। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में स्थान पाने मैं रोमांचित हूं। मैं मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को बेताब हूं। हांगजू एशियाई खेल बड़ा टूर्नामेंट है और हम उसी के मुताबिक तैयारी कर रहे हैं। हम एशियाई खेलों में पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलेंगे।

मेदवेदेव ने अल्काराज को हराया, फाइनल में जोकोविच से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दानिल मेदवेदेव ने यूएसटीए बिली जीन किंग में गत चैंपियन कार्लोस अलकराज को 7-6(3), 6-1, 3-6, 6-3 से हराकर अपने तीसरे यूएस ओपन फाइनल में प्रवेश किया। यूएस ओपन ने मेदवेदेव के हवाले से कहा, मैंने कहा था कि मुझे 10 में से 11 खेलने की जरूरत है। मैंने तीसरे सेट को छोड़कर, 10 में से 12 खेले। यही एकमात्र तरीका है (अल्काराज को हराने का)। वह बहुत युवा है, पहले से ही दो ग्रैंड स्लैम जीत चुका है, कई हफ्तों तक विश्व नंबर 1 रहा है, ईमानदारी से कहूं तो यह बहुत अविश्वसनीय है और मुझे लगता है कि उससे पहले किसी ने भी ऐसा नहीं किया है, इसलिए उसे हराने के लिए आपको यह करना होगा अपने आप से बेहतर बनो और मैं यह करने में कामयाब

रहा। दो सुपरस्टारों के मैचअप में, जिनमें से प्रत्येक के पास अप्राकृतिक टेनिस प्रतिभाओं का अपना अनूठा सेट है, 2021 न्यूयॉर्क चैंपियन, मेदवेदेव ने अपने शानदार बेसलाइन खेल के ब्रांड के साथ अल्काराज के आक्रामक खेल को बेअसर करने के लिए अपनी गणना बिल्कुल सही की। तीसरे वरीय ने भी शानदार सर्विंग प्रदर्शन का सहारा लिया, जो दूसरे सेट में चरम पर था, जब उन्होंने लगातार तीन लव होल्ड हासिल किए।

मेदवेदेव शुरुआत में टिके हुए थे, कई कठिन पकड़ से जूझ रहे थे और पहले सेट के केवल दो ब्रेक प्वाइंट बचाए क्योंकि अल्काराज ब्लॉक से बाहर चला गया। लेकिन स्थिति तब बदलनी शुरू हुई जब मेदवेदेव ने सेट के अंत में सर्विस पर लगातार 12 अंक जीते, जिसमें लव होल्ड की एक जोड़ी भी शामिल थी। तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने डबल फॉल्ट से उबरते हुए टाईब्रेक में चार-पॉइंट ब्लिट्ज में दो फोरहैंड विनर्स मारकर सेट को 3-3 कर दिया। मेदवेदेव ने सेट दो में तत्काल ब्रेक के साथ उस बढ़त को हासिल कर लिया, और उन्होंने सेट में सर्विस पर एक भी अंक नहीं खोया।

मेरा कार्यभार किसी और से दोगुना या तीन गुना अधिक है : हार्दिक

कोलंबो, 9 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के सुपर फोर मैच से पहले, ऑलराउंडर और उप-कप्तान हार्दिक पांड्या ने एक ऑलराउंडर की अनूठी चुनौतियों और मानसिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक मैच में उनका कार्यभार किसी भी अन्य की तुलना में दोगुना या तीन गुना अधिक होता है। इंग्लैंड में 2019 वनडे विश्व कप समाप्त होने के बाद, पांड्या की पीठ की बड़ी सर्जरी हुई, जिससे उनकी हरफनमौला प्रदर्शन क्षमता सीमित हो गई। लेकिन जीवनशैली और फिटनेस दृष्टिकोण में बदलाव के परिणामस्वरूप वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर वापस आ गए हैं और

भारत में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप से पहले टीम के लिए एक विश्वसनीय ऑलराउंडर बन गए हैं।

पांड्या ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, एक ऑलराउंडर के रूप में, मेरा कार्यभार अन्य सभी की तुलना में दोगुना या तीन गुना है। जब टीम में एक बल्लेबाज जाता है और बल्लेबाजी करता है और अपनी बल्लेबाजी खत्म करता है और पवेलियन जा रहा होता है, तो मैं उसके बाद भी गेंदबाजी करूंगा। इसलिए मेरे लिए, सभी प्रबंधन, सारा जोर लगाना और सब कुछ सत्र या मेरे प्रशिक्षण या मेरे प्री-कैंप सीज़न के दौरान होता है। मैच के दिनों में, पांड्या देखते हैं कि उनकी भूमिका किसी विशेष स्थिति में परिस्थितियों और आवश्यकताओं के अनुसार समायोजित हो जाती है और काम पूरा करने के लिए खुद का समर्थन करते हैं। जब मैच आता है, तो यह इस बारे में अधिक होता है कि टीम को क्या चाहिए, और प्रबंधन पक्ष पार्क से बाहर चला जाता है, और यह अधिक व्यावहारिक निर्णय है कि मेरे लिए कितने ओवरों की आवश्यकता है।

बांग्लादेश बनाम श्रीलंका एशिया की दूसरी बड़ी प्रतिद्वंद्विता है : इरफान पठान

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान ने कहा है कि बांग्लादेश और श्रीलंका की प्रतिद्वंद्विता एशिया कप में दूसरी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है। एशिया कप में बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच 16 बार आमना-सामना हुआ है, जिनमें से 13 बार श्रीलंका ने जीत हासिल की है, जबकि बांग्लादेश केवल 3 बार ही जीत हासिल कर सका है।

बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच कोलंबो में सुपर 4 स्टेज का दूसरा मैच चल रहा है, बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी है। स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए, पठान ने दोनों टीमों की शानदार प्रतिद्वंद्विता पर प्रकाश डाला और दोनों टीमों को एशिया कप में एक कठिन प्रतियोगी के रूप में श्रेय दिया।

इरफ़ान ने कहा, क्रिकेटर इन

क्रिकेटर इन प्रतिद्वंद्विताओं को बहुत दिलचस्प बनाते हैं। यदि मुशफिकुर रहीम ने नागिन नृत्य नहीं किया होता जो बहुत लोकप्रिय हुआ, तो उनकी प्रतिद्वंद्विता थोड़ी कम होती। अंतत:, क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर अच्छा क्रिकेट नहीं होगा तो आप प्रतिद्वंद्विता का आनंद भी नहीं ले पाएंगे और यहां भी आपको यही देखने को मिलेगा : इरफान पठान

प्रतिद्वंद्विताओं को बहुत दिलचस्प बनाते हैं। यदि मुशफिकुर रहीम ने नागिन नृत्य नहीं किया होता जो बहुत लोकप्रिय हुआ, तो उनकी प्रतिद्वंद्विता थोड़ी कम होती। अंतत:, क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर अच्छा क्रिकेट नहीं

होगा तो आप प्रतिद्वंद्विता का आनंद भी नहीं ले पाएंगे और यहां भी आपको यही देखने को मिलेगा। यह निदहास ट्रॉफी 2018 के दौरान था जब श्रीलंका के खिलाफ 215 रनों का पीछा करते हुए बांग्लादेश एक बड़ी हार की ओर देख रहा था। हालाँकि, मुशफिकुर ने अपनी 72 रनों की तेज़ पारी से खेल का रुख पलट दिया और हार के जबड़े से जीत छीन ली। विजयी छक्का लगाने के तुरंत बाद, उन्होंने श्रीलंकाई भीड़ के सामने %नागिन नृत्य% शुरू किया जो जल्द ही दुनिया भर में लोकप्रिय हो गया।

हालांकि, इसकी शुरुआत मुशफिकुर रहीम ने नहीं की थी। नजमुल इस्लाम अपू ने इस प्रवृत्ति की शुरुआत तब की जब वह बांग्लादेश प्रीमियर लीग में अपनी फ्रेंचाइजी राजशाही किंग्स के लिए खेल रहे थे। इरफ़ान ने मथीसा पथिराना की गेंदबाजी शैली पर भी प्रकाश डाला और इसे अद्वितीय पाया, और उन्हें उनके आगे के करियर के लिए शुभकामनाएं दीं।

इरफ़ान ने कहा, उनमें बहुत सारे गुण हैं जो उन्हें श्रीलंका का स्टार खिलाड़ी बनाते हैं। बॉलिंग करते समय सभी फैंस का ध्यान उनके हाथ पर रहता है, वह जो स्लिंगिंग एक्शन करता है, वही उसे इतना अनोखा बनाता है। ऐसी गेंद से निपटना बहुत कठिन होता है. गेंद डालते समय कसुन राजिथा का हाथ ऊपर की ओर आता है लेकिन दूसरी ओर, मथीसा पथिराना का हाथ अंपायर के ठीक पास से आता है जिसे पकड़ना बहुत मुश्किल होता है। दोनों के बीच लगभग 56 डिग्री का बहुत बड़ा अंतर है। उनकी स्लिंग शैली के अलावा, जो चीज़ उन्हें इतना अनोखा बनाती है वह यह है कि वह अपनी पीठ के निचले हिस्से के बल का उपयोग करके गेंद फेंकते हैं। उनका स्टाइल कंधे-कूल्हे के अलगाव का एक आदर्श उदाहरण है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, वह महान मलिंगा की तुलना में खुद को अधिक मोड़ते हैं और जितना अधिक आप अपने शरीर को मोड़ते हैं, आपकी पीठ पर उतना ही अधिक दबाव पड़ता है। वह अभी सिर्फ 20 साल की छोटी उम्र में है और यह भविष्य में उसके लिए हानिकारक हो सकता है। हम आशा करते हैं कि इस दोहराव वाली कार्रवाई से उनकी मांसपेशियां और भी मजबूत हो जाएंगी और हम उनके लंबे सफल करियर के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

सार संक्षेप

ऑलराउंडर माइकल नेसर ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम में शामिल

ब्लोमफोंटेन। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर माइकल नेसर को दक्षिण अफ्रीका में चल रही श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है ताकि मेहमानों को शेष श्रृंखला के लिए अतिरिक्त तेज गेंदबाजी विकल्प प्रदान किया जा सके। चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के हवाले से कहा, (वह) एक अनुभवी ऑल-फॉर्मेट क्रिकेटर है जो हमें दौरे के शेष भाग के लिए अतिरिक्त तेज गेंदबाजी विकल्प प्रदान करेगा। 33 वर्षीय नेसर के पास दो वनडे कैप हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के 218 के इंग्लैंड दौरे के दौरान आए, साथ ही दो टेस्ट मैच भी खेले। वह तीसरे मैच से पहले पोचेफस्ट्रूम में ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन, जिन्हें मिचेल स्टार्क के ग्रोइन की समस्या से जूझने के कारण वनडे टीम में शामिल किया गया था, को अब मामूली हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। रिपोर्ट के अनुसार, जॉनसन दौरे पर बने रहेंगे, और महीने के अंत में तीन मैचों की श्रृंखला के लिए टीम के साथ भारत की यात्रा करना जारी रखेंगे, लेकिन उनके साथ सतर्क रुख अपनाया जाएगा। वनडे कप्तान पैट कमिंस इंग्लैंड में एशेज में लगी कलाई की चोट से उबरने के कारण अभी भी उपलब्ध नहीं हैं।

हर खिलाड़ी आश्वस्त है और जीत पर ध्यान केंद्रित कर रहा है : बाबर आजम

कोलंबो। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम रविवार को यहां अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ होने वाले एशिया कप के सुपर फोर के बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले आश्वस्त दिख रहे हैं। शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए बाबर ने तैयारियों और टीम कॉम्बिनेशन पर रोशनी डाली और यह भी कहा कि सभी खिलाड़ी भारत के खिलाफ मैच जीतने को लेकर आश्वस्त हैं। बाबर ने कहा,हम मौसम को लेकर निराश नहीं हैं क्योंकि यह हमारे नियंत्रण में नहीं है। पूर्वानुमान में कहा गया था कि चारों दिन बारिश होगी, लेकिन अभी जिस तरह से सूरज चमक रहा है, उससे कुछ और ही पता चलता है। हमें जितने भी दिन मिलते हैं हम उनका सदुपयोग करने का प्रयास कर रहे हैं। हम किसी भी चीज़ पर अड़े नहीं हैं या संयोजन को लेकर भ्रमित नहीं हैं। मैं इस पर स्पष्ट हूं और प्रबंधन भी। हम जानते हैं कि स्थिति के अनुसार कौन सा संयोजन चुनना है। प्रत्येक खिलाड़ी अपनी भूमिका को लेकर आश्वस्त है, उसका ध्यान जीतने और एक टीम के रूप में एकजुट रहने पर है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बाबर ने मैचों के बीच व्यस्त यात्रा और खिलाड़ियों और टीम को महसूस होने वाली थकान के बारे में भी बात की। हम बहुत यात्राएँ कर रहे हैं, और निश्चित रूप से, यह एक ही समय में व्यस्त भी है लेकिन हम इस पर निर्णय नहीं ले सकते हैं।

दुख का कारण बन रहा उपभोक्तावाद

इसका असर देखिए! जिसके पास रीढ़ नहीं है वह भी महंगी पलंग और मैट्रेस ढूंढ रहा है। घड़ी पहले समय बताती थी अब औकात बताती है। धर्म के सर्वेसर्वा भी अंधकार का भय दिखाकर टॉर्च बेचने के फ़िराक में है। पैसे से पाप को पवित्र करने की परंपरा चल पड़ी है। स्कूल से लेकर अस्पताल तक सब कुछ फाइव स्टार। अब अगर मुर्दा भी उठकर अपने लिए कोई ब्रांडेड कफन मांग ले तो आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि उपभोक्तावादी दुनिया में सब संभव है।

■ दयानंद सीमा मिश्र

पिछले कुछ सालों में कितना कुछ बदल गया है। अखबार के इश्तिहार से लेकर इंसान के व्यवहार तक, चुनाव के प्रचार से भगवान के दरबार तक। सब कुछ एकदम रंगीन, इतना रंगीन कि मनुष्य इसके रंगत से वंचित न रहे। ताज्जुब कि ये सारे बदलाव मानव जीवन के उन्नत कि बुनियाद पर स्वीकार की गई है। जिसने एक नई जीवन शैली 'उपभोक्तावाद' को जन्म दिया है।

'उपभोक्ता' होना कहीं से अनुचित नहीं है लेकिन जैसे ही इसमें 'वाद' जुड़ता है। यह 'उपभोक्तावाद' नामक तंत्र लोभ, भय और नफ़रत के द्वारा संचालित होने लगता है।

उपभोक्तावाद की प्रवृत्ति मदारी की होती है। जहाँ कुछ पूंजीपति, बड़े समूह को अपने अनुसार नचाते हैं। वास्तव में उपनिवेशवाद से उद्योगवाद तक की यात्रा में एक समानता है 'सामंतवाद' की।

जिसके जरिए मनुष्य को ग़ुलाम बनाए रखने की गहरी साजिश जान पड़ती है, क्योंकि हम वही कर रहे हैं जो कुछ चंद पूंजी वाले चाहते हैं।

अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा कि 'मनुष्य वह कर सकता है जो वह चाहता है पर वह यह चाह नहीं सकता कि क्या चाहे!' आज आपके 'चाहने' पर कुछ पूंजीवादी लोगों का नियंत्रण है।

भौतिकवाद का स्वभाव अधिक वस्तुओं के स्वामी होने पर अधिक सुख जैसा है। अब भला सुख से कोई क्यों विमुख रहना चाहेगा? लेकिन महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि सुख के लिए पूरे संसार पर अपनी मनमानी चलाना जरूरी है? सुख की शर्त ऐसी नहीं हो सकती। हाँ लोभ की ऐसी शर्त अवश्य है कि सभी वस्तुओं पर अपना अधिकार हो। मानव जीवन की दो प्रमुख बातें है। एक 'आवश्यकता' जो पूर्ण होने पर 'सुख' की अनुभूति देती है, दूसरा 'वासना' जो 'लोलुपता' को आकर्षित करती है। जीवन की वास्तविक आवश्यकता रोटी, कपड़ा, मकान, स्वस्थ शरीर और प्रेम यहीं है। इससे आगे जो कुछ भी है वह वासना है अर्थात अहंकार, महत्वाकांक्षा, पाखंड।

इसका असर देखिए! जिसके पास रीढ़ नहीं है वह भी महंगी पलंग और मैट्रेस ढूंढ रहा है। घड़ी पहले समय बताती थी अब औकात बताती है। धर्म के सर्वेसर्वा भी अंधकार का भय दिखाकर टॉर्च बेचने के फ़िराक में है। पैसे से पाप को पवित्र करने की परंपरा चल पड़ी है। स्कूल से लेकर अस्पताल तक सब कुछ फाइव स्टार। अब अगर मुर्दा भी उठकर अपने लिए कोई ब्रांडेड कफन मांग ले तो आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि उपभोक्तावादी दुनिया में सब संभव है।

फणीश्वरनाथ रेणु ने कहा कि 'जाति दो ही है एक गरीब और दूसरा अमीर' और यह सच भी है। भौतिकवादी दुनिया में चंद पूंजीपतियों को छोड़कर सब गरीब है लेकिन कोई मनाने को तैयार नहीं और अच्छी बात ये है कि सरकार और पूंजीपति भी यही चाहते हैं कि आप बनावटी विलासिता के मेटावर्स में स्वघोषित राजा बने रहें।

दरअसल उपभोक्तावाद की जिस अंधी दौड़ में आप दौड़ रहे है या प्रेरित हो रहें है। उसका कोई एंडिंग पॉइन्ट नहीं है। अगर आप जीत भी गए तो कुछ हासिल नहीं होगा क्योंकि इस दौड़ का विजेता पहले से निर्धारित है।

प्रश्न यह उठता है कि उपभोक्तावाद से समस्या क्या है? वैसे तो इस दौर की अधिकाधिक समस्याओं की जननी ही उपभोक्तावाद है। फिर भी इसका सीधा प्रभाव पर्यावरणीय स्थिरता पर पड़ता है। इच्छा को पूरा करने के लिए न केवल प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास हो रहा है बल्कि इसका दुष्परिणाम भी हमारे के सामने है। आज हमारे बीच एक ऐसा अभिजात वर्ग बनकर तैयार हुआ है। जो दावा करता है कि पैसे से सब कुछ संभव है। प्रेम, करुणा, दया यहाँ तक कि इंसानी शरीर भी इसके लिए वस्तु है। मैं इससे बहुत ज्यादा अचंभित नहीं हूं क्योंकि जिस समाज में प्रतिष्ठा का आधार ही भौतिक सुख मांग लिया गया हो, जहाँ स्वभाव की नहीं प्रभाव की पूजा होती हो, संस्कार नहीं अहंकार का गुणगान होता हो, चरित्र का नहीं पूंजी की स्तुति होती हो वहाँ क्या ही उम्मीद की जा सकती है।

बाजार की संस्कृति के सामने परिवार व स्कूल जैसे संस्थाओं के मूल्य कमजोर पड़ रहे है। परिणाम स्वरूप लगाव, भावना, संयम, अनुशासन, परंपरा, सहानुभूति और प्रेम जैसे शब्द हमारे स्वस्थ समाजीकरण के पृष्ठभूमि से गायब हो रहा है।

पिछले दिनों एसोचैम के सोशल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने देश के तीन हजार कामकाजी माता-पिता पर एक अध्ययन कराया था। इसमें पता चला कि कामकाजी माता-पिता के पास अपने बच्चों के साथ समय गुजारने के लिए केवल बीस मिनट का समय रह गया है। निश्चित ही पूँजीवादी दुनिया के लिए अच्छी खबर हो सकती है लेकिन आपके बच्चों और सभ्य समाज के विकास के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या होगा?

इस जीवन शैली ने एक ओर अमीर व्यक्ति के भीतर की क्रूरता जगाई तो दूसरे ओर गरीबी के अभाव ने अंदर की विद्रोह को हवा दी। सच यह है कि इस प्रतिशोध में दोनों जल रहे हैं। एक वैभव के ढोंग को बरकरार रखने के लिए और दूसरा वैभव के पाखंड को प्राप्त करने के लिए।

जबतक किसी भी समाज के विकास का मापदंड इकोनॉमिक ग्रोथ और जीडीपी के आंकड़े रहेंगे तबतक न्यूनतमवाद का सिद्धांत, पर्यावरणीय चेनता और मानवीय मूल्य सिर्फ़ भ्रम फैलाने वाले झूट ही साबित होंगे।

अंततः इस जीवन शैली के विस्तार से सामाजिक सरोकार कमजोर पड़ रहे है। सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास हो रहा है, मर्यादाएं टूट रहीं है, नैतिक मापदंड ढीले पड़ रहे है। भोग की इच्छाएं आसमान छू रही हैं, स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहीं है यह गंभीर चिंता का विषय है।

गांधी जी ने कहा था कि स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभावों के लिए अपने दरवाज़े-खिड़की खुले रखे पर अपनी बुनियाद पर क़ायम रहें।

पाश की तीन कविताएं

तुम्हारे बग़ैर मैं होता ही नहीं

तुम्हारे बग़ैर मैं बहुत खचाखच रहता हूँ
यह दुनिया सारी धक्कम-पेल सहित
बे-घर पाश की दहलीजें लाँघ कर आती-जाती है
तुम्हारे बग़ैर मैं पूरे का पूरा तूफ़ान होता हूँ
ज्वार-भाटा और भूकम्प होता हूँ

तुम्हारे बग़ैर
मुझे रोज़ मिलने आते हैं आइंस्टाइन और लेनिन
मेरे साथ बहुत बातें करते हैं
जिनमें तुम्हारा बिलकुल ही ज़िक्र नहीं होता
मसलन = समय एक ऐसा परिंदा है
जो गाँव और तहसील के बीच उड़ता रहता है
और कभी नहीं थकता
सितारे जुल्फ़ों में गूँथे जाते
या जुल्फ़ें सितारों में - एक ही बात है
मसलन = आदमी का एक और नाम मेन्शेविक है
और आदमी की असलियत हर साँस के बीच को खोजना है
लेकिन हाय-हाय!...
बीच का रास्ता कहीं नहीं होता
वैसे इन सारी बातों से तुम्हारा ज़िक्र ग़ायब रहता है

तुम्हारे बग़ैर
मेरे पर्स में हमेशा ही हिटलर का चित्र परेड करता है
उस चित्र की पृष्ठभूमि में
अपने गाँव की पूरे वीराने और बंजर की पटवार होती है
जिसमें मेरे द्वारा निक्की के ब्याह में गिरवी रखी ज़मीन के सिवा
बची ज़मीन भी सिर्फ़ जर्मनों के लिए ही होती है

तुम्हारे बग़ैर, मैं सिद्धार्थ नहीं - बुद्ध होता हूँ
और अपना राहुल
जिसे कभी जन्म नहीं देना
कपिलवस्तु का उत्तराधिकारी नहीं
एक भिक्षु होता है

तुम्हारे बग़ैर मेरे घर का फ़र्श - सेज नहीं
ईंटों का एक समाज होता है
तुम्हारे बग़ैर सरपंच और उसके गुर्गे
हमारी गुप्त डाक के भेदिए नहीं
श्रीमान बी.डी.ओ. के कर्मचारी होते हैं
तुम्हारे बग़ैर अवतार सिंह संधू महज़ पाश
और पाश के सिवाय कुछ नहीं होता

तुम्हारे बग़ैर धरती का गुरुत्व
भुगत रही दुनिया की तक़दीर होती है
या मेरे जिस्म को खरोंचकर गुज़रते अ-हादसे
मेरे भविष्य होते हैं
लेकिन किंदर! जलता जीवन माथे लगता है
तुम्हारे बग़ैर मैं होता ही नहीं।

घास

मैं घास हूँ
मैं आपके हर किए-धरे पर उग आऊँगा

बम फेंक दो चाहे विश?वविद्यालय पर
बना दो होस?टल को मलबे का ढेर
सुहागा फिरा दो भले ही हमारी झोपड़ियों पर
मुझे क?या करोगे?
मैं तो घास हूँ, हर चीज़ ढंक लूंगा
हर ढेर पर उग आऊँगा

बंगे को ढेर कर दो
संगरूर को मिटा डालो
धूल में मिला दो लुधियाना का ज़िला
मेरी हरियाली अपना काम करेगी...
दो साल, दस साल बाद
सवारियाँ फिर किसी कंडक?टर से पूछेंगी -
यह कौन-सी जगह है?
मुझे बरनाला उतार देना
जहाँ हरे घास का जंगल है।

मैं घास हूँ, मैं अपना काम करूँगा
मैं आपके हर किए-धरे पर उग आऊँगा।

सपने

हर किसी को नहीं आते
बेजान बारूद के कणों में
सोई आग को सपने नहीं आते
बदी के लिए उठी हुई
हथेली के पसीने को सपने नहीं आते
शेल्फ़ों में पड़े
इतिहास-ग्रंथों को सपने नहीं आते

सपनों के लिए लाज़िमी है
झेलनेवाले दिलों का होना
सपनों के लिए
नींद की नज़र होनी लाज़मी है
सपने इसलिए
हर किसी को नहीं आते

हास्य व्यंग्य

बिना ताज के महाराज

किसी भी सरकारी दफ्तर में बड़े साहब होना। भगवान का बहुत बड़ा आशीर्वाद है। आजकल धरती पर भगवान जब किस्मत में राजयोग लिखते हैं तब सरकारी दफ्तर में बड़े साहब होना लिखते हैं। अब राजो महाराजो का समय तो रहा नहीं वरना कहीं का राजा होना लिख देते । बड़े साहब और महाराज बस शब्द अलग-अलग है लेकिन उनकी ताकत, रुतबा, दबदबा एक जैसे ही होती है। सरकारी दफ्तर के बड़े साहब बिना ताज के महाराज होते हैं । इन सरकारी दफ्तर के बड़े साहबों की जिंदगी बड़े ही आनंद में कटती है।दुख और दरिद्रता इनसे सौ कदम दूर भागती है। उनकी जिंदगी में सिर्फ सावन का हरा-हरा , हरा-भरा बसंत होता है। पतझड़ नाम की कोई ऋतु नहीं होती है । उनकी की जिंदगी में सब रस रंग और स्वाद होते हैं। उनकी जिंदगी में बेस्वाद कुछ भी नहीं होता है। वह जिधर भी नजर घुमा देते हैं। वही से स्वाद आकर उनके जिह्वा पर विराजमान हो जाती है। और यदि किसी सरकारी नेता का वरदहस्त प्राप्त हो तो फिर तो उनका कहना ही क्या है। सोने पर सुहागा ही मान लीजिए । एक बार बड़े साहब बनने के बाद उनके भाग्य खुलते नहीं है। बल्कि हर तरफ से खुल ही जाते हैं । उसके बाद तो उनका बुरा करने के लिए तो स्वयं ईश्वर को ही अवतरित होना पड़ता है। उनके अलावा उनका बुरा और कोई नहीं कर सकता है। लेकिन वह जिसका बुरा करने पर उतारू हो जाए। उन्हें तो ईश्वर के द्वारा भी सुरक्षा नहीं मिलती है । और उनका बर्बाद होना तय हो जाता है। वह छुट्टा सांडो से होते हैं वह किसी को भी सींग मारने के लिए स्वतंत्र होते हैं किसी को भी परेशान कर सकते हैं।

लेकिन उनके मातहत जानते हैं कि किस बात पर साहब प्रसन्न हो सकते हैं और किस बात पर सब की जीभ का स्वाद बिगाड़ सकते है । उनसे किसी फाइल पर रात के 12-00 बजे भी साइन कैसे करवा सकते हैं । उन्हें साइन करवाने का तरीका पता रहता है। वह जानते हैं कि साहब को फीकी चीज पसंद नहीं पड़ती है। उनके आगे जब भी कोई फाइल ले जाना है तो सबसे पहले उनके मुंह का स्वाद बनाना पड़ता है। कुछ लोग इसे भ्रष्टाचार कहते हैं। लेकिन साहब के मातहत लोग इसे साहब का मूड बनाना और खाने में अचार की संज्ञा देते हैं । साहब का एक ही कहना है स्वाद तो हर कोई ले रहा है। अचार के शौकीन तो ऊपर से लेकर नीचे तक भरे पड़े हैं। एक अकेले हम ही थोड़े ही ना है। अचार तो हर कोई खा रहा है ऊपर से नीचे तक सभी खा रहे हैं। तुम लोग तो छोटा सा टुकड़ा खिलाते हो। और उसमें तुम्हारी जान जाती है लेकिन ऊपर वाले को तो कभी-कभी अचार की पूरी बरनी ही थमानी पड़ती है। उनके पास खाने वाले हजार मुंह है। और हजार तरीके भी वह जानते हैं।

लघुकथाएं

■ दयानंद सीमा मिश्र

मुखौटा

अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला समिति के वार्षिकोत्सव की तैयारियां हो रहीं थी। महिलाओं की केन्द्रीय कमेटी ने विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से यह तय किया कि इस बार दंश के सम्पादक को मुख्य अतिथि के रूप में निमंत्रित किया जाये क्योंकि पिछले एक दशक से वे महिलाओं की ज्वलन्त समस्याओं पर निरन्तर अपनी पत्रिकाओं में सवाल उठा रहे हैं और स्त्री मुक्ति का नारा दे रहे हैं। सम्मेलन प्रारम्भ हुआ। सम्पादक जी आये और अध्यक्ष पद से बोलते हुये उन्होंने कहा कि ''वर्तमान मध्यमवर्गीय समाज में घरेलू हिंसा की घटनायें अखबार की सुर्खियां बनी हुई हैं।' अन्त में उन्होंने पुरूषों को चेतावनी देते हुए कहा कि ''यदि वे पुरूष श्रेष्ठता के दंभ को समाप्त नहीं करते तो महिलायें निकट भविष्य में पुरूषों के खिलाफ विद्रोह करने को विवश हांगी।' तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका भाषण समाप्त हो गया । वे अपनी कार में बैठकर घर आ गये। घर पर नौकर ने बताया कि उनकी पत्नी सुधा उनके जाने के बाद घर से चली गयी थी और अभी तक नहीं आई है। सम्पादक जी के चेहरे पर खामोशी भरे आक्रोश के निशान उभर आये। तभी सुधा ने घर में प्रवेश किया। वे डपट कर बोले-''मैंने तुमसे कितनी बार कहा है कि जब मैं घर आया करूं उस समय तुम्हारा मौजूद रहना बहुत जरूरी हैं, लेकिन तुम अपनी हरकतों से बाज नहीं आती हो।' वे शायद गुस्से में कुछ और भी कहते इसके पूर्व ही सुधा ने हाथ के इशारे से उन्हें चुप रहने का संकेत देते हुए कहा कि ''मैं सबसे पीछे बैठी हुई महिलाओं की सभा में आपका भाषण सुन रही थी। क्या ख्याल है? आप जो आक्रोशपूर्ण प्रतिक्रिया इस समय व्यक्त कर रहे हैं उसे मैं विस्तार के साथ प्रेस वालों को बता दूं।'

अब सम्पादक जी बगलें झांक रहे थे। उन्होंने अपनी भाषा में नम्रता घोलते हुए कहा-''अरे यार बात यह है कि मैं तुम्हें इतना प्यार करता हूं कि जब तुम घर पर नहीं होती हो तो मैं बेचैन हो जाता हूँ।'

सुधा मैं खूब समझती हूँ, कहते हुए व्यंग से मुस्करा रही थी।'

चूक

दोनों अभी अधिक घनिष्ट नहीं हो पाये थे लेकिन शनैः शनैः परस्पर आकर्षण बढ़ रहा था। शाम को कॉलेज छूटने के बाद अमित किसी न किसी बहाने रोशनी से अवश्य मिलता था। कई बार रोशनी भी गेट के बाहर उसकी प्रतीक्षा करती रहती। इस तरह एक वर्ष व्यतीत हो गया। आज अमित घर से यह फैसला करके चला था कि उसे अपने दिल की बात रोशनी से कर लेनी चाहिए। वह अपने प्रति रोशनी के आकर्षण को भी कुछ-कुछ महसूस कर रहा था। शाम को छुट्टी के बाद दोनों मिलते हैं। अमित ने रोशनी से कहा, 'आज मैं तुमसे कुछ खास बात करना चाहता हूं।' रोशनी पुलकित हो उठी। उसके चेहरे से ऐसा लग रहा था कि जैसे वह अमित की पहल का इंतजार कर रही हो। वे दोनों एक सार्वजनिक पार्क की बेंच पर जाकर बैठ गये। कुछ देर की खामोशी के बाद रोशनी ने पूछा, 'हां अमित तुम मुझसे कुछ कहना चाहते थे।' अमित ने रोशनी से कहा, 'आई . . . . . लव . . . यू।' वह पहली बार हकला रहा था। उसे यह कहने में कुछ सेकेंड लगे। रोशनी खिलखिलाकर हंस पड़ी हंसी थमने के बाद उसने अमित से कहा, 'ओह! तुमने मेरी समस्या हल कर दी।' वह पुनः खिलखिलाकर हंस पड़ी। अमित कुछ आगे बढ़कर रोशनी के हाथों को अपने हाथ में लेते हुए बोला,- 'तुम मुझे एक मौका दो ! मेरा मतलब मैरिज से है, मैं जीवन भर इस दुनिया को तुम्हारी आंखों से देखता रहूंगा।' वह आगे बढ़कर उसे चूमना चाहता था। रोशनी ने उसे पीछे ढ़केलते हुए कहा- ''मिस्टर अमित चाहने तो मैं भी तुम्हें लगी थी लेकिन अब मैंने तुम्हे चाहने का इरादा त्याग दिया है। तुम आत्मविश्वास के साथ यह नहीं कह सकते कि तुम मुझे प्यार करते हो और इस दुनिया को मेरी आंखों से देखना चाहते हो। मैं इस दुनिया को मेरी अपनी आंखो से देखती हूं और मैं ऐसा जीवन साथी कभी पसन्द नहीं करूंगी जो दुनिया को मेरी आंखों से देखे। यह दुनिया विसंगतियों से भरी है। अपनी आंखों से देखकर इसमें जीवन गुजारने का रास्ता हर शख्स को खुद ही तय करना चाहिये। तुमने अपने बारे में सच बोलकर मेरी समस्या हल कर दी हैं। गुड बाय ! यह कहते हुए रोशनी अपने घर जा रही थी। अमित आश्चर्य से रोशनी को जाते हुए देख रहा था। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि उससे चूक कहां पर हुई।

प्रेग्नेंसी

दस साल तक लिव इन में रहने के बाद एक दिन प्रियंका ने अनूप से कहा कि ''मैं तुम्हारे बच्चे की मां बनने वाली हूं।' उसने कहा-''डार्लिंग तुम्हें तो खुश होना चाहिये कि तुम बाप बनने वाले हो।' यह बात उसने अनूप के चेहरे पर पुती कालिख को देखकर कही। उसने फिर इठलाते हुये कहा, ''क्या बात है अनूप ? क्या तुम खर्चे को लेकर परेशान हो रहे हो ? हम लोग अभी तक अपना आधा-आधा खर्च उठा रहें हैं। बच्चे का खर्च भी आधा-आधा बंट जायेगा। वैसे तुम मुझसे कम कमाते हो इसीलिये मैं तुम्हें छूट भी दे सकती हूं और बच्चे का खर्च भी अकेले उठा सकती हूं। अब तो तुम्हें खुश होना चाहिये।

अनूप ने एक लम्बी सांस छोड़ते हुए कहा-''बात खर्च की नहीं है डार्लिंग ! मुझे बच्चे वाली औरतें पसन्द नहीं हैं। अगर तुमने एबार्शन न कराया तो बहुत सम्भव है मुझे तुमसे अलग होना पड़ेगा।' ''ओह गुड ! मेरा खयाल बिल्कुल सही था। अनूप मैंने तैयारी कर ली है।' कहते हुए प्रियंका ने अटैची उठाई और कमरे से बाहर निकल गई। और जाते-जाते यह भी कहना न भूली-''मुझे अभी तक कोई प्रेग्नेंसी नहीं है दोस्त ! मैं तो तुम्हारी औकात जानना चहती थी।'

वह तेजी से सड़क पर जा रही है और अनूप ''सुनो तो ! सुनो तो डार्लिंग'' कहता हुआ कुछ दूर उसके पीछे गया पर निराश होकर लौट आया।

छत्तीसगढ़ महतारी

नोनी सुरक्षा योजना

बीपीएल परिवार में प्रथम दो बेटियों के जन्म पर 1 लाख रूपए और बीमा योजना का लाभ

योजना प्रारंभ होने के बाद से

84 हजार 594

बेटियों का पंजीयन

122.64 करोड़ रूपए

कॉरपस फंड में विनियोजित

अधिक जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट www.cgwcd.gov.in पर उपलब्ध

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ सरकार
भरोसे की सरकार

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188